राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार 10 सितंबर 2025 वर्ष-8,अंक-201 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

देश के 15वें उपराष्ट्रपति बने सीपी राधाकृष्णन

-एनडीए प्रत्याशी का 452 और इंडिया ब्लाक के उम्मीदवार को 300 वोट मिले

एनडीए उम्मीदवार के पक्ष में हुई क्रॉस वोटिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीपी राधाकृष्णन देश के 15वें उपराष्ट्रपति होंगे। उपराष्ट्रपति चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन ने जीत दर्ज की है। इस चुनाव में कुल 767 सांसदों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतगणना के दौरान 752 वैलिड पाए गए और 15 वोट इनवैलिड करार दिए गए। सीपी राधाकृष्णन को प्रथम वरियता के 452 वोट मिले, जबकि इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी को प्रथम वरियता के 300 वोट ही मिले।

राष्ट्रपति चुनाव के लिए मंगलवार को संसद भवन में वोटिंग हुई। वोटिंग प्रक्रिया सुबह 10 बजे से शुरू हो गई जो शाम पांच बजे तक चली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सबसे पहले सुबह 10 बजे वोट डाला। वोटिंग शुरू होने से पहले सभी एनडीए सांसद सुबह 9.30 बजे ब्रेकफास्ट मीटिंग में हिस्सा लिया। मुकाबला एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन और इंडिया ब्लॉक के प्रत्याशी बी. सुदर्शन रेड्डी के बीच था। देश के 15वें उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए आज संसद भवन में सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक वोटिंग हुई। कुल 768 सांसदों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। लोकसभा और राज्यसभा मिलाकर भारत की संसद में कुल 788 सांसद होते हैं। वर्तमान दोनों सदनों को मिलाकर 7 सीटें रिक्त हैं। इस तरह कुल 781 सांसदों को वोट करना था, जिसमें से 13 वोटिंग में शामिल नहीं हुए। इनमें बीआरएस के 4, बीजेडी के 7, अकाली दल के 1 और 1 निर्दलीय सांसद ने वोट नहीं डाला। एनडीए 427 सांसदों ने वोट किया।

उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन की जीत हुई है। जो नतीजे आए हैं उससे स्पष्ट होता है कि विपक्ष अपने सांसदों को एकजुट रहने में सफल नहीं हो पाया। एनडीए के कुल 427 सांसद थे, अगर मान लिया जाए कि जगनमोहन रेड्डी की पार्टी वाईएसआर कांग्रेस के सभी 11 सांसदों ने एनडीए उम्मीदवार के पक्ष में वोट डाले, तो यह संख्या 438 पहुंचती है। लेकिन सीपी राधाकृष्णन को कुल 452 वोट मिले यानी विपक्ष के 14 सांसदों ने एनडीए उम्मीदवार के पक्ष में क्रॉस वोटिंग की।

-पीएम मोदी ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया हवाई सर्वेक्षण

मन व्यथित है... हिमाचल बाढ़ में कुल्लू और मंडी की तबाही देखकर बोले पीएम मोदी

कोलकाता (एजेंसी)। नई दिल्ली, 09 सितंबर (वेब वार्ता)। उत्तर भारत के कई राज्यों में बाढ़ और बारिश की वजह से जनजीवन काफी प्रभावित हुआ है। इस बीच पीएम मोदी आज बाढ़ प्रभावित इलाकों का जायजा लेने के लिए हिमाचल प्रदेश पहुंचे। यहां उन्होंने बाढ़ प्रभावित इलाके का हवाई सर्वेक्षण किया। इसके अलावा उन्होंने एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के कर्मियों से मुलाकात की। पीएम मोदी ने अपने एक्स अकाउंट पर भी अपने दौरे की तस्वीरें शेयर की हैं।

पीएम मोदी ने शेयर की तस्वीरें

सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर तस्वीरें शेयर करते हुए पीएम मोदी ने अपनी पोस्ट में लिखा, ÷हवाई सर्वेक्षण के जरिए हिमाचल प्रदेश में बाढ़ और लैंडस्लाइड की स्थिति का जायजा लिया। इस कठिन समय में हम प्रदेश के अपने भाई-बहनों के साथ पूरी मजबूती से खड़े हैं। इसके साथ ही प्रभावित लोगों की मदद के लिए कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहे हैं।÷

सीएम ने किया स्वागत

बता दें कि पीएम मोदी ने मंगलवार को आपदा प्रभावित मंडी तथा कुल्लू जिलों का हवाई सर्वेक्षण किया और फिर कांगड़ा पहुंचे। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला, मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने पीएम मोदी का स्वागत किया। विपक्ष के नेता जयराम ठाकुर, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव बिंदल और अन्य भाजपा विधायक भी गग्गल एयरपोर्ट पर मौजूद थे।

1500 करोड़ की वित्तीय सहायता

प्रधानमंत्री मोदी ने हिमाचल प्रदेश के लिए 1500 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता की घोषणा की। एसडीआरएफ और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की दूसरी किस्त अग्रिम रूप से जारी की जाएगी। प्रधानमंत्री ने पूरे क्षेत्र और लोगों को फिर से पटरी पर लाने के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया। यह कार्य कई तरीकों से किया जाएगा, जैसे प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से घरों का पुनर्निर्माण, राष्ट्रीय राजमार्गों का जीर्णोद्धार, स्कूलों का पुनर्निर्माण, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष के तहत राहत का प्रावधान और पशुधन के लिए मिनी किट जारी करना। कृषि समुदाय को सहायता प्रदान करने की महत्वपूर्ण आवश्यकता को देखते हुए, विशेष रूप से उन किसानों को अतिरिक्त सहायता प्रदान की जाएगी जिनके पास वर्तमान में बिजली कनेक्शन नहीं हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत, क्षतिग्रस्त घरों की जियोटैगिंग की जाएगी। इससे नुकसान का सटीक आकलन करने और प्रभावित लोगों तक सहायता शीघ्र पहुंचाने में मदद मिलेगी।

स्कूलों को करेंगे जियोटैग

निर्बाध शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए, स्कूल नुकसान की सूचना दे सकेंगे और उसे जियोटैग कर सकेंगे, जिससे समग्र शिक्षा अभियान के तहत समय पर सहायता मिल सकेगी। जल संचयन हेतु पुनर्भरण संरचनाओं का निर्माण किया जाएगा ताकि वर्षा जल का संग्रहण और भंडारण किया जा सके। इन प्रयासों से भूजल स्तर में सुधार होगा और बेहतर जल प्रबंधन को बढ़ावा मिलेगा। केंद्र सरकार ने नुकसान का आकलन करने के लिए हिमाचल प्रदेश का दौरा करने के लिए अंतर-मंत्रालयी केंद्रीय दल पहले ही भेज दिए हैं और उनकी विस्तृत रिपोर्ट के आधार पर आगे की सहायता पर विचार किया जाएगा।

मुआवजा राशि का ऐलान

प्रधानमंत्री ने आपदा से प्रभावित परिवारों से भी मुलाकात की। उन्होंने जान गंवाने वालों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदना और गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार इस कठिन समय में राज्य सरकार के साथ मिलकर काम करेगी और हर संभव सहायता प्रदान करेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने बाढ़ और प्राकृतिक आपदा में मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपये और गंभीर रूप से घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की भी घोषणा की।

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि आपदा प्रबंधन नियमों के तहत सभी प्रकार की सहायता प्रदान की जा रही है, जिसमें राज्यों को अग्रिम राशि का भुगतान भी शामिल है। उन्होंने तत्काल राहत और बचाव कार्यों में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सेना, राज्य प्रशासन और अन्य सेवा-उन्मुख संगठनों के कर्मियों के प्रयासों की सराहना की। केंद्र सरकार राज्य के ज्ञापन और केंद्रीय टीमों की रिपोर्ट के आधार पर आकलन की आगे समीक्षा करेगी। प्रधानमंत्री ने स्थिति की गंभीरता को स्वीकार किया और आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार स्थिति से निपटने के लिए हर संभव प्रयास करेगी।

बादल फटने से हुआ नुकसान

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार, हिमाचल प्रदेश में 20 जून से आठ सितंबर तक बादल फटने, भारी बारिश से अचानक बाढ़ आने और भूस्खलन के कारण 4,122 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। राज्य में वर्षा जनित घटनाओं और सड़क दुर्घटनाओं में 370 लोगों की मौत हो गई है। इनमें से 205 लोगों की मौत बारिश से जुड़ी घटनाओं के कारण हुईं। इनमें 43 मौतें भूस्खलन से, 17 बादल फटने से और नौ अचानक आई बाढ़ से हुईं। इसके अलावा, 41 लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं, जबकि सड़क दुर्घटनाओं में 165 मौतें हुई हैं।

नेपाल में आंदोलनकारियों ने कई मंत्रियों के घर जलाए, 5 ने दिए इस्तीफे

-पीएम ओली के भी देश छोड़ने की चर्चा, अब तक हिंसा में 20 की मौत

काठमांडू (एजेंसी)। श्रीलंका और बांग्लादेश में बीते कुछ सालों में राजनीतिक हलचल मची थी। हालात ऐसे थे कि मौजूदा सत्ता बिना किसी चुनाव के ही बेदखल हो गई और अंतरिम सरकारों ने कामकाज संभाला। अब ऐसी ही स्थिति भारत से लगे नेपाल में भी नजर आ रही है। सोशल मीडिया पर पाबंदी और भ्रष्टाचार के विरोध के नाम पर सोमवार को हिंसा देखने को मिली थी। काठमांडू समेत आसपास के शहरों में हिंसा के चलते कर्फ्यू लगा दिया गया है। इसके बाद भी हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मंगलवार को कई मंत्रियों के घरों और पीएम आवास तक भीड़ पहुंच गई है और तोड़फोड़ की। सोमवार को हुई हिंसा में 20 लोग की जान जा चुकी है और नेपाली पुलिस पर फायरिंग का आरोप है। इससे लोगों का गुस्सा और भड़क गया है। नेपाली युवाओं ने मंगलवार को कई नेताओं के घरों को आग के हवाले कर दिया। अब तक गृहमंत्री, कृषि मंत्री समेत पांच मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया है।

कृषि मंत्री रामनाथ अधिकारी ने इस्तीफा दे दिया है। इसके अलावा सोमवार को ही होम मिनिस्टर रमेश लेखक ने पद छोड़ दिया था, लेकिन यह चर्चा भी जोरों पर है कि पीएम ओली भी देश छोड़ सकते हैं। हालांकि इसके बारे में कोई पुष्टि नहीं है। फिलहाल इस्तीफा देने वाले मंत्रियों ने पीएम ओली से भी पद छोड़ने की अपील की है।

बता दें बांग्लादेश में भी ऐसा ही हुआ था, जब तत्कालीन पीएम शेख हसीना को देश छोड़कर निकलना पड़ा था। फिलहाल वह भारत में रह रही हैं। तब से अब तक बांग्लादेश में अंतरिम सरकार है। नेपाल के मामलों के जानकारों का कहना है कि केपी शर्मा ओली के खिलाफ बीते करीब एक साल से आंदोलन चल रहा है। उन पर इंडोनेशिया और मलेशिया से अपने कारोबारी हितों के तहत डील करने का आरोप है। फिलहाल इस बात की चर्चा भी नेपाल में जोरों पर है कि क्या इस आंदोलन के पीछे कोई विदेशी हाथ है।

रिपोर्ट के मुताबिक नेपाल में फिलहाल हालात यह हैं कि जेन जेड के युवा आंदोलनकारी कर्फ्यू की परवाह भी नहीं कर रहे। यही नहीं कई मंत्रियों और नेताओं के घरों को फूंक दिया गया है। नेपाल के संचार एवं आईटी मंत्री पृथ्वी सुब्बा गुरुंग के ललितपुर स्थित घर को आग के हवाले कर दिया गया है। इसके अलावा डिप्टी पीएम और वित्त मंत्री बिष्णु पौडेल के घर पर भी हमले हुए हैं।

गृहमंत्री रमेश लेखक ने पद भले ही छोड़ दिया है, लेकिन उनके घर को भी मंगलवार को प्रदर्शन कर रहे उपद्रवियों ने हमला किया। नेपाल राष्ट्र बैंक के गवर्नर बिस्वो पौडेल के घर पर भी पत्थर फेंके गए हैं। नेपाल के हालात बिगड़ते ही जा रहे हैं।

विदेश मंत्रालय ने पड़ोसी देश नेपाल में जारी घटनाक्रम को लेकर परामर्श जारी किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को पड़ोसी देश नेपाल में जारी घटनाक्रम को लेकर परामर्श जारी किया है। इसमें भारतीयों को स्थिति सामान्य होने तक देश की यात्रा टालने और वहां रह रहे भारतीयों को अपने निवास से बाहर नहीं जाने को कहा है। वहीं किसी भी आपात स्थिति में भारतीय दूतावास से संपर्क कर सकते हैं जिसके नंबर इस प्रकार हैं- +977 - 980 860 2881, +977 - 981 032 6134। यह नंबर व्हाट्सएप कॉल के लिए भी उपलब्ध रहेंगे। परामर्श में कहा गया है, 'नेपाल में बदल रहे हालात को देखते हुए भारतीय नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे स्थिति स्थिर होने तक वहाँ की यात्रा न करें। नेपाल में वर्तमान में मौजूद भारतीय नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे अपने वर्तमान निवास स्थान पर ही रहें, सड़कों पर निकलने से बचें और पूरी सावधानी बरतें। उन्हें नेपाली अधिकारियों और काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास द्वारा जारी स्थानीय सुरक्षा सलाह का पालन करने की भी सलाह दी जाती है।' इससे पहले विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी करके कहा था कि भारत पड़ोसी देश में जारी घटनाक्रम पर करीबी से नजर बनाए हुए है। भारत ने नेपाल में जारी विरोध प्रदर्शनों में हुई मौतों पर दुख व्यक्त किया और आशा जताई है कि सभी पक्ष हर मुद्दे का शांतिपूर्ण ढंग से बातचीत के माध्यम से समाधान निकालेंगे। विज्ञप्ति में कहा गया कि एक करीबी मित्र और पड़ोसी होने के नाते हम आशा करते हैं कि सभी पक्ष संयम बनाए रखेंगे और शांतिपूर्ण ढंग से बातचीत के माध्यम से किसी भी मुद्दे का समाधान करेंगे।

राष्ट्रपति ट्रंप के बुरे दिन शुरु: दुष्कर्म के मामले में 83 मिलियन डॉलर का हर्जाना देना होगा

वाशिंगटन (एजेंसी)। दुनिया में टैरिफ वॉर छेड़ने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बुरे दिन शुरु हो गए हैं। उन्हे एक के बाद एक झटके लग रहे हैं। कभी उनके खिलाफ अमेरिका में प्रदर्शन होते हैं तो कभी उन्हे के अपने लोग उनके सामने चुनौतियां खड़ी करते नजर आते हैं। ऐसे में ट्रंप को एक नया झटका लगा है। वो ये है कि अदालत ने ट्रंप की उस अपील को खारिज कर दिया जिसमें उन्होंने पत्रकार और लेखिका ई. जीन कैरोल को दिए गए 83.3 मिलियन डॉलर (करीब 693 करोड़ रुपये) के हर्जाने को रद्द करने की मांग की थी। तीन न्यायाधीशों की पीठ ने अपने आदेश में कहा, जूरी द्वारा दिए गए हर्जाने का फैसला इस मामले की असाधारण और गंभीर परिस्थितियों को देखते हुए उचित है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि ट्रंप इस मामले में राष्ट्रपति पद की इम्युनिटी (छूट) का दावा नहीं कर सकते। मई 2023 में एक अन्य जूरी ने ट्रंप को 5 मिलियन डॉलर (लगभग 42 करोड़ रुपये) हर्जाना देने का आदेश दिया था। जून 2024 में दूसरे सर्किट कोर्ट ने उस फैसले को भी बरकरार रखा। जनवरी 2024 में आए 83.3 मिलियन डॉलर के फैसले में से 18.3 मिलियन डॉलर कैरोल की भावनात्मक और प्रतिष्ठा की क्षति के लिए तथा 65 मिलियन डॉलर दंडात्मक हर्जाने के रूप में शामिल थे।

राज कुंद्रा को ईओडब्ल्यू ने भेजा समन

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा पर अगस्त में 60 करोड़ की धोखाधड़ी के आरोप में शिकायत दर्ज हुई थी। इस मामले में अब आर्थिक आपराधिक शाखा ने मंगलवार को राज कुंद्रा को समन भेजा है। उन्हें 15 सितंबर को ईओडब्ल्यू के आगे पेश होकर बयान दर्ज करवाना होगा। इससे पहले राज कुंद्रा को 10 सितंबर को पेश होने के तलब किया गया था, हालांकि उन्होंने समय मांगा, जिसके बाद अब वो 15 सितंबर को बयान दर्ज करवाएंगे। जांच पूरी होने तक राज कुंद्रा भारत से बाहर नहीं जा सकेंगे। 60 करोड़ की धोखाधड़ी मामले में शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा को 3 बार समन किया जा चुका है। दोनों ने वकील के जरिए जांच अधिकारियों से कहा कि वो लंदन में रहते हैं, जिसके चलते वो पेश नहीं हो सकेंगे।

गुरुद्वारा को बम से उड़ाने की धमकी

पटना (एजेंसी)। बिहार के पटना स्थित तख्त श्री हरमंदिर साहिब को आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी मिली है। धमकी ईमेल के जरिए भेजी गई है। मेल पर लिखा है, गुरु लंगर कक्ष में 4 आरडीएक्स रखे हैं। विस्फोट से पहले वीवीआईपी और कर्मचारियों को तुरंत बाहर निकाले। पुलिस ने बताया कि धमकी भरा मेल सोमवार रात में मिली थी, जिसके बाद गुरुद्वारा परिसर में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने पटना के स्स्क कार्तिकेय शर्मा को को जानकारी दी। पुलिस ने तुरंत गुरुद्वारा परिसर की सघन तलाशी शुरू की। बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड की मदद से लंगर हॉल सहित पूरे परिसर की बारीकी से जांच की गई। हालांकि कई घंटों की तलाशी के बाद कोई भी विस्फोटक पदार्थ नहीं मिला।

नेपाल का जिक्र कर पीएम मोदी की ओर इशारा करते संजय राउत, बोले- सावधान!

मुंबई (एजेंसी)। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के इस्तीफे और वहां भड़के हिंसक प्रदर्शनों के बीच, उद्धव ठाकरे गुट की शिवसेना के सांसद संजय राउत ने ट्वीट कर अप्रत्यक्ष रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी पर निशाना साधा है। दरअसल संजय राउत ने नेपाल में आगजनी और विरोध प्रदर्शनों का वीडियो शेयर करते हुए लिखा— नेपाल टुडे... यह स्थिति किसी भी देश में पैदा हो सकती है। सावधान! भारत माता की जय, वंदे मातरम। यही नहीं सांसद राउत ने अपने ट्वीट में खासतौर से प्रधानमंत्री मोदी और बीजेपी को टैग किया। राजनीतिक हलकों में इसे सत्ता पक्ष के खिलाफ चेतावनी माना जा रहा है। हालांकि कई लोग यह सवाल भी उठा रहे हैं कि राउत का ट्वीट चेतावनी वाला है या इसे धमकी माना जाए।

मिशन समुद्रयान, नौसेना प्रमुख ने की प्रमुख पायलट से मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना प्रमुख, एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने नई दिल्ली स्थित नौसेना मुख्यालय में कमांडर जे.पी. सिंह (सेवानिवृत्त) से मुलाकात की है। कमांडर जे.पी. सिंह मिशन समुद्रयान परियोजना के मुख्य पायलट हैं। समुद्रयान को पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा डीप ओशन मिशन के तहत शुरू किया गया है। इसे नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओशन टेक्नोलॉजी द्वारा संचालित किया जा रहा है।

यह भारत का पहला मानवयुक्त पनडुब्बी अभियान है। इस महत्वाकांक्षी मिशन का उद्देश्य स्वदेशी 'मत्स्य 6000' सबमर्सिबल के माध्यम से तीन सदस्यीय दल को समुद्र में 6,000 मीटर की गहराई तक भेजना है। मत्स्य 6000 भारत का एक मानवयुक्त पनडुब्बी सरीखा जलयान है। इसे गहरे महासागर में उतरने के उद्देश्य से राष्ट्रीय महासागर प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा विकसित किया जा रहा है। यह जलयान तीन व्यक्तियों को समुद्र में 6,000 मीटर तक की गहराई तक ले जाएगा।

समुद्रयान मिशन के अंतर्गत इसमें सवार विशेषज्ञ 6,000 मीटर की गहराई में दुर्लभ खनिजों और जैव विविधता की खोज व अध्ययन करेंगे। इस उपलब्धि के साथ भारत उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में शामिल होगा जिनके पास इतनी गहराई तक मानवयुक्त अभियान की क्षमता है। दिल्ली में हुई इस बैठक के दौरान नौसेना प्रमुख को मिशन की प्रगति, विभिन्न परीक्षणों, सुरक्षा प्रोटोकॉल और मुख्य पायलट की भूमिका के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

एडमिरल त्रिपाठी ने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओशन टेक्नोलॉजी की अग्रणी भूमिका और कमांडर जे.पी. सिंह के योगदान की सराहना की। उन्होंने समुद्रयान को भारत की महासागरीय सीमाओं की खोज की महत्वाकांक्षा और हमारे वैज्ञानिकों, अभियंताओं एवं नाविकों की अटूट भावना का जीवंत प्रतीक बताया।

सियाचिन में हिमस्खलन: दो अग्निवीर समेत तीन जवान शहीद, बचाव अभियान जारी

लेह। लद्दाख के सियाचिन ग्लेशियर में हुए हिमस्खलन में भारतीय सेना को गहरा आघात पहुंचाया है। इस हादसे में सेना के तीन जवान शहीद हो गए, जिनमें दो अग्निवीर शामिल हैं। यह दुखद घटना बेस कैंप के पास लगभग 12,000 फीट की ऊंचाई पर हुई। जानकारी के मुताबिक, महार रेजीमेंट के जवान पेट्रोलिंग कर रहे थे, तभी अचानक ग्लेशियर में हिमस्खलन हुआ और बर्फीली धारा उन्हें बहा ले गई। शहीद जवानों का संबंध गुजरात, उत्तर प्रदेश और झारखंड से था। सेना ने पुष्टि की है कि पांच अन्य जवान अब भी लापता हैं। वहीं, एक कैप्टन को जिंदा बचा लिया गया है। हादसे की सूचना मिलते ही सेना की अवलांच रेस्क्यू टीमें (एआरटी) मौके पर पहुंच गईं। बचाव अभियान में सेना के हेलिकॉप्टर—चीता और एमआई-17 का इस्तेमाल किया जा रहा है। लेह और उधमपुर से विशेष दल समन्वय कर रहे हैं। लेकिन -30 से -60 डिग्री तापमान, तेज हवाएं और लगातार गिरती बर्फ बचाव कार्य को बेहद कठिन बना रही हैं। सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है, कि सियाचिन जैसे दुर्गम और खतरनाक मोर्चे पर डटे हमारे जवान देश की सुरक्षा की पहली पंक्ति हैं। हम हर संभव प्रयास कर रहे हैं कि फंसे हुए जवानों को सुरक्षित बाहर निकाला जाए।

दुनिया का सबसे ऊंचा युद्धक्षेत्र-यहां बताते चलें कि सियाचिन ग्लेशियर कराकोरम श्रृंखला में 20,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित है और इसे दुनिया का सबसे ऊंचा युद्धक्षेत्र माना जाता है। यहां सैनिकों को न केवल दुश्मन से लड़ना पड़ता है, बल्कि प्रकृति की विकट विपरीत परिस्थितियों से भी जूझना पड़ता है। 1984 में ऑपरेशन मेघदूत शुरू होने के बाद से अब तक 1,000 से अधिक सैनिक मौसम और हिमस्खलन जैसी घटनाओं में शहीद हो चुके हैं।

आज जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बादल फटने का अनुमान

-राजस्थान और गुजरात में भारी बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारी बारिश और भयंकर जलभराव के बाद दिल्ली के हालात सामान्य हो रहे हैं। यमुना का जलस्तर तेजी से कम हो रहा है। वहीं फिर दिल्ली में उमस भरी गर्मी का अहसास होने लगा है। आने वाले तीन-चार दिनों में दिल्ली में पारा चढ़ने और गर्मी में इजाफा होने की संभावना है। वहीं उत्तर प्रदेश में 11 सितंबर से भारी बारिश का दौर शुरू होने की संभावना है। बिहार में 13 सितंबर तक हल्की से भारी बारिश हो सकती है। पंजाब में अगले दो-तीन दिनों तक बारिश से राहत मिलने की उम्मीद है।

मौसम विभाग ने राजस्थान और गुजरात में भारी बारिश की चेतावनी दी है। वहीं, पूर्वोत्तर भारत और ओडिशा में भी भारी बारिश की संभावना जाहिर की गई है। मौसम विभाग के अनुसार, अरुणाचल प्रदेश और असम और मेघालय में 12-14 के दौरान और नागालैंड और मणिपुर में 11 और 12 सितंबर को भारी

से बहुत भारी वर्षा की संभावना है इसका मतलब है कि इन राज्यों में अगले कुछ दिनों तक बहुत तेज बारिश हो सकती है। लोगों को सावधान रहने की जरूरत है।

बुधवार को जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के ज्यादातर हिस्सों में मौसम खराब हो सकता है। बादल फटने के साथ मूसलाधार बारिश, भूस्खलन और बाढ़ की संभावना है। इस सप्ताह महाराष्ट्र, गुजरात और गोवा में बारिश कम होने का अनुमान है। पूर्वोत्तर के राज्यों के साथ केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु और तेलंगाना के कुछ हिस्सों में भी ऐसी ही बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने कहा है कि बंगाल की खाड़ी में एक चक्रवाती सिस्टम बन रहा है। इस वजह से 10, 11, 12 और 13 सितंबर को मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। मौसम विभाग का कहना है कि अगले 24 घंटों में कई राज्यों में तेज हवाएं चल सकती हैं और बादल गरज सकते हैं। लोगों को सावधान रहने की जरूरत है।

उत्तर प्रदेश में मॉनसून कमजोर पड़ने के बाद भी अच्छी बारिश की उम्मीद है। पिछले 24 घंटों में तराई क्षेत्र में गरज के साथ बारिश हुई, जिससे मौसम सुहावना हो गया। मौसम विभाग ने बुधवार को राज्य के कई हिस्सों में बारिश की संभावना जाहिर की है। पूर्वी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में तेज हवाओं, बारिश और बिजली गिरने का खतरा है। बाकी जिलों में बादल छाए रहने की उम्मीद हैं, जिससे उमस बढ़ सकती है। राजस्थान में अगले चार दिनों तक मानसून सक्रिय रहेगा। हालांकि, आईएमडी के अनुसार, कोई नया सिस्टम नहीं बन रहा है। इसलिए 13 सितंबर तक ज्यादातर जगहों पर मौसम सामान्य रहेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

निराशा से आशा की ओरः आत्महत्या के खिलाफ जंग

भारत में स्थिति और भी चिंताजनक है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2022 में भारत में 1,70,924 आत्महत्याएं दर्ज की गईं, जो अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है और आत्महत्या दर 12.4 प्रति लाख जनसंख्या रही। यह दर पिछले वर्षों की तुलना में सर्वाधिक है। इनमें 18 से 45 वर्ष की आयु के लोगों की संख्या दो-तिहाई से अधिक है, जो दर्शाता है कि देश का युवा और कार्यशील वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित है। राज्यवार आंकड़े भी चिंताजनक हैं-सिक्किम में आत्महत्या दर लगभग 43 प्रति लाख रही जबकि बिहार में यह 1 से भी कम है। आत्महत्या के पीछे अनेक सामाजिक, आर्थिक और मानसिक कारण जुड़े हुए हैं।

(लेखक- ललित गर्ग)

(विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस - 10 सितम्बर, 2025)

दुनिया में आत्महत्या आज एक गहरी एवं विडम्बनापूर्ण वैश्विक चुनौती बन चुकी है। हर साल लाखों लोग अपनी ही जिंदगी से हार मान लेते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार हर साल लगभग 7.2 लाख लोग आत्महत्या करते हैं। यह सिर्फ व्यक्तिगत त्रासदी नहीं बल्कि सामाजिक, भावनात्मक और आर्थिक संकट भी है। 15 से 29 वर्ष की आयु वर्ग में मृत्यु का चौथा सबसे बड़ा कारण आत्महत्या है। यही वजह है कि हर साल 10 सितंबर को विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस मनाया जाता है। 2024 से 2026 तक इसकी थीम 'चेंजिंग द नैरेटिव ऑन सुसाइड' रखी गई है, जिसका उद्देश्य है आत्महत्या पर खामोशी तोड़कर इसे एक निष्क्रिय विषय से संवाद और सहयोग का सक्रिय विषय बनाना। आत्महत्या पर दृष्टिकोण का यह बदलाव आत्महत्या के बारे में लोगों की सोच और बातचीत के तरीके को चुनौती देता है, खुले और ईमानदार संवाद को बढ़ावा देता है जो कलंक को तोड़ता है और समझ को बढ़ावा देता है। आत्महत्या के अलावा जीवन में और भी बेहतर विकल्प हैं। इसके अलावा एक ऐसी समाज-व्यवस्था को बढ़ावा देना है जहां लोग मदद लेने में हिचहिचाए नहीं, बल्कि एक-दूसरे के सहयोग के लिये आगे आये। निश्चित रूप से खुदकुशी सबसे तकलीफदेह हालात के सामने हार जाने का नतीजा होती है और ऐसा फैसला करने वालों के भीतर वंचना का अहसास, उससे उपजे तनाव, दबाव और दुख का अंदाजा लगा पाना दूसरों के लिए मुमकिन नहीं है। आत्महत्या शब्द जीवन से पलायन का डरावना सत्य है जो दिल को दहलाता है, डराता है, खौफ पैदा करता है, दर्द देता है।

आत्महत्या जीवन की सबसे बड़ी त्रासदी है, यह मनुष्य होने के अर्थ और गरिमा को धूमिल करती है। जब जीवन जीने का साहस कमजोर पड़ता है तो व्यक्ति निराशा और अंधकार में डूबकर स्वयं को समाप्त करने की ओर बढ़ता है। वैश्विक स्तर पर यह एक गंभीर समस्या है, दुनिया भर से आते नए आंकड़े इस चुनौती की गंभीरता को और उजागर करते हैं। 2021 में अनुमानित 7.27 लाख आत्महत्याएं हुईं और विश्व में हर 43 सेकेंड में कोई एक व्यक्ति खुदकुशी कर रहा है। 73 प्रतिशत आत्महत्याएं निम्न एवं मध्यम आय वाले देशों में होती हैं और सबसे अधिक असर युवा और गृहिणियों पर पड़ता है। भारत में राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की 2021 की रिपोर्ट बताती है कि आत्महत्या करने वाली महिलाओं में 51.5 प्रतिशत गृहिणियां थीं। आत्महत्या की दर दो दशकों में 7.9 से बढ़कर 10.3 प्रति एक लाख हो गई है। उत्तराखंड जैसे राज्यों में पारिवारिक कलह आत्महत्या का बड़ा कारण है। युवा वर्ग की महत्वाकांक्षा क्षमता से अधिक हो चुकी है, पारिवारिक सामंजस्य खत्म हो गया है, असफलता का डर और तनाव सहने की क्षमता कम हो गई है। यही कारण है कि पढ़ाई के दबाव, नौकरी में असफलता, रिश्तों के टूटने और आर्थिक अभाव से युवा और किशोर आत्महत्या की ओर धकेले जा रहे हैं।

भारत में स्थिति और भी चिंताजनक है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2022 में भारत में 1,70,924 आत्महत्याएं दर्ज की गईं, जो अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है और आत्महत्या दर 12.4 प्रति लाख जनसंख्या रही। यह दर पिछले वर्षों की तुलना में सर्वाधिक है। इनमें 18 से 45 वर्ष की आयु के लोगों की संख्या दो-तिहाई से अधिक है, जो दर्शाता है कि देश का युवा और कार्यशील वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित है। राज्यवार आंकड़े भी चिंताजनक हैं-सिक्किम में आत्महत्या दर लगभग 43 प्रति लाख रही जबकि बिहार में यह 1 से भी कम है। आत्महत्या के पीछे अनेक सामाजिक, आर्थिक और मानसिक कारण जुड़े हुए हैं। बेरोज़गारी, गरीबी, पारिवारिक कलह, असफल प्रेम, नशे की लत और बीमारियां इसका बड़ा कारण बन रही हैं। मानसिक रोग और अवसाद ने इस समस्या को और गहरा किया है। एनसीआरबी के अनुसार 2018 से 2022 के बीच मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े कारणों से आत्महत्या के मामलों में 44 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। 2022 के आँकड़े बताते हैं कि आत्महत्या के प्रमुख कारणों में 33 प्रतिशत मामले पारिवारिक समस्याओं से जुड़े थे, लगभग 19 प्रतिशत मामले बीमारियों के कारण हुए, जबकि 6-7 प्रतिशत मामले विवाह सम्बन्धी समस्याओं और 6 प्रतिशत मामले ऋण और कर्ज़ से संबंधित थे। छात्र आत्महत्या का आंकड़ा भी बड़ा चिंताजनक है-2022 में यह कुल आत्महत्याओं का 7.6 प्रतिशत रहा। वैश्विक स्तर पर भी स्थिति गंभीर है, परंतु भारत में यह और ज्यादा जटिल इसलिए है क्योंकि यहां सामाजिक प्रतिस्पर्धा, उपभोक्तावादी जीवनशैली, परिवार का टूटता हुआ ढांचा और आर्थिक असमानता आत्महत्या की प्रवृत्ति को तेज़ कर रही है। आत्महत्या केवल एक जीवन का अंत नहीं है, बल्कि यह एक पूरे परिवार और समाज की आशाओं का विघटन है।

इस गंभीर समस्या से निपटने के लिए केवल व्यक्तिगत प्रयास पर्याप्त नहीं हैं बल्कि समाज और सरकार दोनों को संयुक्त रूप से कार्य करना होगा। भारत सरकार ने 2017 में मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम पारित करके आत्महत्या प्रयास को अपराध की श्रेणी से बाहर किया और 2020 में 'किरण' नामक राष्ट्रीय हेल्पलाइन शुरू की जो 13 भाषाओं में चौबीसों घंटे सहायता उपलब्ध कराती है। 2022 में राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम रणनीति बनाई गई जिसका लक्ष्य 2030 तक आत्महत्या दर में 10 प्रतिशत की कमी लाना है। इसमें मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार, परामर्श केंद्रों की स्थापना, रोजगार सृजन, पारिवारिक संवाद को मजबूत करना, मीडिया की संवेदनशीलता और सामाजिक सहयोग जैसे उपायों पर जोर दिया गया है। साथ ही स्वयंसेवी संस्थाओं और हेल्पलाइन सेवाओं-जैसे आसरा, वंद्रेवाला, समैरिटन्स मुंबई-की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। आत्महत्या को रोकने का सबसे बड़ा उपाय यही है कि व्यक्ति को निराशा के अंधकार में छोड़ने के बजाय उसके जीवन में आशा, साहस और सहयोग का संचार किया जाए क्योंकि कठिनाइयों का समाधान आत्महत्या में नहीं बल्कि संघर्ष, विश्वास और सहारा देने वाले समाज में है।

दुनिया का यह दुखद सच यह भी है कि चिकित्सा विज्ञान की प्रगति से बीमारियों से मरने वालों की संख्या घटी है पर आत्महत्या के कारण मरने वालों की संख्या बढ़ी है। भौतिकवादी जीवनशैली, प्रतिस्पर्धा, अवसाद और असंतुलन ने मनुष्य को भीतर से खोखला बना दिया है। प्रसिद्ध कलाकार, जिनका सार्वजनिक जीवन में हंसता खेलता चेहरा दिखाई देता है, कभी अचानक आत्महत्या कर लेते हैं क्योंकि भीतर का अकेलापन और दबाव उन्हें जीने नहीं देता। सवाल यह है कि जिनके पास साधन और सहयोग की कमी नहीं, वे भी क्यों जिंदगी के उतार-चढ़ाव को बर्दाश्त नहीं कर पाते। किसानों की आत्महत्या, आर्थिक तंगी, व्यापार में नुकसान, रिश्तों का टूटना, तलाक और अभाव की स्थिति आत्महत्या की सबसे बड़ी जड़ें हैं। समाज और परिवार का विघटन भी व्यक्ति को असहाय बना देता है।

आत्महत्या किसी भी सभ्य समाज के माथे पर कलंक है। टॉयनबी ने ठीक ही कहा है कि कोई भी संस्कृति हत्या से नहीं बल्कि आत्महत्या से मरती है। इस स्थिति को बदलना जरूरी है। सरकारों, संगठनों, समुदायों और परिवारों की जिम्मेदारी है कि वे संवाद और सहयोग की संस्कृति को बढ़ावा दें। जब कोई व्यक्ति संकट में हो तो परिवार, दोस्त, पड़ोसी और सहकर्मी उसे अकेला न छोड़ें बल्कि उसका हाथ थामें। हमें एक ऐसी सामाजिक संरचना बनानी होगी जहां मदद मांगना कमजोरी नहीं बल्कि साहस माना जाए। जहां तनाव और अवसाद को गंभीरता से समझा जाए और मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता मिले। जहां बच्चों को बचपन से ही संघर्षों से लड़ने की शिक्षा दी जाए और असफलताओं को जीवन का हिस्सा समझने का दृष्टिकोण विकसित किया जाए। आत्महत्या रोकथाम दिवस हमें यही संदेश देता है कि आत्महत्या से बचा जा सकता है, संवाद और सहयोग से जीवन बदला जा सकता है, और हर व्यक्ति को नई शुरुआत का अवसर दिया जा सकता है। यह दिन हमें यह समझाने आता है कि जिंदगी कठिन जरूर है लेकिन जीने के विकल्प हमेशा मौजूद हैं।

संपादकीय

दुःखी युवा पीढ़ी

दशकों मान्यता रही है कि समाज का मिडल ऐज ग्रुप दुःखी व तनाव में और युवा व बुजुर्ग प्रसन्न रहते हैं। लेकिन हालिया प्रकाशित एक अध्ययन ने बताया कि दुःख की शुरुआत अब युवा अवस्था में हो रही है। अमेरिका, ब्रिटेन, एशिया, अफ्रीका समेत मध्यपूर्व के 44 देशों में यह ट्रेंड देखा गया है। जिसमें भविष्य की अनिश्चितता व कार्य परिस्थितियों का दबाव तो है मगर बड़ा कारक सोशल मीडिया बताया जा रहा है। दरअसल, लगातार सोशल मीडिया से जुड़े रहने और यथार्थ से दूर रहने के कारण युवा जीवन की वास्तविक स्थितियों का मुकाबला नहीं कर पा रहे हैं। आभासी मीडिया उन्हें बड़े-बड़े सपने तो दिखाता है, लेकिन जीवन की कठोर सच्चाई से अवगत नहीं कराता है। यही वजह है कि जहां पहले मिड ऐज ग्रुप यानी 40 से 50 आयु वर्ग दुखी माना जाता था, उसके स्थान पर दुःख की शुरुआत अब युवा उम्र से ही होने लगी है। हालिया, ग्लोबल माइंड प्रोजेक्ट के आंकड़ों में, अफ्रीका, यूरोप, लैटिन अमेरिका, एशिया, अमेरिका व मिडल ईस्ट के 44 देशों का अध्ययन बताता है कि बुजुर्गों की तुलना में युवाओं का मानसिक स्वास्थ्य ज्यादा खराब है। वेब आधारित इस सर्वे में पर्याप्त डेटा जुटाया गया था। जो बताता है कि यह ट्रेंड केवल विकसित देशों में ही नहीं है, बल्कि वैश्विक स्तर पर है। आंकड़े बताते हैं कि हर नई पीढ़ी अब पहली के मुकाबले ज्यादा तनाव में है। वहीं दूसरी तरफ अमेरिका व ब्रिटेन में किए गए एक अन्य सर्वे में कम पढ़े-लिखे युवा कर्मियों में अवसाद ज्यादा पाया गया है। पहले मान्यता रही है कि नौकरीपेशा लोगों में नौकरी मिलने के बाद तनाव कम होता है,लेकिन आज हकीकत ठीक इसके विपरीत है। ब्रिटेन के एक सर्वे में कहा गया है कि साल 2016 के बाद चालीस से कम उम्र के युवाओं में चिंता व अवसाद पहले के मुकाबले ज्यादा हो गया है। वैसे यह भी हकीकत है कि जिन देशों में रोजगार की स्थिति बेहतर है,वहां मानसिक सेहत में सुधार हुआ है। दरअसल, तमाम अध्ययन बता रहे हैं कि सोशल मीडिया में लगातार सक्रियता युवाओं को वास्तविक सामाजिक जीवन से दूर कर रही है। वे कृत्रिम जीवन में जी रहे हैं। जब हम समाज व मित्रों के बीच सक्रिय रहते हैं तो बातचीत से तनाव मुक्त रह सकते हैं। देर रात तक सोशल मीडिया पर सक्रिय रहने से युवाओं का नींद का चक्र बुरी तरह से प्रभावित हो रहा है। आभासी मित्रता के बजाय आमने-सामने की बातचीत सेहत के लिये ज्यादा लाभकारी होती है। यह जीवन की हकीकत है कि हमारे जीवन में योगदान देने वालों के प्रति यदि हम कृतज्ञता का भाव रखते हैं तो हमारा जीवन- व्यवहार सहज हो जाता है। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि हम जिन चीजों के प्रति कृतज्ञ हैं, उनके बारे में लिखने से हमारा नजरिया बदलता है। हमारा मानसिक स्वास्थ्य इस बात पर निर्भर करता है कि हमारी दिनचर्या कितनी अनुशासित व संतुलित है। रात को जल्दी सो जाने और सूर्योदय के साथ उठने से हम दिनभर प्रफुल्लित रह सकते हैं। विडंबना यह भी कि सोशल मीडिया पर आधुनिक जीवन की जो चमक-दमक दिखायी जाती है,युवा उसको पाने की आकांक्षा करने लगते हैं। लेकिन जीवन का यथार्थ कठोर है। निस्संदेह, वैज्ञानिक उन्नति व तकनीकी विकास से पूरी दुनिया में रोजगार के अवसरों का संकुचन हुआ है। श्रम आधारित उद्योगों के बजाय कृत्रिम बुद्धिमत्ता वाले उद्योगों के बढ़ने से यह स्थिति पैदा हुई है। साथ ही नौकरियों में अस्थिरता व असुरक्षा के चलते भविष्य को लेकर जो अनिश्चितता पैदा होती है, उससे युवाओं में तनाव की वृद्धि होती है।

अकेलेपन से आत्महत्या तकः मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर बात करने का समय

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

- जीवन की रक्षा में संवाद ही सबसे बड़ा हथियार

(विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस (10 सितम्बर) पर विशेष)

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सहयोग से प्रतिवर्ष 10 सितम्बर को दुनियाभर में तेजी से बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति पर रोक लगाने के उद्देश्य से 'विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस' मनाया जाता है। इस दिवस की शुरुआत 'इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर सुसाइड प्रिवेंशन' (आईएएसपी) द्वारा 2003 में की गई थी। इन दिन एक पीले रंग के रिबन को प्रतीक के रूप में पहना जाता है, जो इस बात को फैलाने में मदद करने के लिए पहना जाता है कि आत्महत्या की रोकथाम के बारे में बोलने से लोगों की जान बचाई जा सकती है। इस दिवस को मनाने का प्रमुख उद्देश्य आत्महत्या करने वाले व्यक्ति के व्यवहार पर शोध करना, जागरुकता फैलाना और डेटा एकत्रित करना है। दरअसल डब्ल्यूएचओ के मुताबिक दुनिया में हर 40 सैकेंड में एक व्यक्ति आत्महत्या करता है यानी प्रतिवर्ष दुनियाभर में करीब आठ लाख लोग आत्महत्या के जरिये अपनी जीवनलीला खत्म कर डालते हैं, जिनमें से बड़ी संख्या में आत्महत्या के मामले 15 से 29 वर्ष के लोगों में होते हैं जबकि आत्महत्या का प्रयास करने वालों का आंकड़ा इससे बहुत ज्यादा है। प्रतिवर्ष विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस की एक थीम निर्धारित की जाती है। आत्महत्या रोकथाम दिवस की 2025 की थीम है 'आत्महत्या पर कहानी बदलना'। इस थीम का उद्देश्य आत्महत्याओं को रोकने के लिए कलंक को कम करने और खुली बातचीत को प्रोत्साहित करने के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। लोगों में अवसाद निरन्तर बढ़ रहा है, जिसके चलते ऐसे कुछ व्यक्ति आत्महत्या जैसा हृदयविदारक कदम उठा बैठते हैं। लोगों में जीवन से निराश होकर आत्महत्या की बढ़ती दुष्प्रवृत्ति गंभीर चिंता का सबब बन रही है। डब्ल्यूएचओ के आंकड़ों के अनुसार दुनियाभर में 79 फीसदी आत्महत्या निम्न और मध्यवर्ग वाले देशों के लोग करते हैं और इसमें बड़ी संख्या ऐसे युवाओं की होती है, जिनके कंधों पर किसी भी देश का भविष्य टिका होता है।

हालांकि बीते वर्षों में दुनियाभर में खुदकुशी की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं लेकिन भारत में आत्महत्याओं का आंकड़ा काफी चिंताजनक है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) ने वर्ष 2022 में भारत में आत्महत्या के मामलों को लेकर जारी अपनी रिपोर्ट में बताया था कि वर्ष 2022 में भारत में कुल 170924 लोगों ने आत्महत्याएं की जबकि 2021 में भारत में 164033 लोगों ने आत्महत्या की थी। एनसीआरबी के मुताबिक आत्महत्या की घटनाओं के पीछे पेशेवर या कैरियर संबंधी समस्याएं, अलगाव की भावना, दुर्व्यवहार, हिंसा, पारिवारिक समस्याएं, मानसिक विकार, शराब की लत, वित्तीय नुकसान, पुराने दर्द इत्यादि मुख्य कारण हैं। आज छात्र अपनी शिक्षा एवं भविष्य को लेकर गहरे असमंजस में हैं। किसी को कैरियर या नौकरी की चिंता सता रही है तो कोई वित्तीय संकट से जूझ रहा है। तनाव के दौर में निजी रिश्तों में भी खटास बढ़ी है और आमजन में नकारात्मक विचारों का बढ़ता प्रवाह तथा उपरोक्त चिंताएं कई बार अवसाद का रूप ले लेती हैं, जिसके चलते कुछ लोग परेशानियों से निजात पाने के लिए आत्महत्या का खतरनाक रास्ता चुन लेते हैं।

जब कोई व्यक्ति ज्यादा बुरी मानसिक स्थिति से गुजरता है तो एकाएक अवसाद में चला जाता है और इसी अवसाद के कारण ऐसे कुछ लोग आत्महत्या कर लेते हैं, जिसका उनके परिवार के साथ-साथ समाज पर भी बहुत नकारात्मक असर पड़ता है। विशेषज्ञों के मुताबिक अवसाद और तनाव के कारण ही लोगों में आत्महत्या की प्रवृत्ति बढ़ रही है और जब व्यक्ति को परेशानियों से बाहर निकलने का कोई मार्ग नजर आता, ऐसे में वह आत्महत्या जैसा हृदयविदारक कदम उठा बैठता है। हालांकि जिन लोगों का मनोबल मजबूत होता है, वे प्रायः विकट परिस्थितियों से उबर भी जाते हैं लेकिन अवसाद के शिकार कुछ लोग विषम परिस्थितियों से लड़ने के बजाय हालात के समक्ष घुटने टेक स्वयं को मौत के हवाले कर देते हैं। मनोचिकित्सकों के अनुसार आत्महत्या करना काफी गंभीर समस्या है और आत्महत्या करने के पीछे अधिकांशतः अवसाद को ही जिम्मेदार ठराया जाता है, जो ऐसे करीब 90 फीसदी मामलों का प्रमुख कारण भी है लेकिन सभी आत्महत्याओं के लिए अवसाद को ही पूरी तरह जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। उनके मुताबिक आत्महत्या करने का विचार किसी इंसान के अंदर तब पनपता है, जब वह किसी मुश्किल से बाहर नहीं निकल पाता।

मनुष्य जीवन को संसार में सबसे अनमोल माना गया है क्योंकि हमारा यह जीवन एकमात्र ऐसी चीज है, जिसे हम दोबारा नहीं पा सकते। बहरहाल, यदि कभी जरूरत से ज्यादा तनाव अथवा किसी मानसिक बीमारी का अहसास हो तो तुरंत किसी मनोचिकित्सक से मिलकर अपनी परेशानियों के बारे में खुलकर बात करें। केन्द्र सरकार द्वारा अगस्त 2020 में एक मेंटल हैल्थ रिहैबिलिटेशन हेल्पलाइन (किरण हेल्पलाइन) नंबर भी जारी किया गया था, जिस पर कॉल करके ऐसी स्थिति में मदद या काउंसलिंग की मांग की जा सकती है। इसके अलावा भी कई सुसाइड हेल्पलाइन नंबर उपलब्ध हैं, जिनका उपयोग आत्महत्या की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए किया जा सकता है। लोगों में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता फैलाकर भी आत्महत्या जैसे मामलों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। किसी भी व्यक्ति के मन में आत्महत्या का विचार आए ही नहीं, ऐसा वातावरण तैयार करना परिवार के साथ-साथ समाज की भी बड़ी जिम्मेदारी है।

(लेखक 35 वर्षों से साहित्य एवं पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार तथा कई पुस्तकों के लेखक हैं)

सृष्टि के परम स्वामी कृष्ण

चिंतन मनन

मनुष्य को जानना चाहिए कि भगवान कृष्ण ब्रह्मांड के सभी लोकों के परम स्वामी हैं। वे सृष्टि के पूर्व थे और अपनी सृष्टि से भिन्न हैं। सारे देवता इसी भौतिक जगत में उत्पन्न हुए, किंतु कृष्ण अजन्मा हैं, फलतः वे ब्रह्मा और शिव जैसे देवताओं से भी भिन्न हैं। और चूंकि वे ब्रह्मा, शिव तथा अन्य समस्त देवताओं के स्रष्टा हैं अतः समस्त लोकों के परम पुरुष हैं। परमेश्वर का ज्ञान प्राप्त करने के लिए मनुष्य को समस्त पापकर्मों से मुक्त होना चाहिए। जैसे कि भगवद्गीता में कहा गया है, उन्हें केवल भक्ति के द्वारा जाना जा सकता है, किसी अन्य साधन से नहीं। मनुष्य को चाहिए कि वह कृष्ण को साधारण मनुष्य न समझे।

इस जगत में शुभ या अशुभ वस्तुओं का बोध बहुत कुछ मनोधर्म है क्योंकि इस भौतिक जगत में कुछ भी शुभ नहीं है। प्रत्येक वस्तु अशुभ है। क्योंकि प्रकृति स्वयं अशुभ है। हम इसे शुभ मानने की कल्पना मात्र करते हैं। वास्तविक मंगल तो पूर्ण भक्ति और सेवाभाव से युक्त कृष्णभावनामृत पर ही निर्भर करता है। अतः यदि हम तनिक भी चाहते हैं कि हमारे कर्म शुद्ध हों, तो हमें परमेश्वर की आज्ञा से कर्म करना होगा। ऐसी आज्ञा श्रीमद्भागवत तथा श्रीमद्गीता जैसे शास्त्रों या प्रामाणिक गुरु से प्राप्त की जा सकती है। चूंकि गुरु भगवान का प्रतिनिधि होता है, अतः उसकी आज्ञा प्रत्यक्षतः परमेश्वर की आज्ञा होती है। गुरु, साधु तथा शाप एक ही प्रकार से आज्ञा देते हैं। इन तीनों स्रोतों में कोई विरोध नहीं होता। कर्म संपन्न करते हुए भक्त की दिव्य मनोवृत्ति वैराग्य की होती है, जिसे संन्यास कहते हैं। जैसा कि भगवद्गीता के छठे अध्याय के प्रथम श्लोक में कहा गया है कि जो भगवान का आदेश मानकर कोई कर्तव्य करता है और जो अपने कर्मफलों की शरण ग्रहण नहीं करता, वही असली संन्यासी है। जो भगवान के निर्देशानुसार कर्म करता है, वास्तव में संन्यासी और योगी वही है।

विचार मंथन

दोषी अधिकारियों से मुआवजे की वसूली क्यों नहीं?

(लेखक- सनत जैन)

सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश सरकार को आदेश दिया है, वह 25 लाख रुपए का मुआवजा उस कैदी को दे, जिसे सजा पूरी होने के बाद भी जेल से रिहा नहीं किया गया था। कैदी को 4 साल 7 महीने अधिक जेल में रहना पड़ा। सुप्रीम कोर्ट ने कैदी को मुआवजे के रूप में 25 लाख रुपए देने के आदेश दिए हैं। यह मुआवजा सरकारी खजाने से दिया जाएगा। जो दोषी अधिकारी हैं, उनकी सेहत पर सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश का कोई फर्क नहीं पड़ेगा। गलती उन्होंने की, मुआवजे का भुगतान सरकारी खजाने से होगा। आम जनता के टैक्स से सरकारी खजाने से यह मुआवजा दिया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट द्वारा जो मुआवजा देने का आदेश दिया गया है, वह सही कदम है। यह मुआवजा सुप्रीम कोर्ट के आदेश से, जो दोषी अधिकारी थे, उनसे दिलवाया जाना था। ताकि सरकारी अधिकारी भविष्य में अपने काम में लापरवाही नहीं करते। इसका मैसेज भी सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच जाता। वह यदि अपने अधिकार और कर्तव्यों का पालन सही तरीके से नहीं करेंगे, तो वह जुर्माने से दंडित हो सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कैदी को 4 साल 7 महीने अधिक जेल में रखने के मामले को गंभीरता से लिया है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला तथा न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की खंडपीठ ने अपने महत्वपूर्ण आदेश में कहा, जेल में निरुद्ध कैदी को न्याय प्रणाली में हुई चूक की भारी कीमत चुकानी पडी है। सुप्रीम कोर्ट मे सरकार की ओर से जो गलत जानकारी हलफनामें में दी गई थी उस पर भी सुप्रीम कोर्ट ने गहरी नाराजी जताई है। सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश इसलिए महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि कानून का यदि सही तरीके से पालन नहीं होता है, तो इसका खामियाजा आम नागरिकों को भुगतना पड़ता है। न्यायालय यदि इसी तरीके से फैसला देते समय दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों को भी जिम्मेदार ठहरा कर उन्हें सजा देने का आदेश देने लगेंगी, तो सरकारी पदों पर बैठे अधिकारी अपने काम को पूर्ण निष्ठा और ईमानदारी के साथ करने लगेंगे। यह एक अकेली घटना नहीं है। रोजाना समाचार पत्रों में ऐसे सैकड़ो समाचार छपते हैं, जिसमें सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों की लापरवाही से आम जनता को नुकसान उठाना पड़ता है। सरकार के राजस्व, सरकार की संपत्ति तथा लोगों की निजता के अधिकार बाधित होते हैं। सरकारी नियम और कानून के बल पर नागरिकों का शोषण होता है। सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों की मिली-भगत से सरकारी संपत्ति की लूट हो रही है। अधिकारों के बल पर नागरिकों को परेशान कर उन्हें लूटा जा रहा है। जब तक ऐसे अधिकारियों को जिम्मेदार नहीं ठहराया जाएगा, तब तक स्थितियों पर नियंत्रण नहीं पाया जा सकता है। आज हर उत्पीड़न के लिए न्यायालय जाना पड़ता है। वर्षों की लड़ाई के बाद न्यायालय से फैसला मिलता है, लेकिन अधिकांश समय इसी में गुजर जाता है। हम नागरिकों को आर्थिक और सामाजिक शोषण का शिकार होना पड़ता है। सरकारी अधिकारी और कर्मचारी यह मानकर चलते हैं, उनके ऊपर व्यक्तिगत रूप से कोई कार्यवाही नहीं होगी। इस कारण वह अनाप-शनाप मनमाने निर्णय अपने निजी लाभ को प्राप्त करने के लिए लेते हैं। अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारी के प्रति लगातार लापरवाही बरतते हैं। सरकारी सेवा में आने के बाद अधिकारी अपने आपको सरकार का दामाद मानकर चलते हैं। जहां पर उनका स्वागत सत्कार और उनकी विशेष आवभगत होती रहेगी। वह शासन प्रणाली के प्रमुख केंद्र बिंदु होने के कारण नियम और कानून का अपनी तरह से व्याख्या कर सकते हैं। उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होगी। इस स्थिति में बदलाव लाने की जरूरत है।

यह बदलाव न्यायपालिका के जरिए ही लाया जा सकता है। जब किसी भी मामले में न्यायालय फैसला करती है। उसमें न्यायालय को लगता है, जिम्मेदार सरकारी अमले ने अपने कर्तव्य पालन में जानबूझकर लापरवाही बरती या दुरुपयोग किया है। जानबूझकर किसी व्यक्ति को फायदा पहुंचाने अथवा अपने निजी फायदे के लिए कर्तव्यों का पालन नहीं किया है। अधिकारों का दुरुपयोग किया है। ऐसी स्थिति में सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों के ऊपर जिम्मेदारी तय करके दंडित किया जाना चाहिए। यदि न्यायालयों से इस तरह की कार्रवाई होने लगेगी तो निश्चित रूप से नियम और कानूनो का पालन कड़ाई से होने लगेगा। सरकारी अधिकारी जो मनमानी करते हैं उस पर रोक लगेगी। सरकारी पदों पर रहते हुए लाखों करोड़ों रुपए की जो अवैध कमाई भ्रष्ट आचरण से करते हैं उसको नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। सुप्रीम कोर्ट द्वारा 4 साल 7 महीने कैदी को अधिक समय तक जेल में रखने पर सरकार को 25 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। यह मुआवजा सही मायने में उन दोषी अधिकारियों से दिलवाया जाना चाहिए था, जिनकी गलती के चलते ऐसा हुआ।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में मामूली बदलाव

मुंबई । सरकारी तेल कंपनियों ने मंगलवार सुबह पेट्रोल और डीजल के नए रेट घोषित किए। ग्लोबल कच्चे तेल की कीमतों में हल्की गिरावट का घरेलू बाजार पर असर देखने को मिला। गौतमबुद्ध नगर में पेट्रोल 6 पैसे महंगा होकर 94.77 रुपए प्रति लीटर और डीजल 8 पैसे बढ़कर 87.89 रुपए हो गया। गाजियाबाद में पेट्रोल 12 पैसे और डीजल 14 पैसे महंगा हुआ। वहीं हरियाणा के गुरुग्राम में पेट्रोल और डीजल दोनों की कीमतें 8-8 पैसे गिरकर 95.18 रुपए और 87.65 रुपए प्रति लीटर रह गईं। वहीं दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ। ब्रेंट क्रूड की कीमत 66.02 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई 62.45 डॉलर प्रति बैरल दर्ज की गई है।

भारत-जापान डाक नवाचार और डिजिटल सहयोग बढ़ाने पर सहमत

नई दिल्ली। भारत और जापान ने डाक क्षेत्र में नवाचार और डिजिटल सहयोग को बढ़ावा देने के लिए सहयोग पर सहमति व्यक्त की है। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने 28वें यूनिवर्सल पोस्टल कांग्रेस के दौरान जापान के आंतरिक मामलों और संचार राज्य मंत्री मसाशी अदाची के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक का मुख्य उद्देश्य डाक सेवा में नई तकनीकों और डिजिटल नवाचारों को अपनाकर सेवाओं को बेहतर बनाना था। दोनों पक्षों ने भारतीय डाक और जापान डाक के बीच सहयोग की विस्तृत रूपरेखा तैयार की। इस सहयोग से डाक सेवाओं का आधुनिकीकरण और डिजिटल रूपांतरण होगा, जिससे ग्राहकों को तेजी और सुविधा मिलेगी। यह पहल दोनों देशों के डाक सेवाओं को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने में मददगार साबित होगी।

सुमितोमो मित्सुई कोटक बैंक में हिस्सेदारी बेचकर यस बैंक में करेगा निवेश

नई दिल्ली । जापान की प्रमुख वित्तीय संस्था सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कॉरपोरेशन (एसएमबीसी) जल्द ही कोटक महिंद्रा बैंक में अपनी पूरी 1.65 फीसदी हिस्सेदारी ब्लॉक डील के जरिए बेचने जा रही है। इस डील से एसएमबीसी को लगभग 6,000 करोड़ रुपए जुटाने की उम्मीद है। खबर है कि एसएमबीसी करीब 3.28 करोड़ शेयर प्राइवेट निवेशकों को बेचेगा। इसके लिए कई ब्रोकरेज फर्मों ने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफआईआई) और म्यूचुअल फंड्स से संपर्क किया है। एसएमबीसी इस राशि का उपयोग यस बैंक में हिस्सेदारी खरीदने के लिए करेगी। अगस्त में एसएमबीसी को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से यस बैंक में 24.99 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने की मंजूरी मिल चुकी है। हालांकि आरबीआई ने यह स्पष्ट किया है कि एसएमबीसी को इस लेनदेन के बाद भी यस बैंक का प्रवर्तक (नहीं माना जाएगा, जब तक अन्य नियामकीय मंजूरियां प्राप्त नहीं होतीं।

गौतम सोलर मप्र में 4,000 करोड़ से लगाएगी सोलर सेल निर्माण संयंत्र

नई दिल्ली । गौतम सोलर प्राइवेट लिमिटेड (जीएसपीएल) ने ग्वालियर में 54 एकड़ भूमि पर 4,000 करोड़ रुपये के निवेश से आधुनिक सोलर सेल निर्माण संयंत्र लगाने की घोषणा की है। यह संयंत्र टॉपकॉन तकनीक पर आधारित होगा, जो सोलर सेल की दक्षता और उत्पादन क्षमता बढ़ाने में मदद करता है। संयंत्र की कुल उत्पादन क्षमता 5 गीगावॉट (5000 मेगावाट) होगी, जिससे देश की सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता में महत्वपूर्ण वृद्धि होगी। यह परियोजना न केवल स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देगी, बल्कि स्थानीय रोजगार के अवसर भी सृजित करेगी, जिससे आर्थिक विकास को मजबूती मिलेगी।

सोने और चांदी के बढ़ते दाम.....लेकिन कारीगर और कारोबारी परेशान

मुंबई ।

भारत में सोने और चांदी के बढ़ते दाम ने सर्राफा बाज़ार में संकट पैदा किया है। जहाँ एक ओर इन धातुओं की कीमत आसमान छू रही है, वहीं दूसरी ओर इसका सीधा असर व्यापारियों और कारीगरों की आजीविका पर पड़ रहा है। बाजार में ग्राहक न के बराबर हैं, जिससे दुकानदारों का कारोबार ठप पड़ गया है। कई व्यापारियों के लिए दुकान का किराया निकालना भी मुश्किल हो रहा है। शादी के मौकों पर भी सोने-चांदी की खरीददारी में भारी गिरावट आई है, क्योंकि लोग महंगाई के कारण कम सामान खरीद रहे हैं या फिर नकली गहनों की ओर रुख कर रहे हैं। व्यापारियों को डर है कि अगर कीमतें इसतरह बढ़ती रहीं, तब स्थिति और भी खराब हो सकती है।

कीमतों में उछाल का सबसे बुरा असर कारीगरों पर पड़ रहा है। काम की कमी के कारण वे बेरोजगार हो रहे हैं और उनके लिए अपने परिवार का भरण-पोषण करना मुश्किल हो गया है। सोने-चांदी के कारोबार पर निर्भर इन कारीगरों के लिए यह स्थिति आर्थिक अनिश्चितता लेकर आई है।

विशेषज्ञों का कहना है कि सोने-चांदी की कीमतों में यह वृद्धि अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में भू-

राजनीतिक अनिश्चितता और केंद्रीय बैंकों द्वारा खरीदारी जैसे वैश्विक कारकों का परिणाम है। जब तक कीमतों में गिरावट नहीं आती, तब तक बाज़ार में सुधार की उम्मीद कम है। व्यापारी और कारीगर दोनों ही बेसब्री से कीमतों के सामान्य होने का इंतजार कर रहे हैं ताकि उनकी आजीविका फिर से पटरी पर आ सके।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपय मंगरवार को 18 पैसे की बढ़त के साथ ही 88.38 पर बंद हुआ। वहीं वै श्विक बाजार में मंगलवार को सुबह भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 14 पैसे की मजबूती के साथ 87.95 पर पहुंच गया। यह घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख के कारण संभव हुआ। हालांकि, भारत पर अमेरिकी शुल्क लगाने की चिंताएं और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता रुपये की बढ़त को सीमित कर रही हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 87.98 पर खुला और फिर 87.95 तक पहुंचा। शुक्रवार को यह अब तक के सबसे निचले स्तर 88.38 तक गिर चुका था। डॉलर सूचकांक में भी 0.05 फीसदी की गिरावट देखी गई, जो छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की कमजोरी दर्शाता है।

जीएसटी दरों में कटौती लागू करने पर मंथन

इंटर-मिनिस्ट्रियल मीटिंग में आईटीसी और इनवर्टेड ड्यूटी पर चर्चा

नई दिल्ली । वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की नई दरें 22 सितंबर से लागू की जाएंगी। इससे पहले कैबिनेट सचिव टीवी सोमनाथन की अध्यक्षता में हुई अंतर-मंत्रालयी बैठक में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने नई व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं और उनके समाधान पर व्यापक चर्चा की। बैठक में प्रस्ताव रखा गया कि अप्रयुक्त आईटीसी का उपयोग राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) के भुगतान के लिए किया जा सके, जिससे कंपनियों की कार्यशील पूंजी को राहत मिले। वर्तमान में, कानून के अनुसार केंद्रीय और राज्य जीएसटी को आपस में समायोजित करना संभव नहीं है, जिससे अप्रयुक्त आईटीसी रिफंड और उपयोग में बाधा आती है। विशेषज्ञों ने इस मुद्दे पर जल्द समाधान की आवश्यकता जताई है ताकि कर कटौती का लाभ सीधे ग्राहकों तक पहुंचे। जीएसटी दर कटौती के बाद कुछ इनपुट पर 18 फीसदी और उत्पादों पर 5 फीसदी कर लगेगा, जिससे व्युत्क्रम शुल्क का व्यापक प्रभाव होगा। इस व्यवस्था के कारण आईटीसी का बड़ा हिस्सा बिना उपयोग के रह सकता है, जिससे छोटे और बड़े व्यवसायों की पूंजी प्रभावित होगी। कई मंत्रालयों ने इसे प्रमुख समस्या के रूप में उठाया है। बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि सीमा शुल्क की भरपाई जीएसटी क्रेडिट से नहीं की जा सकती क्योंकि यह एक अलग कानून के अंतर्गत आता है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 314 , निफ्टी 95 अंक ऊपर आया

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही आईटी शेयरों में खरीदारी हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 314.02 अंक बढ़कर 81,101.32 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 95.45 अंक ऊपर आकर 24,868.60 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान निफ्टी आईटी इंडेक्स 2.76 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। इसके अलावा निफ्टी फार्मा (0.86 फीसदी), निफ्टी एफएमसीजी (0.58 फीसदी), निफ्टी प्राइवेट बैंक (0.13 फीसदी) और निफ्टी हेल्थकेयर (0.77 फीसदी) की बढ़त के साथ बंद हुआ।

वहीं दूसरी ओर निफ्टी पीएसयू बैंक (0.14 फीसदी), निफ्टी रियल्टी (0.30 फीसदी), निफ्टी एनर्जी (0.12 फीसदी) और निफ्टी पीएसई (0.19 फीसदी) गिरावट पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के शेयरों में इन्फोसिस, टेक महिंद्रा,

अदाणी पोर्ट्स, एचसीएल टेक, टीसीएस, सन फार्मा, बजाज फिनसर्व, एचयूएल, आईटीसी, कोटक महिंद्रा बैंक के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी रही जबकि एसबीआई, ट्रेंट, अल्ट्राटेक सीमेंट, एनटीपीसी, टाइटन, टाटा मोटर्स, एक्सिस बैंक, एमएंडएम के शेयर सबसे अधिक गिरे।

लार्जकैप के साथ ही आज मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी तेजी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 103.20 अंक करीब 0.18 फीसदी की तेजी के साथ 57,464.35 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 59.95 अंक या 0.34 फीसदी की तेजी के साथ 17,744.30 पर था।

इससे पहले आज सुबह बाजार मजबूती के साथ खुले। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 333 अंकों की बढ़त के साथ 81,121 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी50 81 अंकों की तेजी के साथ 24,855 पर ट्रेड करता नजर आया। वैश्विक बाजारों में भी मिश्रित रुख रहा। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 0.9 फीसदी की बढ़त के साथ रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। अमेरिका में टेक शेयरों की अगुवाई में नैस्डैक ने नया रिकॉर्ड बनाया। निवेशकों को उम्मीद है कि फेडरल रिजर्व आगामी बैठक में ब्याज दरों में कमी कर सकता है।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के आसपास प्रॉपर्टी महंगी होगी, नए नियम लागू

- एयरपोर्ट के 20 किमी के दायरे में निर्माण के लिए जरूरी होगी एएआई की मंजूरी

मुंबई ।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर एयरपोर्ट) के आसपास जमीन और फ्लैट की कीमतों में तेजी आने वाली है। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने नया नियम लागू किया है जिसके तहत एयरपोर्ट के 20 किलोमीटर के दायरे में किसी भी नई इमारत का निर्माण करने से पहले एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफइंडिया (एएआई) से मंजूरी लेना अनिवार्य होगा। अगर बिल्डिंग का नक्शा एएआई के दिशानिर्देशों के अनुरूप नहीं होगा, तो मंजूरी नहीं दी जाएगी। यह नियम हवाई जहाजों की सुरक्षा और हवाई पट्टी की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। यमुना एक्सप्रेसवे प्रो धिकरण के एक प्रमुख अे धिकारी ने बताया कि एएआई ने एक खास कलर-कोडेड जोनिंग मैप तैयार किया है, जिसमें एयरपोर्ट के आसपास कितनी ऊंचाई तक इमारतें बन सकती हैं, यह तय होगा। इस पूरे इलाके का सर्वे एक्सपर्ट कंसल्टेंट की मदद से किया जाएगा ताकि नियमों का कड़ाई से पालन हो सके।

इस नियम के बाद एयरपोर्ट के आसपास नई इमारतों का निर्माण कम होगा, जिससे प्रॉपर्टी की सप्लाई घटेगी। जबकि मांग पहले से ज्यादा है, खासकर नौकरियों, बिजनेस और कनेक्टिविटी के कारण। सप्लाई कम और मांग ज्यादा होने से जमीन और फ्लैट की कीमतें बढ़ेंगी। जो पहले से जमीन या फ्लैट के मालिक हैं, उन्हें फायदा होगा।

वेदांता ने ईवी क्षेत्र के लिए धातु उत्पादन बढ़ाने 12,500 करोड़ का निवेश किया

नई दिल्ली ।

वेदांता लिमिटेड ने देश के इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) क्षेत्र की तेजी से बढ़ती मांग को देखते हुए धातु विनिर्माण में 12,500 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है। कंपनी ने खासतौर पर एल्युमीनियम, जस्ता, मिश्रधातु, तांबा, इस्पात, निकेल और फेरोक्रोम जैसे महत्वपूर्ण धातुओं के उत्पादन को बढ़ावा देने पर जोर दिया है। इस निवेश के तहत एल्युमीनियम स्मेल्टर की क्षमता बढ़ाने, जस्ता मिश्रधातु संयंत्र स्थापित करने, जस्ता उत्पादन के लिए रोस्टर लगाने और फेरोक्रोम उत्पादन क्षमता बढ़ाने जैसे कई अहम कदम उठाए गए हैं। वेदांता के एल्युमीनियम उत्पाद इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए विशेष महत्व रखते हैं। कंपनी फाउंड्री मिश्रधातु, बैटरी केसिंग, हीटिंग-वेंटिलेशन-एयर कंडीशनिंग (एचवीएसी) सिस्टम और ईवी फ्रेम जैसे उत्पाद बनाती है। एल्युमीनियम का उपयोग बैटरी के वजन को कम करके वाहन की ड्राइविंग रेंज बढ़ाने में मदद करता है, जिससे वाहन की कुल लागत भी घटती है। इसके अलावा वेदांता का एल्युमीनियम दुर्घटना-रोधी मिश्रधातुओं और ऊर्जा भंडारण समाधानों में भी सफलता के लिए परीक्षणाधीन है। इस निवेश से देश के इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र को जरूरी कच्चे माल की आपूर्ति मजबूत होगी, जिससे ईवी निर्माण और विकास को तेजी मिलेगी।

एमआरवीसी ने वंदे मेट्रो प्रोजेक्ट के तहत 21,000 करोड़ का टेंडर जारी किया

नई दिल्ली ।

मुंबई रेलवे विकास निगम (एमआरवीसी) ने मुंबई की उपनगरीय रेल सेवा को आधुनिक बनाने के लिए वंदे मेट्रो प्रोजेक्ट के तहत 2,856 एसी कोचों की आपूर्ति और रखरखाव के लिए 21,000 करोड़ रुपए का टेंडर जारी किया है। यह परियोजना मुंबई अर्बन ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट (एमयूटीपी) के फेज-3 और फेज-3ए का हिस्सा है, जिसके तहत कुल 238 एसी लोकल ट्रेनें खरीदी जाएंगी। इस ठेके में सिर्फ कोच की सप्लाई ही नहीं, बल्कि 35 साल तक रखरखाव और दो नए डिपो का निर्माण भी शामिल है। टेंडर की शर्तों के अनुसार, यह पूरा ऑर्डर एक ही कंपनी को दिया जा सकता है, जिसे 7.5 साल में डिलीवरी पूरी करनी होगी। यदि दो कंपनियों को ठेका मिलता है, तो डिलीवरी 6.5 साल में करनी होगी, बशर्ते दूसरी

कंपनी (एल2) पहली (एल1) की दर पर काम करने को तैयार हो। टेंडर की एक खास बात यह है कि सभी कोच भारत में ही बनने होंगे, जिससे विदेशी कंपनियों की प्रतिस्पर्धा सीमित हो जाती है। ऐसे में अल्सटॉम, बीईएमएल और टिटागढ़ रेल जैसी भारतीय निर्माण कंपनियों को इसका सीधा लाभ मिल सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह टेंडर आने वाले वर्षों में कोच निर्माण कंपनियों के लिए ऑर्डर बुक को मजबूत करेगा। टिटागढ़ रेल ने हाल के वर्षों में तकनीक और उत्पादन क्षमता दोनों बढ़ाई हैं, जिससे इसे विशेष लाभ मिल सकता है। निवेशकों के लिए यह सेक्टर फिर से आकर्षक बन रहा है।

व्यापारिक तनाव घरेलू मिश्र लौह धातु क्षेत्र के लिए खतराः आईएफएपीए

नई दिल्ली।

भारतीय मिश्र लौह धातु उत्पादक संघ (आईएफएपीए) ने वैश्विक स्तर पर बढ़ते व्यापार तनाव को घरेलू मिश्र लौह धातु उद्योग के लिए बड़ा खतरा बताया है। संघ के चेयरमैन ने कहा कि इस चुनौती का सामना करने के लिए सरकार को तुरंत हस्तक्षेप करना आवश्यक है। उन्होंने यह भी बताया कि इस्पात उद्योग में सिलिको मैंगनीज और फेरो क्रोम जैसे मिश्र लौह धातुओं का उपयोग डीऑक्सीडाइजर और अलॉय एजेंट के रूप में होता है, जो इस्पात की मजबूती, कठोरता और घिसाव प्रतिरोध जैसे गुणों को बेहतर बनाते हैं।

अधिकारी ने बताया कि भारतीय मिश्र लौह धातु उद्योग ने पिछले कुछ वर्षों में अपनी उत्पादन और निर्यात क्षमता में जबरदस्त वृद्धि की है। भारत वर्तमान में मैंगनीज मिश्र लौह धातु का विश्व का सबसे बड़ा निर्यातक है, जबकि फेरो क्रोम का तीसरा सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता भी है। हालांकि, वैश्विक इस्पात उत्पादन में कमी, बढ़ती व्यापार बाधाएं, सुरक्षा उपाय और आगामी कार्बन सीमा कर जैसी नीतियां निर्यात के लिए बड़ी चुनौतियां बनी हुई हैं। बिगमिंट के आंकड़ों के अनुसार, भारत ने वित्त वर्ष 2019-20 में 43 लाख टन मिश्र लौह धातु उत्पादन क्षमता से बढ़कर 31 मार्च 2025 तक यह क्षमता लगभग दोगुनी होकर 80 लाख टन हो गई है। यह वृद्धि उद्योग की ताकत को दर्शाती है, लेकिन वैश्विक परिस्थितियां इस विकास को प्रभावित कर रही हैं।

आईएफएपीए ने सरकार से उम्मीद जताई है कि वह वैश्विक व्यापार तनाव और कार्बन सीमा कर जैसी नीतियों के प्रभाव को कम करने के लिए प्रभावी कदम उठाएगी, ताकि भारतीय मिश्र लौह धातु उद्योग अपनी बढ़ती क्षमता के साथ निर्यात में और मजबूती ला सके।

भारत इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए तेजी से उभरता हुआ बाजारः बीवायडी

नई दिल्ली ।

भारत इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए तेजी से उभरता हुआ बाजार है और आने वाले समय में यहां अपार संभावनाएं मौजूद हैं। यह कहना है चीन की दिग्गज इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता कंपनी बीवायडी का। बीवायडी पहले ही भारत में कुछ प्रीमियम इलेक्ट्रिक मॉडल लॉन्च कर चुकी है और अब उसकी योजना बड़े पैमाने पर उत्पादन और बिक्री बढ़ाने की है। कंपनी के अधिकारियों का कहना है कि भारत में चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर लगातार सुधर रहा है और सरकार की नीतियाँ भी ईवी सेक्टर को प्रोत्साहित कर रही हैं। ऐसे में यहाँ निवेश और विस्तार के लिए यह सही समय है। विशेषज्ञों का मानना है कि बीवायडी की रणनीति भारतीय ग्राहकों को ज्यादा रेंज और उन्नत फीचर्स वाले वाहन उपलब्ध कराने पर केंद्रित है। कंपनी का फोकस कॉर्पोरेट और फ्लीट ग्राहकों के साथ-साथ व्यक्तिगत उपभोक्ताओं को भी आकर्षित करने पर है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बीवायडी अगले कुछ वर्षों में भारत में अपने निर्माण संयंत्रों और डीलर नेटवर्क का विस्तार कर सकती है। कंपनी यह भी मानती है कि भारतीय बाजार में प्रतिस्पर्धा तेज है क्योंकि टाटा मोटर्स, महिंद्रा और हुंडई जैसी घरेलू और विदेशी कंपनियाँ पहले से मजबूत पकड़ बनाए हुए हैं।

फिर भी, बीवायडी को उम्मीद है कि अपनी उन्नत बैटरी तकनीक और वैश्विक अनुभव की मदद से वह भारतीय उपभोक्ताओं के बीच भरोसा कायम कर लेगी। ऑटो विशेषज्ञों का कहना है कि यदि कंपनी सही मूल्य निर्धारण और सर्विस नेटवर्क पर ध्यान देती है, तो वह भारतीय ईवी बाजार में एक अहम खिलाड़ी बन सकती है। बीवायडी ने भारतीय बाजार में अपनी उपस्थिति मजबूत करने की तैयारी तेज कर दी है।

कई नए इलेक्ट्रिक मॉडल लॉन्च करेगी महिंद्रा

नई दिल्ली ।

स्वदेशी कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा ने अपनी इलेक्ट्रिक वाहन रणनीति को और मजबूत करने का ऐलान किया है। महिंद्रा का कहना है कि एक्सईवी आर्किटेक्चर के तहत आने वाले महीनों में कई नए इलेक्ट्रिक मॉडल लॉन्च किए जाएंगे। महिंद्रा का फोकस खासकर एसयूवी सेगमेंट पर है, जिसमें कंपनी पहले से ही मजबूत स्थिति रखती है। महिंद्रा ने हाल ही में अपनी कुछ इलेक्ट्रिक एसयूवी के कॉन्सेप्ट पेश किए थे, जिन्हें ग्राहकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। कंपनी का मानना है कि भविष्य की ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री इलेक्ट्रिक वाहनों पर आधारित होगी और भारत जैसे बड़े बाजार में शुरुआती बढ़त हासिल करना बेहद जरूरी है। कंपनी के अधिकारियों के अनुसार, आने वाले इलेक्ट्रिक मॉडल्स में बेहतर बैटरी क्षमता, लंबी रेंज और अत्याधुनिक फीचर्स शामिल होंगे। महिंद्रा का दावा है कि उसकी नई ईवी श्रृंखला ग्राहकों को न सिर्फ किफायती विकल्प देगी बल्कि प्रीमियम सेगमेंट में भी चुनौती पेश

करेगी। विशेषज्ञों का कहना है कि भारतीय इलेक्ट्रिक वाहन बाजार तेजी से विस्तार कर रहा है और इसमें एसयूवी की मांग सबसे ज्यादा है। ऐसे में महिंद्रा की रणनीति सही दिशा में मानी जा रही है। साथ ही, कंपनी चार्जिंग नेटवर्क और आफ्टर-सेल्स सर्विस को भी मजबूत करने पर ध्यान दे रही है। महिंद्रा पहले से ही सरकार की फेम-2 योजना और विभिन्न राज्य स्तरीय नीतियों का लाभ उठाकर ईवी कारोबार में निवेश कर रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एशिया कप: भारतीय टीम आज यूएई के खिलाफ बड़ी जीत के इरादे से उतरेगी

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार को यहां एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट के पहले ही मैच में संयुक्त अरब अमीरात (युएई) के खिलाफ बड़ी जीत से शुरुआत करना चाहेगी। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में उतर रही भारतीय टीम इस मैच में एक से अधिक ऑलराउंडरों के साथ उतर सकती है। यहां की पिच से स्पिनरों को सहायता की उम्मीद को देखते हुए दो से तीन स्पिनर उतार सकती है। मुख्य कोच गौतम गंभीर के आने के बाद से ही बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनो को ही मजबूत करने के लिए ऑलराउंडरों को प्राथमिकता दी जा रही है। इससे टीम के पास निचले क्रम में भी अच्छे बल्लेबाज उतर रहे हैं। भारतीय टीम यूएई के खिलाफ सही संयोजन उतार कर रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मैच के लिए अच्छी लय हासिल करना चाहेगी। भारतीय टीम के सामने यूएई काफी कमजोर है ऐसे में टीम प्रबंधन इस मैच में नये प्रयोग भी कर सकता है। वहीं दूसरी ओर यूएई के खिलाड़ियों को इस मैच से अच्छा अनुभव हासिल होगा। उसवके खिलाड़ियों के लिए ये बड़ा अवसर होगा। उसके बल्लेबाजों के लिए जसप्रीत बुमराह जैसे तेज गेंदबाज का सामना करना और मजबूत भारतीय बल्लेबाजी क्रम को गेंदबाजी करना बड़ी उपलब्धि होगी। इस मैच में भारतीय टीम के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज की भूमिका जितेश शर्मा को मिलना तय नजर आ रहा है। ऐसे में संजू सैमसन को बाहर बैठना होगा। जितेश को अच्छे फिनिशर होने से भी प्राथमिकता मिलेगी।

पारी की शुरुआत शुभमन गिल और आभिषेक शर्मा करेंगे

शीर्ष क्रम में उपकप्तान के तौर पर शुभमन की वापसी के बाद से ही सैमसन को जगह मिलना कठिन नजर आ रहा था। वहीं नंबर तीन पर तिलक वर्मा ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है और वह इसी नंबर पर उतरेंगे। कप्तान सूर्यकुमार यादव तीसरे या चौथे स्थान पर बल्लेबाजी के लिए उतर सकते हैं। इसके बाद ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या उतरेंगे। वह एक बेहतरीन तेज गेंदबाज होने के साथ ही अच्छे बल्लेबाज भी हैं। इसके अलावा ऑलराउंडर शिवम दुबे को भी धीमी पिच होने से अवसर

मिल सकता है।

नंबर 7 पर विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश उतरेंगे जबकि आठवें नंबर पर स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल उतरेंगे। वह अच्छे स्पिनर होने के साथ ही बेहतरीन बल्लेबाज भी हैं। बुमराह के अलावा बाएं हाथ के टी20 गेंदबाज अर्शदीप सिंह को भी इस मैच में अवसर मिलने जा रहा है। इस मैच में भारतीय टीम स्पिनर के तौर पर अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती में से दो को उतार सकता है। अगर टीम प्रबंधन अक्षर के साथ अन्य स्पिनर को अंतिम एकादश में रखता है तो उसके पास कुलदीप और वरुण के रूप में दो अच्छे विकल्प हैं। यूएई के लिए यह टूर्नामेंट अपना कौशल दिखाने का एक बेहतरीन अवसर है। वहीं दूसरी ओर मुहम्मद वसीम की कप्तानी वाली यूएई की टीम इस मैच में अपनी ओर से बेहतर प्रदर्शन का प्रयास करेंगी। यूएई की टीम में भारतीय मूल कई खिलाड़ी भी है जो इस मैच में बेहतर प्रदर्शन कर अपनों को साबित करना चाहेंगे। उसके पास अर्यांश शर्मा जैसा खिलाड़ी है जिससे भारतीय टीम को विशेष रुप से सावधान रहना होगा। अर्यांश एक अच्छा बल्लेबाज और गेंदबाज है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत = अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल (वीसी), तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव, अक्षर पटेल, हार्दिक पंड्या, संजू सैमसन/जितेश शर्मा, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवती, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह

यूएई = मुहम्मद वसीम (कप्तान), अलीशान शराफू, अर्यांश शर्मा, आसिफ खान, ध्रुव पराशर, एथन डिसूजा, हैदर अली, हर्षित कौशिक, जुनैद सिद्दीकी, मतीउल्लाह खान, मुहम्मद फारूक, मुहम्मद जवादुल्लाह, मुहम्मद जोहैब, राहुल चोपड़ा, रोहिद खान, सिमरनजीत सिंह, सगीर खान।

एशिया कप मैच से पहले ही भारत-पाक के बीच तनाव, प्रेस कॉन्फ्रेंस में दोनों कप्तानों ने नहीं मिलाया हाथ

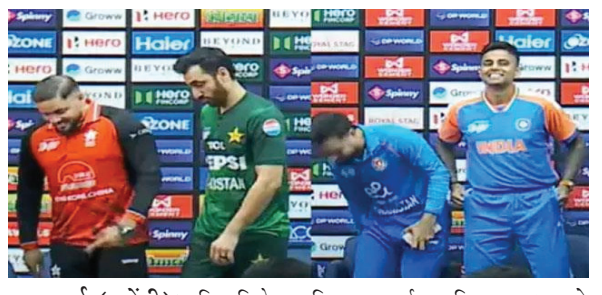

दुबई (एजेंसी)। एशिया क्रिकेट काउंसिल (ACC) ने एशिया कप से पहले मंगलवार को पारंपरिक कप्तानों की प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की, जहां सभी 8 प्रतिभागी टीमों के कप्तान 2025 एशिया कप की शुरुआत से पहले मिले। ज्यादातर सवाल पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा और भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव से पूछे गए। हालांकि जिस पल की चर्चा पूरे सोशल मीडिया पर हुई, वह वह था जब दोनों भारतीय और पाकिस्तान के कप्तानों ने एक-दूसरे को नजरअंदाज करते हुए हाथ नहीं मिलाया।

प्रेस कॉन्फ्रेंस खत्म होते ही सलमान अपनी सीट से उठे और हांगकांग तथा ओमान के कप्तानों के साथ मंच से उतर गए। दूसरी ओर सूर्यकुमार अफगानिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश के कप्तानों के साथ थोड़ी बातचीत के लिए वहीं रुके। सभी ने हाथ मिलाया, गले मिले और फिर मंच से उतर गए।

दिलचस्प बात यह है कि इस साल यह पहली बार नहीं था जब भारतीय खिलाड़ियों का हाथ मिलाना, या हाथ न मिलाना, चर्चा का विषय बना। इससे पहले इसी साल गर्मियों में 5 मैचों की एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी सीरीज के लिए इंग्लैंड दौरे के दौरान इसी तरह के एक वाकये ने सोशल मीडिया पर विशेषज्ञों और प्रशंसकों के बीच काफी बहस छेड़ दी थी।

ओल्ड ट्रैफर्ड में चौथे टेस्ट के दौरान ऐसा ही हुआ, जब इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने ड्रॉ स्वीकार करते हुए भारत के रवींद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर से हाथ मिलाने की पेशकश की। लेकिन दोनों भारतीय बल्लेबाजों ने इनकार कर दिया और अपने-अपने शतक बनाने के लिए बल्लेबाजी जारी रखी जिसके बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच तीखी बहस हुई। एशिया कप में दोनों कप्तानों के बीच हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस की घटना ने उनके मुकाबले से पहले बढ़ते तनाव की कहानी को और हवा दे दी जिससे 14 सितंबर के लिए माहौल तैयार कर दिया। भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप का बहु-चर्चित मुकाबला 14 सितम्बर को खेला जाएगा।

एशिया कप में सही संयोजन तलाशने के साथ ही उपकप्तान शुभमन पर भी रहेंगी नजरें

मुम्बई (एजेंसी)। यूएई में आज से शुरु हुए एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में भारतीय टीम सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में उतरेगी। इस टूर्नामेंट में टीम प्रबंधन की नजरें सही संयोजन तलाशने के साथ ही शुभमन गिल पर भी रहेंगी। इसका कारण है कि शुभमन को इस टूर्नामेंट में उपकप्तानी दी गयी है। इससे साफ संकेत है कि भविष्य में उन्हें इस प्रारुप में भी कप्तानी दी जाएगी। वैसे भी वर्तमान कप्तान सूर्यकुमार 34 साल के हो रहे और ऐसे में प्रबंधन भविष्य के लिए नये कप्तान भी तलाशेगा। सूर्यकुमार का हालांकि कप्तान के तौर पर रिकार्ड शानदार रहा है। उनका जीत का रिकॉर्ड 80 फीसदी है। उनका आक्रामक रुख टीम को आगे बढ़ने प्रेरित करता है। वहीं शुभमन को अचानक उपकप्तान बनाने से साफ है कि उन्हें ही भविष्य में टीम की कमान मिलेगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) उन्हें सभी प्रारुपों के लिए कप्तान बनाना चाहती है। अभी भारतीय टीम सभी प्रारुपों में काफी मजबूत है। वह एक साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तीन-तीन टीम टीमें उतारने में सक्षम है। ऐसे में कप्तानी के लिए अलग-अलग खिलाड़ियों को भी आजमाना जरूरी है। सूर्यकुमार की बढ़ती उम्र को देखते हुए ये जरुरी भी है। अगर शुभमन इस दौरे में अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो उनके भविष्य में टी20 कप्तानी बनने की पूरी संभावना है।

एशिया कप : सभी मैच अबू धाबी में खेलना आदर्श नहीं, मैच से पहले राशिद खान ने शेड्यूल पर उठाए सवाल

दुबई (एजेंसी)। अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने मंगलवार को साफ तौर पर कहा कि हर मैच के दिन दुबई में रहना और लगभग दो घंटे की यात्रा करके अबू धाबी आना उनकी टीम के लिए 'आदर्श' कार्यक्रम नहीं है। इससे भी बड़ी विडंबना यह थी कि राशिद उसी दिन सुबह यहां प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए जब उनकी टीम उसी शाम अबू धाबी में हांगकांग से भिड़ने वाली है।

राशिद ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, 'मुझे नहीं लगता कि यह आदर्श है - यही बात हम पहले भी (दूसरे कप्तानों के साथ) चर्चा कर रहे थे। अबू धाबी में खेलना और तीनों मैच दुबई में ही बिताना... यह अलग बात है। लेकिन पेशेवर क्रिकेटर होने के नाते, हमें इन बातों को स्वीकार करना होगा।' टी20आई में 170 विकेट लेने वाले राशिद ने यह भी कहा कि एक पेशेवर खिलाड़ी के तौर पर उन्हें शेड्यूल को भूलकर खेल पर ध्यान केंद्रित

करना होता है। अफगानिस्तान के स्पिन ने कहा, 'एक बार जब आप मैदान में उतरते हैं, तो आप बाकी सब कुछ भूल जाते हैं। दूसरे देशों में, हम अक्सर दो-तीन घंटे की उड़ान भरते हैं और सीधे मैच देखने पहुंच जाते हैं। मुझे याद है कि एक बार मैं बांग्लादेश से अमेरिका गया था और सीधे मैच खेला था।'

श्रीलंकाई कप्तान चरित असलांका ने भी शेड्यूल के बारे में बात की, जिससे जिम्बाब्वे के खिलाफ एक कठिन सीरीज के बाद उनकी टीम को आराम करने और स्वस्थ होने का बहुत कम समय मिला है। उन्होंने कहा, 'अभी मुझे बहुत नींद आ रही है। मुझे लगता है कि मुझे कल इसका जवाब देना चाहिए।' असलांका ने कहा, 'नहीं, मेरा मतलब है कि 6 और 7 सितंबर को जिम्बाब्वे में लगातार दो मैच खेलना वाकई मुश्किल है। और फिर सीधे यहां (दुबई) आना। मुझे लगता है कि हमें कुछ दिन की छुट्टी की जरूरत है। मुझे उम्मीद है कि कोच हमें छुट्टी देंगे।' उन्होंने कहा, 'अपनी फिटनेस का ध्यान रखना जरूरी है। हम सभी जानते हैं कि वहां बहुत गर्मी है। मेरे लिए पहले मैच में तरोताजा रहना और अपना पूरा जोर लगाना बहुत जरूरी है।'

ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों की तिकड़ी में अभी काफी क्रिकेट बची है : हेजलवुड

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने उन अटकलों को खारिज कर दिया है कि आगामी एशेज श्रृंखला में उनकी, पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क की खतरनाक तेज गेंदबाजी तिकड़ी आखरी बार एक साथ खेलते हुए दिखेगी। उन्होंने कहा कि तीनों तेज गेंदबाजों में अभी काफी क्रिकेट बची हुई है और वह कम से कम दो साल और खेल सकते हैं। इन तीनों तेज गेंदबाजों की उम्र 35 वर्ष के आसपास है। कमिंस कमर में खिंचाव की चोट से जूझ रहे हैं तथा स्टार्क ने टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है जिसके कारण माना जा रहा है कि ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजी इतिहास के एक युग का अंत निकट है। हेजलवुड स्वयं चोटों से जूझ रहे हैं लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि तीनों गेंदबाजों में से कोई भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बारे में नहीं सोच रहा है। एसईएन रेडियो ने हेजलवुड के हवाले से कहा, 'मुझे नहीं लगता कि हम अभी कुछ कहने की स्थिति में हैं। हर कोई टेस्ट क्रिकेट को पसंद करता है और अगले दो वर्ष में काफी टेस्ट मैच खेले जाने हैं।' उन्होंने कहा, 'अभी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का एक और चक्र होना बाकी है। इसलिए केवल एशेज ही नहीं टेस्ट क्रिकेट में अगले दो साल में काफी रोमांचक मैच होने वाले हैं और मुझे लगता है कि हर कोई इनका हिस्सा बनना चाहता है। हमारे पास टेस्ट क्रिकेट को देने के लिए अभी काफी कुछ बचा है।'

रोहित को अस्पताल में देखकर प्रशंसक हुए चिंतित

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा सोमवार देर रात यहां के कोकिलाबन अस्पताल पहुंचे जिसके बाद से ही प्रशंसक चिंतित को गये हालांकि रोहित के अस्पताल पहुंचने का कारण अभी पता नहीं चला है। इसका एक वीडिया भी सामने आया है। इसमें रोहित टी शर्ट पहने और कैप लगाये अस्पताल के अंदर प्रवेश करते हुए दिखे। वीडियो के सामने आने के बाद प्रशंसकों ने उनके अस्पताल आने के कारणों का पता लगाने का काफी प्रयास किस पर कुछ पता नहीं चला। प्रशंसकों ने हालांकि उनके प्रति समर्थन और शुभकामनाएं जतायीं। गौरतलब है कि रोहित के प्रशंसक उनकी काफी समय से खेल में वापसी की राह देख रहे हैं। रोहित ने पहले ही टेस्ट और टी20 को अलविदा कह दिया था और अब वह केवल एकदिवसीय ही खेलते हैं। आईपीएल 2025 और चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद से ही वह खेल के मैदान से दूर हैं। हाल ही में, रोहित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपने फिटनेस टेस्ट के लिए बेंगलुरु गए थे, जो उन्होंने पास कर लिया था। रोहित की कप्तानी में भारतीय टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल जीता था। उन्होंने इंग्लैंड दौरे से ठीक पहले टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। उन्होंने 67 मैचों में 40.58 की औसत से 4,301 रन बनाए हैं, जिसमें 12 शतक शामिल है। रोहित अब अगले माह ऑस्ट्रेलिया दौरे में ही खेलते दिखेंगे।

सात्विक-चिराग की जोड़ी के साथ किरण जॉर्ज हांगकांग ओपन में आगे बढ़े

हांगकांग (एजेंसी)। सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की शीर्ष पुरुष जोड़ी ने मंगलवार को यहां हांगकांग ओपन सुपर 500 बैडमिंटन में अपने अभियान का आगाज जीत के साथ किया जबकि किरण जॉर्ज ने क्वालीफाइंग मुकाबला जीतकर पुरुष एकल के मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई।

पेरिस विश्व चैंपियनशिप में हाल ही में अपना दूसरा कांस्य पदक जीतने वाली सात्विक और चिराग की जोड़ी पहले दौर के अपने मुकाबले में चीनी ताइपे के चियू शियांग चिए और वांग ची-लिन को 21-13, 18-21, 21-10 से हराया। विश्व रैंकिंग की पूर्व नंबर एक जोड़ी मुकाबले के शुरूआती गेम में अच्छी लय में दिखी लेकिन उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी को दूसरे गेम में वापसी करने का मौका दे दिया। तीसरे गेम में सात्विक और चिराग ने हालांकि

अपने चिर-परिचित अंदाज में नेट का शानदार इस्तेमाल करते हुए कुछ दमदार स्मैश लगाकर शानदार वापसी की।

आठवीं वरीयता प्राप्त यह जोड़ी अब जापान के केनया मित्सुहाशी और हिरोकी ओकामुरा तथा थाईलैंड के पीरचाई सुखफुन और पक्कापोन टीरारत्सुकुल के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेगी। पुरुष एकल वर्ग में किरण ने क्वालीफायर में लगातार दो जीत हासिल करके मुख्य ड्रॉ में अपनी जगह बनाई। उन्होंने मलेशिया के चियाम जून वेई को 21-14, 21-13 से हराने के बाद हमवतन एस शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यम को 21-18, 21-14 से मात दी।

शंकर ने इससे पहले शुरुआती मुकाबले में इंग्लैंड के वांग यू हैंग को 21-10, 21-5 से हराया था। विश्व रैंकिंग में 38वें स्थान पर काबिज किरण का अगला मुकाबला सिंगापुर के जिया हेंग जेसन तेह से होगा। थारुन मन्नेपल्ली ने दिन का सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए पूर्व विश्व नंबर 1 किदांबी श्रीकांत को क्वालीफायर के पहले मुकाबले में 28-26, 21-13 से हराकर बाहर का रास्ता दिखा। 20 साल का यह खिलाड़ी हालांकि अपनी लय बरकरार नहीं रख सका और अगले मैच में मलेशिया के चौथे वरीय जस्टिन होह से 21-23, 13-21, 18-21 से हार गया।

लुइस सुआरेज पर तीन मैचों का अतिरिक्त प्रतिबंध, एक कर्मचारी पर थूकने के कारण एक्शन

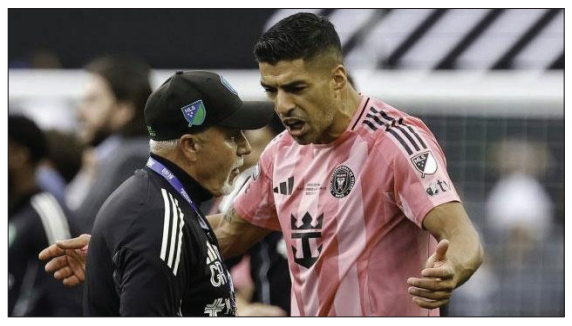

न्यूयॉर्क। इंटर मियामी के स्ट्राइकर लुइस सुआरेज पर मेजर लीग सॉकर (रूरू) ने तीन मैचों का अतिरिक्त प्रतिबंध लगा दिया है। लीग ने सोमवार को बताया कि लीग कप के फाइनल में सिएटल साउंडर्स के एक कर्मचारी पर थूकने के बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया है। लीग ने सोमवार को यह जानकारी दी। इस प्रतिबंध के साथ 38 वर्षीय खिलाड़ी की सजा कुल 9 मैचों तक बढ़ गई है। टूर्नामेंट आयोजकों ने सुआरेज पर पहले ही छह मैचों का प्रतिबंध लगा दिया था, जिससे वह अगले साल होने वाले लीग कप में नहीं खेल पाएंगे। यह नया प्रतिबंध एमएलएस मैचों पर लागू होता है, जिसका अर्थ है कि वह 13 सितंबर को चार्लोट एफसी, 16 सितंबर को सिएटल और 20 सितंबर को डीसी यूनाइटेड के खिलाफ होने वाले लीग मैचों में नहीं खेल पाएंगे। यह विवाद पिछले महीने हुए फाइनल में मियामी की सिएटल से 3-0 की हार के बाद हुआ था। सुआरेज ने ओबेद वर्गास का गला पकड़ लिया था, जिसके बाद सर्जियो बुस्केट्स ने मिडफील्डर की ठोड़ी पर वार किया था। उरुग्वे के इस फारवर्ड को टीम के साथियों ने तब रोका जब वह साउंडर्स के सुरक्षा निदेशक जीन रामिरेज पर थूक रहे थे। बुस्केट्स और टॉमस एविलेस को इस झड़प में हिंसक व्यवहार के लिए क्रमशः दो और तीन मैचों का प्रतिबंध लगाया गया, जबकि साउंडर्स के सहायक कोच स्टीवन लेनहार्ट को पांच मैचों के लिए निलंबित कर दिया गया और शेष सीजन के लिए उनके फील्डिंग अधिकार छीन लिए गए। सुआरेज, जिन्हें पहले काटने और नस्लीय दुर्व्यवहार के लिए निलंबन का सामना करना पड़ा था, ने सोशल मीडिया पर माफी मांगी और अपने कृत्य को हताशा से उपजी एक 'गलती' बताया। उन्होंने लिखा, 'यह वह छवि नहीं है जो मैं अपने परिवार या अपने क्लब के सामने पेश करना चाहता हूं।'

लेफ्ट-राइट कॉम्बिनेशन में उलझे-पूर्व स्पिनर ने अय्यर की एशिया कप से अंदेखी का कारण बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व लेग स्पिनर अमित मिश्रा का मानना है कि श्रेयस अय्यर को भारत की एशिया कप टीम से बाहर करने का फैसला मध्य क्रम में दाएं और बाएं बल्लेबाजों का संयोजन बनाए रखने की रणनीतिक चाल के कारण हुआ। 2024 के लिए BCCI की केंद्रीय अनुबंध सूची से बाहर होने के बाद से श्रेयस ने मैदान पर शानदार प्रदर्शन किया है। अपनी शानदार फॉर्म के दम पर उन्होंने पंजाब किंग्स को IPL 2025 के फाइनल में पहुंचाया, जो पिछले एक दशक में फ्रैंचाइजी का पहला फाइनल था। इस शानदार लीग में 50 से ज्यादा की औसत से 604 रन बनाने के बाद श्रेयस ने 15 सदस्यीय टीम में जगह बनाने के लिए खुद को एक मजबूत दावेदार बना लिया। उन्हें भारतीय टीम से और यहां तक कि यात्रा करने वाले रिजर्व खिलाड़ियों से भी नजरअंदाज कर दिया गया, जिससे प्रशंसकों और पूर्व क्रिकेटरों में आक्रोश फैल गया। जहां पूर्व क्रिकेटरों और प्रशंसकों ने प्रबंधन के चयन पर सवाल उठाए हैं, वहीं मिश्रा ने एक ऐसी रणनीतिक रूपरेखा की पहचान की जिसने अय्यर को टीम में शामिल करने के खिलाफ काम किया। मिश्रा के अनुसार, चूंकि 30 वर्षीय अय्यर तीसरे या चौथे नंबर पर खेलते हैं इसलिए बाएं-दाएं संयोजन बनाए रखने की चाहत अय्यर के खिलाफ गई। मिश्रा ने कहा, 'मुझे लगता है कि श्रेयस तीसरे या चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हैं, टीम प्रबंधन ने सोचा होगा कि बाएं और दाएं हाथ के बल्लेबाजों का संयोजन बेहतर होता। एशिया कप एक लंबा टूर्नामेंट है। मुझे लगता है कि श्रेयस बाएं-दाएं हाथ के बल्लेबाजों के संयोजन में फंस गए।' इस बहुप्रतीक्षित टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद भी मिश्रा भविष्य में अय्यर की वापसी को लेकर 100 प्रतिशत आश्वस्त हैं। मिश्रा का मानना है कि ऐसी कई सीरीज हैं जहां अय्यर अपनी क्षमता साबित कर सकते हैं और टीम में अपनी जगह वापस पा सकते हैं। उन्होंने आगे कहा, 'आने वाले समय में कई सीरीज हैं। उनके पास काफी समय है। मुझे 100 प्रतिशत यकीन है कि वह वापसी करेंगे। शायद इसीलिए वह टीम में नहीं हैं। मुझे नहीं लगता कि वह अपनी खराब फॉर्म की वजह से टीम से बाहर हैं।

धोनी के कारण मुझे अलग-अगल भूमिकाएं तलाशनी पड़ीं : कार्तिक

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने कहा है कि महेन्द्र सिंह धोनी के आने के बाद से ही उनके लिए टीम में जगह बनाना कठिन हो गया। इसी कारण उन्हें अलग-अलग भूमिकाओं में उतरना पड़ा। कार्तिक ने साल 2004 में धोनी से तीन माह पहले भारतीय टीम की ओर से पदार्पण किया था पर शुरुआती कुछ मैचों के बाद ही धोनी के टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में अपनी जगह बना ली। जिससे उनके लिए जगह हासिल करना कठिन हो गया था।

हाल ही में एक कार्यक्रम में कार्तिक ने पुरानी बातों को याद कर कहा कि धोनी ने अपने करियर की शुरुआत में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सभी को प्रभावित किया था। कार्तिक ने कहा, मैंने उन्हें ज्यादा खेलते नहीं देखा था पर केन्या में उस ए सीरीज के दौरान, हर कोई एक खिलाड़ी की चर्चा कर रहा था, क्योंकि वह कुछ नया लेकर आया था। जिस ताकत से वह गेंद को मारता था, लोगों का कहना था कि उन्होंने ऐसा पहले कभी नहीं देखा था। कुछ तो उनकी तुलना गैरी सोबर्स से भी कर रहे थे, जो अपने लंबे छक्कों के लिए जाने जाते थे। तब धोनी की तकनीक बिल्कुल अलग थी और वह गेंद को इतनी जोर से मार रहे थे जितना लोगों ने पहले कभी नहीं देखा था। उस समय यही चर्चा थी।

कार्तिक ने कहा, उस समय भारत राहुल द्रविड़ को विकेटकीपर के विकल्प के रूप में इस्तेमाल कर रहा था। लेकिन द्रविड़ ने बाद में ये भूमिका निभाने से इंकार कर दिया था। उन्होंने कहा, मैं केवल अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान देना चाहता हूं। विकेटकीपिंग करने में मेरा शरीर बहुत मेहनत कर रहा है। इसलिए टीम ने एक अच्छे विकेटकीपर की तलाश शुरू कर दी। इसी दौरान मुझे विकेटकीपिंग का अवसर मिला पर धोनी के आने के बाद हालात बदल गये। इसके बाद मुख्य विकेटकीपर की जिम्मेदारी उन्हें मिलने लगी। जब वह आए, तो उन्होंने सभी को पूरी तरह से प्रभावित कर दिया। बहुत जल्द, वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी छा गये थे।

इस क्रिकेटर ने कहा, जब ऐसा कोई खिलाड़ी सामने आता है, तो आपको स्वयं से पूछना चाहिए कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ रूप सामने लाने के लिए क्या कर सकता हूं? इसलिए मैं अलग- अलग भूमिका में आने लगा। कहीं शुरुआती बल्लेबाज की जगह होती तो मैं उसके लिए पहुंच जाता था। इसी तरह मध्य क्रम में कोई जगह खाली होती, तो मैं वहाँ बल्लेबाजी करने का अनुरोध करता और हमेशा टीम में जगह बनाने के तरीके तलाशता रहा पर मेरे लिए उस जगह को बचाए रखना आसान नहीं था। मैं खुद पर इतना दबाव डालता था कि कई बार, मैं उस जगह के साथ न्याय नहीं कर पाता था जिसकी वास्तव में जरूरत थी।

उन्होंने आगे कहा, उस सफर में जो भी आपके सामने आए, उसके साथ तालमेल बिठाने का महत्व सीखा, लेकिन उससे भी ज्यादा जरूरी, दृढ़ संकल्प और लचीलेपन की जरूरत। मैंने लगातार ऐसे काम किए जो ज्यादातर खिलाड़ियों के लिए असहज थे, जैसे अपने करियर के आखिरी पांच सालों में छठे या सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करना। लेकिन मैंने

उस भूमिका को अपनाया और उसमें सफलता पाने के लिए अपनी खूबियों का इस्तेमाल किया।

मोर्कल ने एशिया कप से पहले कुलदीप की जमकर तारीफ की, कहा- वह एक बहुत ही पेशेवर एथलीट

स्पोर्ट्स डेस्क। टीम इंडिया के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने एशिया कप 2025 के शुरुआती मैच से पहले कुलदीप यादव की प्रशंसा की। कुलदीप ने पिछले साल टी20 विश्व कप फाइनल के बाद से सबसे छोटे प्रारूप टी20 में मेन इन ब्लू के लिए नहीं खेला। उन्हें आगामी महाद्वीपीय टूर्नामेंट के लिए टीम की 15 सदस्यीय टीम में चुना गया है। बाएं हाथ के स्पिनर को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भी टीम में चुना गया था। लेकिन किसी भी मैच में उन्हें प्लेइंग इलेवन में शामिल नहीं किया गया। कुलदीप उम्मीद करेंगे कि एशिया कप में ऐसा न हो खासकर इसलिए क्योंकि टूर्नामेंट यूएई में हो रहा है और वहां की परिस्थितियां तेज गेंदबाजों की तुलना में स्पिनरों के लिए ज्यादा अनुकूल हैं। मोर्कल ने कहा, 'मुझे लगता है कि वह एक बेहद पेशेवर खिलाड़ी हैं। इंग्लैंड में खेलने के बाद से उनका रवैया ऐसा ही है। जहां उन्हें बहुत कम खेलने का मौका मिला और अब भी वह वही खिलाड़ी हैं जो ओवर डालते हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'और मेरे लिए कुलदीप जैसा कि मैंने कहा उसने अपने करियर में बहुत सारे ओवर फेंके हैं। वह जानता है कि टी20 और सीमित ओवरों के क्रिकेट के लिए खुद को तैयार करने के लिए उसे क्या करना है और जैसा कि मैंने कहा हम केवल वही नियंत्रित कर सकते हैं जो हम अभी नियंत्रित कर सकते हैं और वह है जब हम अभी प्रशिक्षण करते हैं और जब हमारे सत्र होते हैं तो यह केंद्रित होता है इसके पीछे एक उद्देश्य होता है और हमारे पास लक्ष्य होते हैं।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जॉब के लिए इन चीजों की कुर्बानी कभी न दें

हम आठ से दस घंटे जॉब करते हैं और वह भी अपना पूरा सौ प्रतिशत देकर। आप भले ही अपने जॉब से कितना भी प्यार क्यों न करते हों लेकिन आपको अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में सीमा बनाकर रखने की जरूरत होती है। अगर हम ऐसा नहीं करेंगे तो हमारा काम, हमारा स्वास्थ्य, हमारा निजी जिंदगी प्रभावित होगी। आइए जानते हैं कि ऐसी कौन सी 5 चीजें हैं जिसे आपको अपने जॉब के लिए कभी कुर्बान नहीं करना चाहिए।

आपका स्वास्थ्य

यह बहुत ही मुश्किल होता है कि काम के समय आप अपने स्वास्थ्य के लिए सीमा तैयार कर ले क्योंकि आपको इसके दुष्प्रभाव का अंदाज ही नहीं होता। आप तनाव का स्वागत करते हैं, नींद खो देते हैं और बिना व्यायाम के लंबे समय पर बैठकर काम करते हैं। जब तब आपको इस बारे में पता चलेगा आपकी हालत खराब हो चुकी होगी। इसलिए इस बात को सुनिश्चित कर लें कि आपकी जॉब के कारण आपके हेल्थ पर कोई गलत प्रभाव तो नहीं पड़ रहा है। कोई भी जॉब ऐसी नहीं है जिसकी कीमत आपके स्वास्थ्य से बढ़कर हो।

आपका परिवार

यह बहुत ही आसान होता है कि आपका परिवार आपके जॉब के कारण प्रभावित हो रहा हो। हममें से कई लोग यह करते हैं क्योंकि हम हमारी नौकरी को हमारे परिवार का चलाने का साधन मानते हैं। आप यह सोचते हैं कि बच्चों को अच्छे कॉलेज-स्कूल में पढ़ाना है तो मुझे ज्यादा पैसा कमाना होगा। बस फिर क्या आप परिवार के साथ क्वॉलिटी टाइम भी नहीं बिता पाते। आप ऐसी कई मेमोरिज मिस कर देते हैं जो आपके परिवार को खुशियां देती है।

आपका विवेक

वह जॉब जो आपके विवेक का एक छोटा सा हिस्सा भी ले ले तो यह आपके लिए अच्छा नहीं है। आपका विवेक कुछ ऐसा है कि इसे आपको ही मॉनिटर करना होगा और खुद को हेल्दी रखने के लिए सीमाएं तय करनी होगी।

आपकी पहचान

जब आपका काम आपकी पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है तो यह खतरनाक साबित हो सकता है कि आपकी पूरी पहचान केवल आपका काम ही हो। अपनी पहचान के बाहर का काम कर के आपको सुखद एहसास होगा। यह आपके तनाव दूर करने में मदद करेगा और एक व्यक्ति के रूप में विकास करने में मददगार साबित होगा।

आपके संपर्क

आपके संपर्क आपकी मेहनत और प्रयास का उत्पाद है। किसी भी जॉब की खातिर आप अपने अच्छे संपर्क सूत्रों से मुंह नहीं मोड़ सकते हैं।

इस तरह बना सकते हैं ग्रह, नक्षत्रों में करियर

इन दिनों युवाओं में ज्योतिष की पढ़ाई को लेकर भी खूब क्रेज है। बाजार में ज्योतिषियों की बढ़ती मांग को देखते हुए युवाओं को इसमें भविष्य संवारने का सुनहरा मौका दिया है। ज्योतिष कोर्स को लेकर युवाओं के बढ़ते रुझान को देखते हुए यह एक बेहतरीन करियर विकल्प बन गया है। पिछले कुछ सालों में इस फील्ड में काफी स्कोप बढ़ा है। यही नहीं ज्योतिष के साथ पूजा-पाठ में करियर का व्यापक प्रचार-प्रसार हो रहा है। जहां लोग अपना भविष्य जानना चाहते हैं, वहीं ग्रह-नक्षत्र को शांत करने के लिए धार्मिक अनुष्ठान कराते हैं।

कुंडली मिलान से लेकर, मांगलिक कार्य, शादी ब्याह, पंचाग, राशिफल, अंकविज्ञान, कर्मकांड आदि भी इसी दायरे में आते हैं। ज्योतिष, पूजा-पाठ के कई तरह के कोर्स उपलब्ध है। 12 वीं करने के बाद भी आप इस क्षेत्र में करियर बना सकते हैं। स्नातक ऑनर्स या शास्त्री की डिग्री तीन साल की होती है। दो साल का पीजी कोर्स या आचार्य की डिग्री हासिल की जा सकती है। आप पीएचडी भी कर सकते हैं। ज्योतिष अलंकार कोर्स के लिए 12वीं पास होना जरूरी है।

इसके बाद आप ज्योतिषाचार्य का कोर्स कर सकते हैं। ज्योतिष और अध्यात्म के साथ-साथ पूजा-पाठ में करियर का व्यापक प्रचार-प्रसार हो रहा है। जहां लोग अपना भविष्य जानना चाहते हैं, वहीं ग्रह-नक्षत्र को शांत करने के लिए भी धार्मिक अनुष्ठान कराते हैं। अधिकतर संस्थानों और विश्वविद्यालयों में संस्कृत के साथ ही ज्योतिष विज्ञान, कर्मकांड, धर्मशास्त्र, व्याकरण, वेद, पुरोहित आदि की पढ़ाई होती है। वेद, व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, वैदिक दर्शन, जैन-बुध्द दर्शन, धर्मशास्त्र मीमांसा, धर्मागम आदि का अध्ययन संस्कृत विषय के तहत ही किया जाता है। हालांकि कई संस्थानों में ज्योतिष प्रज्ञ में सर्टिफिकेट कोर्स तो ज्योतिष भूषण में डिप्लोमा कोर्स भी आयोजित कर रहे हैं।

संभावनाएं

ज्योतिष में करियर बनाने के इच्छुक लोगों को रत्न, पत्थर, ग्रह-नक्षत्र के साथ भारतीय लोगों के दृष्टिकोण को पहचानने की क्षमता होनी चाहिए। इस क्षेत्र में कभी भी मंदी नहीं आती क्योंकि अधिकतर भारतीय पारंपरिक हैं और ज्योतिष पर विश्वास करते हैं। कोई भी व्यक्ति अखबार, न्यूज चैनलों के अलावा पत्रिकाओं में भविष्यवक्ता भी बन सकता है।

स्किल्स

इस फील्ड में आप तभी सफल हो सकते हैं जब आप में लगातार कुछ न कुछ सीखने के गुण हों। आपका व्यक्तित्व आकषर्क हो, आप लोगों के साथ दोस्ताना रवैया रख सकें। केवल पैसा कमाना ही आपका मकसद न होकर दूसरों की सहायता करना भी होना चाहिए। ईमानदारी इस पेशे में काफी अहमियत रखती है। साथ ही, जिम्मेदारी की भावना भी आप में कूट-कूट कर भरी होनी चाहिए। लोगों को अपनी बातों से कंविंस करना इस फील्ड की मुख्य चुनौती है। आप अपनी बात हर समय तर्कयुक्त ढंग से रखें जिससे सामने वाला आपकी बातों पर हामी भरे। ज्योतिष सीखना और भविष्यवाणी करना आसान काम नहीं है। इसके लिए कठिन परिश्रम की आवश्यकता होती है।

कोर्सेस

बीएससी इन एस्ट्रोलॉजी, एमएससी इन एस्ट्रोलॉजी, सर्टिफिकेट कोर्स इन एस्ट्रोलॉजी, डिप्लोमा कोर्स इन भारतीय ज्योतिष, बीएम/एमए/पीएचडी इन एस्ट्रोलॉजी, एमए इन संस्कृत रिसर्च इन एस्ट्रोलॉजी, कोर्स इन वेदांग ज्योतिष, टू ईयर ग्रेडेट कोर्स इन वैदिक एस्ट्रोलॉजी, एम इन एस्ट्रोलॉजी (पत्राचार), बीए (संस्कृत), ज्योतिष एमए (आचार्य), ज्योतिष बीए (संस्कृत), ज्योतिष फलित, ज्योतिष बीए (ज्योतिष), एमए (फलित ज्योतिष), एमए (सिध्दांत ज्योतिष), बीए शास्त्री (सिध्दांत ज्योतिष), बीए (फलित ज्योतिष), ज्योतिष डिप्लोमा कोर्स, ज्योतिष डिप्लोमा पुरोहित सर्टिफिकेट ट्रेनिंग कोर्स इन पुरोहित, पीजी डिप्लोमा इन वास्तुशास्त्र रिफ्रेशर कोर्स इन ज्योतिष (ज्योतिष प्रज्ञ और ज्योतिष भूषण), ज्योतिष प्रवीण बेसिक एस्ट्रोलॉजी कोर्स (एक साल)।

किस तरह क्वॉलिफाई कर सकते हैं सीसैट

युवाओं में सिविल सर्विसेज की प्रिलिम्स, यानी सीसैट (सिविल सर्विसेज एप्टिट्यूड टेस्ट) बहुत मायने रखती है। अगर आपमें पैशन है, तो आप इस परीक्षा में अपनी योग्यता दिखाकर अच्छे अंक पा सकते हैं। जानते हैं सी-सैट सहित सिविल सेवा परीक्षा से संबंधित कुछ सामान्य सवालों के जवाब।

सीसैट की तैयारी में कितना समय लगता है

सीसैट (प्रिलिम्स) में 2 ऑब्जेक्टिव टाइप सेक्शन होते हैं। पहला पेपर जनरल स्टडीज का और दूसरा पेपर एप्टीट्यूड टेस्ट का होता है। अगर उम्मीदवार प्रिलिम्स की तैयारी कर रहा है, तो उसे दोनों यानी जनरल स्टडीज पेपर 1 और जीएस मेन्स की तैयारी साथ में ही करनी चाहिए। जहां तक समय का सवाल है, तो प्रिलिम्स की तैयारी के लिए 6 से 8 महीने का समय लग जाता है। अगर उम्मीदवार सही तरीके से तैयारी करे, तो वह जीएस मेन्स का 60 से 70 प्रतिशत भाग कवर कर सकता है। इसके अलावा नोट्स बनाने भी बहुत जरूरी हैं। आपको सिलेक्शन पाने के लिए कुछ हटकर करना पड़ेगा।

सीसैट व मेन्स का जीएस पेपर क्या एक-दूसरे से किसी तरह संबंधित हैं?

शायद ही इन दोनों में कुछ कॉमन हो। फिर भी, अगर हम इसकी गहराई में जाएं, तो एक संबंध देख सकते हैं कि अगर किसी उम्मीदवार की जीएस बहुत अच्छी है, तो यह उसे रीडिंग काम्प्रिहेंशन सेक्शन में मदद कर सकती है, जिससे सीसैट में कम से कम 40 से 60 प्रतिशत प्रश्न पूछे जाते हैं।

सीसैट पेपर 1 और 2 के लिए विद्यार्थियों की रणनीति

पेपर 1 - इसके लिए सबसे जरूरी यह है कि उम्मीदवार एनसीईआरटी की पुस्तकों को बहुत अच्छे-से पढ़े। कक्षा 6 से 12 तक की हिस्ट्री, सिविक्स और जिओग्रॉफी को अच्छे से पढ़ें। कक्षा 9 से 12 तक की इकोनॉमिक्स का गहराई से अध्ययन करें और कक्षा 11 व 12 की सोशलॉजी पर फोकस करें। एनसीईआरटी बुक्स के साथ-साथ आपको एक अच्छा अखबार भी नियमित रूप से पढ़ना चाहिए। इसके अलावा वार्षिक बुक भी अच्छे से पढ़ें। आपको इकोनॉमिकल और पॉलिटिकल साप्ताहिक मैगजीन भी पढ़नी चाहिए।

पेपर 2 - इसके लिए आपको कक्षा 7 से 10 तक की मैथ्स पर बहुत अच्छा कमांड होना चाहिए। इसके अलावा रीजनिंग का बेसिक ज्ञान भी अच्छा होना चाहिए।

करंट अफेयर्स के तहत किस तरह के प्रश्न पूछे जाते हैं?

जहां तक प्रिलिम्स का सवाल है, कुछ साल पहले तक करंट अफेयर्स से काफी प्रश्न पूछे जाते थे, लेकिन पिछले 2-3 सालों से इन प्रश्नों में कुछ कमी आई है। एक बात का हमेशा ध्यान रखें कि सिविल सर्विसेज एग्जाम का कोई स्पष्ट ट्रैंड नहीं होता है। करंट अफेयर्स के प्रश्न सीसैट में नहीं पूछे जाते, बल्कि मेन्स में पूछे जाते हैं। इसीलिए उम्मीदवारों को अपने आसपास की घटनाओं से अपडेट रहना चाहिए।

सीसैट में एक सामान्य विद्यार्थी की सफलता की कितनी संभावना होती है?

2023 में लगभग 5 लाख उम्मीदवार इस परीक्षा के लिए बैठे थे, जिसमें 3.7 प्रतिशत ही सीसैट क्रैक कर पाए, जबकि करीब 80 प्रतिशत उम्मीदवार ऐसे भी थे, जो बहुत आश्वस्त थे अपने चयन को लेकर मगर वे प्रिलिम्स तक नहीं क्वॉलिफाई कर पाए। वास्तव में प्रतिस्पर्धा 20 प्रतिशत उम्मीदवारों के बीच ही थी। पिछले 5-6 साल से सक्सेस रेट 3-6 प्रतिशत रहा है। सीसैट कठिन तो है पर असंभव नहीं है। एक सामान्य विद्यार्थी भी कड़ी मेहनत करके सीसैट क्वॉलिफाई कर सकता है।

क्या सीसैट क्वॉलिफाई करने के लिए कोचिंग जरूरी है?

कोचिंग जरूरी तो नहीं है, फिर भी अगर आप कोई कोचिंग ज्वॉइन करना चाहते हैं, तो बहुत सोच-समझकर ऐसा करें और हो सके तो उसी से मार्गदर्शन लें, जिसने खुद यह परीक्षा दी हो। कारण यह कि कई कोचिंग संस्थानों में फैकल्टी अच्छी नहीं होती।

इन तरीकों से दूर कर सकते हैं अपनी कमजोरियां

कई बार हम बिना सोचे-समझे दूसरों की आलोचना कर देते हैं लेकिन ऐसा करते हुए हम यह नहीं सोचते कि इसका परिणाम क्या होगा। दूसरों की आलोचना पर ध्यान देने या उनकी कमियां निकालने में समय गंवाने के बजाय हमें खुद को सशक्त बनाने पर ध्यान देना चाहिए। अपने आप को कमजोर या हीन समझने के बजाय यह देखें कि आखिर वह कौन-सी खासियत है, जो आपके भीतर है, जिसे आगे बढ़ाकर आप कामयाबी के शिखर की तरफ बढ़ सकते हैं। कभी भी यह न सोचें कि आपके भीतर कोई हुनर नहीं है।

अगर आपको लगता है कि वाकई कोई अच्छाई आपमें नहीं है, तो किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले जरा ठहरें। कुछ दिन पूरी एकाग्रता के साथ आत्म-मंथन करें। अपनी रुचियों, आदतों, व्यवहार, बातचीत, प्रतिक्रिया आदि पर ध्यान दें। आपको जरूर पता चल जाएगा कि आप में कौन-सी अच्छाई है। अगर फिर भी समझ में नहीं आता, तो घर के किसी समझदार सदस्य, अध्यापक या फिर काउंसलर की मदद से खुद की ताकत को जानें-समझें। इससे आपको अपनी पसंद के क्षेत्र में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।

घबराएं न हार से

अगर आप कभी किसी परीक्षा या टेस्ट में फेल हो जाते हैं, किसी टीम का हिस्सा होते हुए भी बेहतर परफॉर्म नहीं कर पाते या फिर किसी वजह से शर्मिंदा होना पड़ता है, तो ऐसी स्थिति में भी धैर्य बनाए रखें। हताश बिल्कुल न हों। खुद को संयत रखें। फिर यह सोचें कि आखिर आप असफल क्यों हुए? आपसे कहां चूक हो गई? आपने गलती कहां की? अपनी हार या असफलता में छिपे कारणों को ढूंढें। जब तक आप उन कारणों को ढूंढकर उन्हें दूर करने का प्रयत्न नहीं करेंगे, कामयाबी आपसे दूर ही रहेगी। अगर आप खुद को विजेता के रूप में देखता चाहते हैं, तो अपनी कमियों-कमजोरियों को ढूंढकर उन्हें यथाशीघ्र दूर करें। याद रखें, दुनिया में ऐसे बहुत कम कामयाब लोग होंगे, जिन्होंने कभी असफलता का स्वाद नहीं चखा होगा। कामयाबी के शिखर पर पहुंच चुके तमाम लोगों को अपने प्रयासों में कई बार हार मिली। चाहे बल्ब के आविष्कारक थॉमस एडिसन हों या फिर नए संसार की खोज में निकले कोलंबस और वास्को-डि-गामा जैसे लोग। बार-बार की असफलता के बावजूद ऐसे उत्साही लोगों ने उम्मीद का दामन नहीं छोड़ा। आखिर एक दिन ऐसा आ ही गया, जब उन्हें कामयाबी मिली और दुनिया भर ने उनका लोहा माना। अगर आप भी किसी परीक्षा या प्रतियोगिता में असफल हो जाते हैं, तो इसे जिंदगी का आखिरी इम्तेहान समझने के बजाय इस बात पर विचार करें कि आखिर किन कमियों के कारण आपको सफलता नहीं मिल सकी। इन कमियों को दूर कर फिर दोगुने उत्साह के साथ प्रयास करें।

आत्ममुग्धता से बचें

अक्सर यह भी देखने में आता है कि छोटी-छोटी सफलताएं पाकर हम आत्ममुग्ध हो जाते हैं। इसका नतीजा यह होता है कि बड़े लक्ष्य को पाने के लिए किए जाने वाले हमारे प्रयास शिथिल पड़ने लगते हैं। कई बार हम खुद को बेहद काबिल मानकर यह सोच लेते हैं कि हमें सफलता तो मिल ही जाएगी। मगर जब ऐसा नहीं होता और असफलता हाथ लगती है, तो हमें शॉक लगता है। तब हमें एहसास होता है कि काश दूसरों की तारीफों के कारण हम आत्ममुग्धता के शिकार न हुए होते।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राहुल गांधी मानहानि प्रकरण – गवाह की गवाही दर्ज, बचाव पक्ष की जिरह अधूरी

सुलतानपुर (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ चल रहे मानहानि मामले में मंगलवार को अहम कार्यवाही हुई। अदालत में कोतवाली देहात क्षेत्र के पीताम्बरपुर निवासी गवाह अनिल मिश्र की गवाही दर्ज की गई। इस दौरान बचाव पक्ष के अधिवक्ता ने गवाह से जिरह शुरू की, लेकिन जिरह पूरी नहीं हो सकी। न्यायालय ने शेष जिरह के लिए 23 सितंबर की तिथि नियत की है। परिवादी भाजपा नेता एवं कोआपरेटिव बैंक के पूर्व चेयरमैन विजय मिश्र के अधिवक्ता संतोष पांडेय ने बताया कि मामला वर्ष 2018 का है। 4 अगस्त को विजय मिश्र ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का वाद दाखिल किया था। आरोप है कि राहुल गांधी ने बेंगलुरु की एक जनसभा में उस समय भाजपा अध्यक्ष रहे अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इससे आहत होकर उन्होंने मुकदमा दर्ज कराया। जिसमे कोर्ट ने बीते साल 27 नवम्बर को राहुल गांधी को तलब करने का आदेश दिया था। कोर्ट में हाजिर होकर राहुल गांधी ने 20 फरवरी 2024 को जमानत कराई थी तथा 25 जुलाई को उनका बयान कोर्ट में दर्ज हुआ था। बयान में उन्होंने इस मुकदमे को राजनीतिक साजिश बताया था। अब न्यायालय में 23 सितंबर को गवाह से बचाव पक्ष की आगे की जिरह होगी, जिस पर सभी की निगाहें टिकी हैं।

अब्बास अंसारी की राज्य विधानसभा सदस्यता बहाल

लखनऊ (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा दो साल की जेल की सजा रद्द करने के बाद, उत्तर प्रदेश विधानसभा सचिवालय ने अब्बास अंसारी की राज्य विधानसभा सदस्यता बहाल करने का आदेश जारी किया है। अब्बास अंसारी 2022 में मऊ से विधायक चुने गए थे। 2022 के विधानसभा चुनाव के दौरान भड़काऊ भाषण देने के मामले में उन्हें 31 मई, 2025 को सांसद/विधायक कोर्ट ने दो साल की सजा सुनाई थी, जिसके बाद उनकी विधायकी रद्द कर दी गई थी। उत्तर प्रदेश सरकार ने लखनऊ के डालीबाग इलाके में गैंगस्टर से नेता बने मुख्तार अंसारी की अवैध रूप से कब्जा की गई जमीन को खाली कराया। इस जमीन पर 72 आवासीय फ्लैट बनाए गए हैं, जिनकी कीमत 9 लाख से 9.5 लाख के बीच है। इनका आवंटन लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा और इसके लिए आवेदन प्रक्रिया जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है।

मालेगांव ब्लास्ट मामले में एनआईए अदालत के फैसले के खिलाफ याचिका, आदेश को दी गई चुनौती

मुंबई (एजेंसी)। 2008 के मालेगांव ब्लास्ट मामले में, पूर्व सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर और कर्नल पुरोहित सहित सात लोगों को एक विशेष एनआईए अदालत ने 31 जुलाई को बरी किया था। अदालत ने अपने फैसले में कहा था कि उनके खिलाफ कोई विश्वसनीय और ठोस सबूत नहीं है और मात्र संदेह वास्तविक सबूत की जगह नहीं ले सकता। हालांकि, पीड़ितों में से एक, निसार अहमद सैयद बिलाल और पाँच अन्य लोगों ने फैसले को बॉम्बे हाईकोर्ट में चुनौती दी है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि एनआईए अदालत का 31 जुलाई का आदेश गलत था और आदेश को रद्द किया जाना चाहिए। यह मामला महाराष्ट्र के नासिक जिले के मालेगांव में 29 सितंबर 2008 को हुए एक विस्फोट से संबंधित है, जिसमें छह लोग मारे गए थे और 101 घायल हो गए थे। यह घटना एक दोपहिया वाहन में हुए विस्फोट के कारण हुई थी। अदालत ने कहा कि मामले को साबित करने के लिए कोई विश्वसनीय और ठोस सबूत नहीं है। यह भी कहा गया कि किसी भी सबूत के अभाव में आरोपियों को संदेह का लाभ मिलना चाहिए। न्यायाधीश ने कहा कि सभी साक्ष्य अभियुक्तों को दोषी ठहराने के लिए विश्वसनीय नहीं हैं। अदालत ने यह भी फैसला दिया कि इस मामले में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के प्रावधान लागू नहीं होते हैं। अदालत ने अभियोजन पक्ष के उस दावे को भी खारिज कर दिया कि विस्फोट में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल ठाकुर के नाम पर रजिस्टर्ड थी, यह साबित नहीं हो पाया था।

अपनी तस्वीरों के गलत इस्तेमाल को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट पहुंची ऐश्वर्या राय

नई दिल्ली (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन ने दिल्ली हाई कोर्ट पहुंची है। ऐश्वर्या का आरोप है कि एक वेबसाइट उनकी तस्वीरों और एआई जनरेटेड तस्वीरों का इस्तेमाल कर अपने सामन बेच रही हैं, जो कानूनन अपराध है। इससे उनकी छवि प्रभावित हो रही है। न्यायमूर्ति तेजस करिया ने मौखिक रूप से संकेत दिया कि वह प्रतिवादियों को चेतावनी देकर एक अंतरिम आदेश पारित करुंगा। ऐश्वर्या राय की ओर से पेश वरिष्ठ वकील संदीप सेठी ने कहा कि अभिनेत्री अपने प्रचार और व्यक्तिगत अधिकारों का इस्तेमाल करना चाहती हैं। उन्होंने तर्क दिया कि कुछ पूरी तरह से अवास्तविक अंतरंग तस्वीरें इंटरनेट पर अपलोड की जा रही हैं। ऐश्वर्या के वकील सेठी ने तर्क दिया, उनकी (राय) तस्वीर, पसंद या व्यक्तित्व का उपयोग करने का आरोपियों के पास कोई अधिकार नहीं है। एक शख?स केवल मेरे नाम और चेहरे से पैसे बना रहे हैं। उनका नाम और पसंद किसी की यौन इच्छाओं की पूर्ति के लिए इस्तेमाल हो रही है। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। ऐश्वर्या राय की ओर से पैरवी करने वाले अधिकवक्ताओं में प्रवीन आनंद और ध्रुव आनंद भी शामिल हैं।

दिनदहाड़े एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या, पारिवारिक विवाद का मामला आया सामने

झांसी(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में झांसी के सीपरी बाजार इलाके में दिनदहाड़े एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने बताया कि यह घटना कथित तौर पर लंबे समय से चले आ रहे पारिवारिक विवाद के कारण हुई। पीड़ित की पत्नी ने दावा किया कि आधा दर्जन से ज्यादा लोगों ने उसके पति पर गोलियां चलाईं और बैंक से निकाले गए 2 लाख रुपये लूट लिए। महिला ने बताया कि हमले के दौरान उसके साथ मारपीट हुई। 40 वर्षीय पीड़ित अपनी पत्नी के साथ बैंक से घर लौट रहा था, तभी हमलावरों ने गोलीबारी शुरू कर दी।

उद्धव ठाकरे के कई विधायक शिंदे गुट के संपर्क में, जल्द होंगे पार्टी में शामिल

–विधायक कृपाल तुमाने ने किया दावा– यूबीटी के लोग राउत के रवैये से तंग आ चुके

नागपुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति में बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव से पहले एक बार फिर हलचल तेज हो गई। शिवसेना (शिंदे गुट) के विधायक कृपाल तुमाने ने दावा किया है कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) के सिर्फ दो विधायकों को छोड़कर बाकी सभी विधायक एकनाथ शिंदे गुट के संपर्क में हैं और जल्द ही उनकी पार्टी में शामिल हो जाएंगे। तुमाने ने मंगलवार को कहा कि यूबीटी के लोग संजय राउत के रवैये से तंग आ चुके हैं। यही वजह है कि उनके दो विधायकों को छोड़कर बाकी सभी हमारे संपर्क में हैं। मुंबई के 80 फीसदी पूर्व नगरसेवक भी शिंदे गुट के साथ जुड़ने को तैयार हैं। उन्होंने दशहरा मेला के अवसर पर बड़े खुलासे और पार्टी प्रवेश समारोह की संभावना का भी जिक्र किया।

बता दें 2022 में महाराष्ट्र की राजनीति में उस समय भूचाल आ गया था, जब तत्कालीन सीएम उद्धव ठाकरे के खिलाफ एकनाथ शिंदे ने बगावत कर दी थी। इस बगावत के परिणामस्वरूप शिवसेना टूट गई और शिंदे के साथ 39 अन्य विधायकों ने उद्धव ठाकरे का साथ छोड़कर बीजेपी के साथ गठबंधन कर लिया था। इस घटना ने महाविकास अघाडी (एमवीए) गठबंधन सरकार, जिसमें शिवसेना, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी-शरद गुट) और कांग्रेस शामिल थे, को सत्ता से बाहर कर दिया था। शिंदे गुट और उद्धव ठाकरे गुट के बीच तनातनी अब भी जारी है। फिलहाल, बीएमसी चुनाव से पहले शिंदे गुट का यह दावा महाराष्ट्र सियासत में बड़े बदलाव का संकेत है।

यह दावा ऐसे समय में भी किया जा रहा है, जब बीएमसी चुनाव से पहले ठाकरे ब्रदर्स एकजुट हो रहे हैं। करीब 20 साल के बाद राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे एक साथ आए हैं। इसके कारण महाराष्ट्र के राजनीतिक समीकरण पहले ही बदल चुके हैं। ठाकरे ब्रदर्स पहली परीक्षा में असफल रहे हैं। बता दें महाराष्ट्र में बेस्ट एम्प्लॉयीज को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी के चुनावों में दोनों भाइयों उद्धव और राज ठाकरे की पार्टियों ने मिलकर चुनाव लड़ा था, लेकिन खाता भी नहीं खुला।

बिहार-छत्तीसगढ़ में हुई एफआईआर को जोड़ने की रामदेव की याचिका पर सुनवाई टली

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने योग गुरु बाबा रामदेव की याचिका पर सुनवाई टाल दी है जिसमें उन्होंने अपने खिलाफ बिहार और छत्तीसगढ़ में हुई एफआईआर को जोड़ने की बात कही थी। सुप्रीम कोर्ट में रामदेव के खिलाफ छत्तीसगढ़ में दर्ज एफआईआर पर क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की जा चुकी है। बता दें ये मामला कोविड काल के दौरान एलोपैथी के खिलाफ टिप्पणी करने से जुड़ा हुआ है। सुप्रीम कोर्ट ने सवाल किया कि अगर रामदेव के खिलाफ केवल बिहार में दर्ज एफआईआर ही बची है, तो क्या एफआईआर को एक साथ जोड़ने की उनकी याचिका बरकरार रहेगी? इस मामले में रामदेव के खिलाफ बिहार और छत्तीसगढ़ में एफआईआर दर्ज की गई थी। रामदेव इस मामले में सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे और दोनों एफआईआर को जोड़ने की मांग की थी जिसे सुप्रीम कोर्ट ने टाल दिया है। सुप्रीम कोर्ट को मंगलवार को कहा कि छत्तीसगढ़ के अधिकारियों ने योगगुरु और पतंजलि आयुर्वेद के संस्थापक रामदेव के खिलाफ कोविड-19 महामारी के दौरान एलोपैथिक दवाओं के खिलाफ की गई टिप्पणियों को लेकर दर्ज एफआईआर के संबंध में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की है। इस पर जस्टिस एम एम सुंदरेश और जस्टिस सतीशचंद्र शर्मा की पीठ ने पूछा कि एफआईआर को एक साथ जोड़ने की रामदेव की याचिका बरकरार नहीं रह सकती क्योंकि बिहार में केवल एक एफआईआर ही लंबित है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इस घटनाक्रम की जानकारी दी। सॉलिसिटर जनरल ने टिप्पणी की कि ये एफआईआर स्पष्ट रूप से प्रायोजित व्यक्तियों द्वारा दर्ज की गई थीं। रामदेव के वकील ने अनुरोध किया कि आदेश में बयान दर्ज किया जाए। हालांकि पीठ ने ऐसा नहीं किया। उन्होंने आशंका व्यक्त की कि यदि शिकायतकर्ता विरोध याचिका दायर करता है तो कार्यवाही फिर से शुरू हो सकती है और इसलिए मामले का निपटारा करने से पहले बिहार में दर्ज एफआईआर की स्थिति का पता लगाया जा सकता है।

अरविंद केजरीवाल को अदालत से मिली विदेश जाने की अनुमति

सुलतानपुर (एजेंसी)। उप्र के सुलतानपुर की एक एमपी-एमएलए अदालत ने चुनाव आचार संहिता उल्लंघन के मामले का सामना कर रहे आम आदमी पार्टी (आप) के मुखिया अरविंद केजरीवाल को विदेश यात्रा पर जाने की अनुमति दे दी। केजरीवाल के वकील रूद्र प्रताप सिंह मदन ने मंगलवार को बताया कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री व आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल से संबंधित मामले की सुनवाई आठ सितंबर को हुई।

जिसके बाद अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा ने आदेश सुरक्षित रख लिया था और बाद में उन्हें विदेश जाने की अनुमति दे दी। आठ सितंबर को मदन ने संवाददाताओं को बताया था कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल के खिलाफ अमेठी में चुनाव आचार संहिता उल्लंघन का मामला दर्ज किया गया था। उन्होंने बताया, ''इससे पहले, अदालत ने इस शर्त पर केजरीवाल को पासपोर्ट के नवीकरण की अनुमति दे दी थी कि वह विदेश यात्रा पर जाने से पहले अदालत की अनुमति लेंगे। आज, हमने अदालत से उस शर्त को हटाने का अनुरोध किया, क्योंकि उन्हें विदेश यात्रा पर जाना है। सुनवाई हुई और आदेश सुरक्षित रख लिया गया।''

उल्लेखनीय है कि अगस्त में, अदालत ने केजरीवाल को अपने पासपोर्ट का नवीकरण कराने की अनुमति दे दी थी और अदालत की पूर्व मंजूरी के बिना देश से बाहर नहीं जाने का निर्देश दिया था। केजरीवाल के खिलाफ यह मामला 2014 के लोकसभा चुनाव से जुड़ा है। उस समय केजरीवाल अमेठी में आप प्रत्याशी कुमार विश्वास का चुनाव प्रचार करने आए थे। इसी दौरान अमेठी जिले के गौरीगंज और मुसाफिरखाना थाने में उनके खिलाफ आदर्श आचार संहिता का कथित तौर पर उल्लंघन करने के लिये दो मामले दर्ज किए गए थे। केजरीवाल इन मामलों में जमानत पर हैं। उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर वर्तमान में इस मामले में कार्यवाही स्थगित है।

ब्रिक्स का पूरा ध्यान अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को स्थिर बनाने पर होना चाहिए:जयशंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी टैरिफ की वजह से विश्व में मची आर्थिक उथल-पुथल के बीच ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा के आह्वान पर ब्रिक्स समूह की एक आपातकालीन वर्चुअल बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन शामिल हुए। जबकि भारत की तरफ से विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर ने इस बैठक में भाग लिया।

जयशंकर ने अपने संबोधन की शुरुआत में ही टैरिफ संकट से पार पाने के लिए समूह को एक जरूरी सुझाव देते हुए कहा कि बीते कुछ वर्षों में दुनिया का सामना भीषण चुनौतियों और संघर्षों से हुआ है। जिन्हें देखते हुए वर्तमान में ब्रिक्स का पूरा ध्यान वैश्विक अर्थव्यवस्था और वर्ल्ड ऑर्डर को स्थिर बनाने पर केंद्रित होना चाहिए। साथ ही अमेरिका का नाम लिए बगैर उसे संदेश देते हुए उन्होंने कहा कि विश्व को रचनात्मकता और सहयोग की भावना के साथ व्यापार को बढ़ावा देना चाहिए। बाधाओं को बढ़ाना और वित्तीय आदान-प्रदान को जटिल बनाना कहीं से भी मददगार साबित नहीं होगा। गौरतलब है कि अमेरिका ने ब्रिक्स देशों पर ही सबसे ज्यादा टैरिफ लगाया है। जिसमें भारत पर 50 फीसदी, ब्राजील पर 50 फीसदी, चीन पर 30 फीसदी और दक्षिण अफ्रीका पर भी 30 फीसदी टैरिफ लगाया गया है। इसके अलावा अमेरिका के राष्ट्रपति ने रूस पर द्वितीयक पाबंदियां बढ़ाने को लेकर भी अपनी मंशा साफ कर दी है। जिससे रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर टैरिफ में और अधिक बढ़ोतरी की आशंका गहरा गई है। भारत भी इसमें शामिल है।

उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी से लेकर यूक्रेन, मध्य-पश्चिम एशिया में जारी संघर्षों, व्यापार-निवेश संकट और अप्रत्याशित जलवायु संबंधी घटनाओं ने न केवल सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) के हमारे एजेंडे की रफ्तार को धीमा किया है। बल्कि दुनियाभर में फेल हो रही बहुपक्षीय व्यवस्था के सच को भी उजागर कर दिया है। गंभीर तनाव के कई मुद्दे आज भी बिना किसी समाधान के यूं ही पड़े हुए हैं। जिनका विश्व व्यवस्था पर प्रभाव पड़ रहा है। यह एक सामूहिक चिंता का मसला है। जयशंकर ने कहा कि ब्रिक्स हालांकि विविधतापूर्ण समाज का प्रतिनिधित्व करता है। जिस पर उक्त घटनाक्रमों का गहराई से प्रभाव पड़ता है। पूर्व में समूह देश अपनी राष्ट्रीय नीतियों के मद्देनजर एक समान विचार को खोजते थे। जिसके तहत हमें आगे बढ़ना होता था। लेकिन आज हमारा ध्यान वैश्विक अर्थव्यवस्था और वर्ल्ड ऑर्डर की स्थिरता पर केंद्रित होना चाहिए। लेकिन यहां ये भी महत्वपूर्ण है कि हम अपना ध्यान संघर्षों पर भी लेकर जाएं। क्योंकि इनका विकास और सप्लाई चेन प्रभावों से सीधा संबंध है। उन्होंने ब्रिक्स के अन्य भागीदार देशों के राष्ट्राध्यक्षों का ध्यान न्यूयॉर्क में होने वाले संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के आगामी सत्र की ओर ले जाते हुए कहा कि यह हमारे लिए अवसर होगा। जब हम बहुपक्षीय व्यवस्था में सुधारों को लेकर विचारों का आदान-प्रदान कर सकते हैं। यूएनएससी और यूएन में सुधारों की नितांत आवश्यकता पर जयशंकर ने बल देते हुए कहा कि ब्रिक्स को इसके लिए सामूहिक रूप से आवाज उठानी चाहिए।

ग्लोबल साउथ की अनदेखी पड़ेगी भारी

विदेश मंत्री ने कहा कि मौजूदा समय में जारी संघर्षों का तत्काल समाधान ढूंढने की आवश्यकता है। ग्लोबल साउथ के देश खासतौर पर खाद्य, ऊर्जा और उर्वरक संकट से जूझ रहे हैं। जब शिपिंग को निशाना बनाया जाता है तो उससे केवल व्यापार ही नहीं बल्कि जीविका पर भी खतरा उत्पन्न हो जाता है। चुनिंदा संरक्षण वैश्विक जवाब नहीं बन सकता है। शत्रुता को शीघ्र समाप्त करने और कूटनीति के मार्ग पर लौटना ही एक मजबूत और वास्तविक समाधान है। उन्होंने कहा कि भले ही दुनिया नीतिगत चुनौतियों का सामना कर रही है। लेकिन हमें बड़ी समस्याओं जैसे जलवायु परिवर्तन से मुंह नहीं चुराना चाहिए। यह बेहद दुखद है कि आज की हकीकत में जलवायु कदम और जलवायु न्याय जैसे मुद्दे पिछड़ते हुए नजर आ रहे हैं। इस संबंध में हमें नए विचारों और कदमों की जरूरत है। जयशंकर ने भारत द्वारा उठाए गए ग्लोबल सोलर अलायंस, सीडीआरआई और ग्लोबल बॉयोफ्यूल अलायंस का भी उल्लेख किया।

अगले साल अप्रैल से शुरु होगी पहली पूर्ण डिजिटल जनगणना

–34 लाख कर्मचारी स्मार्टफोन से इस काम को देंगे अंजाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगले साल शुरु होने वाली जनगणना देश की पहली डिजिटल जनगणना होगी। इस कार्य में लगने वाले 34 लाख प्रगणक यानी कर्मचारी पहली बार अपने ही स्मार्टफोन से इस काम को अंजाम देंगे। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि भारत के महापंजीयक द्वारा तैनात किए गए पर्यवेक्षक और ऐसे कर्मचारी जनगणना कार्य के लिए अपने एंड्रॉयड या आईओएस ऑपरेटिंग सिस्टम वाले फोन से डेटा एकत्र कर एक ऐप के जरिए सेंट्रल सर्वर में डेटा ट्रांसफर करेंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सभी जनगणना कर्मी इस प्रक्रिया में एक ऐसे मोबाइल एप्लीकेशन ऐप का इस्तेमाल करेंगे, जिसे 2021 की जनगणना कार्य के लिए डेवलप किया गया था। यह एप्लिकेशन एंड्रॉइड और आईओएस दोनों ऑपरेटिंग सिस्टम के फोन को सपोर्ट करेगा और अंग्रेजी के साथ अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में भी ऐप उपलब्ध होंगे। सूत्रों के मुताबिक चार साल पुराने इस एप्लिकेशन में अब कई तकनीकी सुधार किए गए हैं, ताकि कोई भी जनगणना कर्मी इसे सहजता और सरलता से चला सके और सेंसस के लिए डेटा उसमें अपलोड कर सके।

बता दें इससे पहले 2011 में हुई सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना में भी गणना कर्मियों ने बिना कागज के इस काम को अंजाम दिया था, लेकिन तब उन्हें इस काम के लिए टैबलेट दिए गए थे, जिसे भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) ने उपलब्ध कराए थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि पूर्ण डिजिटल जनगणना होने से 2027 की जनगणना में पहली बार सभी आवासीय और गैर-आवासीय भवनों की जियो-टैगिंग होगी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि किसी कारणवश अगर कोई जनगणना कर्मी कागज पर कोई डेटा इकट्ठा करता है, तो उसे एक डेडिकेटेड वेब पोर्टल पर अपलोड करना होगा ताकि बाद में उसकी स्कैनिंग करने या उस डेटा की एंट्री की जरूरत महसूस न हो। इसका मतलब यह है कि पहली बार ऐसा होगा जब जनगणना के हर तरह के आंकड़े जनगणना काम में लगे कर्मियों के स्तर पर ही डिजिटल कर दिया जाएगा। इससे जनगणना के नतीजे जल्दी आने की संभावना है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय के तहत आने वाला भारत के महापंजीयक का कार्यालय, इस पूरी प्रक्रिया की रियल टाइम निगरानी और उसका प्रबंधन करने के लिए एक वेबसाइट भी विकसित कर रहा है। आरजीआई ने जनगणना के लिए 14,618.95 करोड़ रुपए का बजट मांगा है। बता दें 2027 की जनगणना दो चरणों में होगी। पहला चरण अप्रैल से सितंबर 2026 तक चलेगा, जिसमें मकान सूचीकरण का काम किया जाएगा। इसके बाद दूसरा चरण शुरू होगा, जो फरवरी 2027 में पूरे देश में शुरू होगी। इसमें जनसंख्या गणना का काम पूरा किया जाएगा। लद्दाख, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में यह काम सितंबर 2026 में ही पूरा कर लिया जाएगा। आगामी जनगणना में, घर के सदस्यों की जातियों की गणना भी की जाएगी, साथ ही लोगों के पास स्वयं गणना करने का विकल्प भी होगा।

नीतीश ने सीट बंटवारे से पहले ही राजपुर सीट पर निराला को बनाया उम्मीदवार

पटना (एजेंसी)। आगामी बिहार विधानसभा चुनावों के लिए एनडीए सहयोगियों के साथ सीट बंटवारे की बातचीत से पहले जेडी(यू) ने अपनी दावेदारी पेश की है। पार्टी प्रमुख और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राजपुर सीट के लिए एकतरफा उम्मीदवार की घोषणा की है। कुछ दिन पहले ही पार्टी ने कहा था कि वे भाजपा से कम से कम एक सीट ज्यादा पर चुनाव लड़ना चाहती है। बक्सर में पार्टी बैठक में, मंच पर वरिष्ठ भाजपा नेता और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के साथ मौजूद नीतीश ने पूर्व मंत्री संतोष कुमार निराला को राजपुर से जेडी(यू) का उम्मीदवार घोषित किया। राजपुर एक अनुसूचित जाति (एससी) के लिए आरक्षित निर्वाचन क्षेत्र है।

नीतीश ने बक्सर जिले में एक घोषणा की। निराला के नाम की घोषणा होते ही सभा स्थल निराला जिंदाबाद और हमारा नेता कैसा हो, निराला जैसा हो जैसे नारों से गूंज उठा। निराला को मंच पर बुलाकर, नीतीश ने कार्यकर्ताओं से चुनाव में उनका समर्थन करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह एक अच्छे इंसान हैं और पहले मेरे मंत्रिमंडल में परिवहन मंत्री रह चुके हैं। निराला पहली बार 2010 में राजपुर से विधायक बने और 2015 में फिर से जीते, लेकिन 2020 के विधानसभा चुनाव में, जब जदयू ने भाजपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ा था, कांग्रेस उम्मीदवार विश्वनाथ राम से हार गए। हार के बावजूद, नीतीश ने निराला को महादलित आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया। एक वरिष्ठ जदयू नेता ने बताया कि इस बार उनकी उम्मीदवारी जमीनी स्तर की प्रतिक्रिया पर आधारित है।

इससे पहले, नीतीश ने बक्सर जिले में 325 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इसमें सड़क विस्तार कार्य और भारत रत्न से सम्मानित महान संगीतकार उस्ताद बिस्मिल्लाह खान के नाम पर एक विश्वविद्यालय की स्थापना शामिल है। इस मौके पर नीतीश ने कार्यकर्ताओं को याद दिलाया कि चुनाव बस कुछ ही महीने दूर हैं। उन्होंने कहा, याद रखें कि आपका समर्थन पार्टी के कई उम्मीदवारों को राज्य विधानसभा में पहुँचाएगा। राज्य को आगे बढ़ाने के लिए हमें आपके सक्रिय सहयोग की आवश्यकता है।

अयोध्या का दीपोत्सव रचेगा नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड, 26 लाख से ज्यादा दीपक करेंगे रामनगरी को रोशन

अयोध्या (एजेंसी)। रामनगरी अयोध्या में एक नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित करने की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। पर्यटन विभाग द्वारा सरयू नदी के तट, राम की पैड़ी और अन्य घाटों पर दीपों की अनूठी श्रृंखला सजाकर एक मनमोहक दृश्य प्रस्तुत किया जाएगा। इस बार अयोध्या का दीपोत्सव अपने पिछले रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए तैयार है।

पर्यटन और संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि आयोजन की तैयारियां पूरे उत्साह के साथ चल रही हैं। अयोध्या में 2017 से दीपोत्सव को भव्य और आध्यात्मिक रूप से मनाया जा रहा है। इस परंपरा को कायम रखते हुए इस वर्ष सरयू तट पर सबसे विशाल दीप प्रज्वलन और भव्य आरती समारोह का आयोजन होगा। इस बार 26 लाख से अधिक दीपकों के साथ गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने का लक्ष्य रखा गया है। मंत्री ने कहा कि दीपोत्सव न केवल अयोध्या के सांस्कृतिक गौरव को उजागर करता है, बल्कि इसे वैश्विक स्तर पर और अधिक प्रसिद्धि दिलाएगा। उन्होंने बताया कि राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद यह दूसरा दीपोत्सव होगा, जिसे और भी भव्यता के साथ मनाने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। राम की पैड़ी और अन्य घाटों पर 26 लाख से ज्यादा दीपक जलाकर नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया जाएगा।

इसके साथ ही सरयू तट पर अब तक की सबसे विशाल आरती का आयोजन होगा, जिसमें 1100 से अधिक संत-महात्मा, धर्माचार्य और स्थानीय लोग हिस्सा लेंगे। आयोजन से तीन दिन पहले तैयारियां शुरू हो जाएंगी, और गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के मानकों के अनुसार डिजाइन और समन्वय का कार्य किया जाएगा। इस अवसर पर छात्र और स्वयंसेवक गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। वे दीपकों की सजावट, प्रज्वलन, गिनती और सत्यापन जैसे कार्यों को गिनीज मानकों के अनुसार पूरा करेंगे। पर्यटन विभाग, जिला प्रशासन, अवध विश्वविद्यालय और अन्य संस्थाएं इस आयोजन के लिए लगातार समन्वय कर रही हैं। पर्यटन और संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव मुकेश कुमार मेश्राम ने कहा कि दीपोत्सव हमारी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक है। इस वर्ष अयोध्या में होने वाला दीपोत्सव पिछले वर्षों की तुलना में और भी भव्य होगा, और इसके लिए सभी तैयारियां पूरी की जा रही हैं।

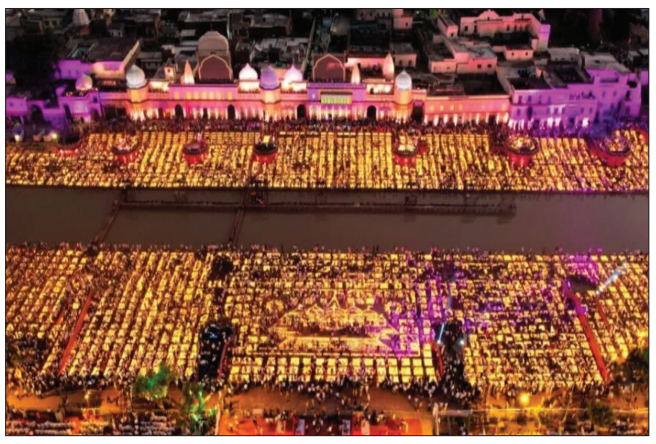

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

फलस्तीन को मान्यता देकर भारी गलती कर रहे कई देश, इस्राइल की चेतावनी- ये हमास को तोहफा देने जैसा

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने हाल के समय में कई देशों द्वारा फलस्तीन को मान्यता देने के एलान की कड़ी आलोचना की है। सार ने इसे बड़ी गलती बताया और चेतावनी दी कि ऐसा करने से क्षेत्र में अशांति आ सकती है और इस्राइल को भी एकतरफा तरीके से कदम उठाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। तेल अवीव में डेनमार्क के विदेश मंत्री के साथ एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए गिदोन सार ने कहा कि फलस्तीन को इस तरह से मान्यता देने से शांति प्रयासों को नुकसान पहुंचेगा और यह हमास जैसे संगठनों की हिम्मत बढ़ाएगा।

अगस्त में 145200 अफगान पाकिस्तान से स्वदेश लौटे

काबुल, एजेंसी। पाकिस्तान से अफगानिस्तान लौटने वाले शरणार्थियों की संख्या में पिछले माह जबर्दस्त वृद्धि दर्ज की गई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, अगस्त में 1,45,200 अफगानी स्वदेश लौटे। इनमें से लगभग 55,000 ने अंतिम चार दिनों में वापसी की। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी ने रिपोर्ट में कहा कि अगस्त में अफगानों की वापसी में 254प्रतिशत बढ़ोतरी हुई जबकि जुलाई की तुलना में निर्वासन में 191प्रतिशत की वृद्धि हुई। चार सितंबर तक 5,31,700 अफगान पाकिस्तान से लौट गए।

लड़की के कपड़े पहनकर टिकटॉक वीडियो बनाने के आरोप में पाकिस्तानी युवक गिरफ्तार

क्वेटा, एजेंसी। पाकिस्तान में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। उस पर आरोप है कि वह लड़कियों के कपड़े पहनकर टिकटॉक पर वीडियो पोस्ट करता था। घटना पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की है, जहां के स्वाबी जिले में रहने वाला एक युवक महिलाओं के कपड़े पहनकर वीडियो शूट करता था और बाद में उन्हें सोशल मीडिया पर पोस्ट करता था। युवक की पहचान अब्दुल मुगीज के रूप में हुई है। आरोप है कि अब्दुल टिकटॉक वीडियो में महिलाओं के कपड़े पहनकर आपत्तिजनक हरकतें करता था, जिसे लेकर लोगों में भारी गुस्सा था। शिकायतें मिलने के बाद पुलिस ने कई जगह छापेमारी की और अब जाकर आरोपी को पकड़ सकी।

कैनसस सिटी में 50 साल के कैदी की मौत को कोर्ट ने हत्या माना

कैनसस सिटी, एजेंसी। अमेरिका के कैनसस सिटी में वायंडॉट काउंटी जेल में इसी साल 5 जुलाई को हिरासत में लिए गए 50 वर्षीय कैदी चार्ल्स अडैर की मौत हो गई थी। कोर्ट ने इसे हत्या करार दिया है। खबरों के मुताबिक उसे ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने के मामले में गिरफ्तार किया गया था। पोस्टमार्टम में मौत का कारण %मैकेनिकल एस्फिक्सिया% यानी सांस रुकना पाया गया। मृतक हृदय रोग और शराबजनित लीवर सिरोसिस ने भी पीड़ित था। रिपोर्ट के अनुसार, जेल में स्टाफ से संघर्ष के बाद उसे सेल में लिटाया गया, लेकिन कुछ ही मिनटों बाद वह बेहोश पाया गया, जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया गया।

थाइलैंड के पीएम पद के लिए अनुतिन को मिली शाही मंजूरी

बैंकॉक, एजेंसी। थाइलैंड के अनुभवी राजनीतिज्ञ अनुतिन चार्नवीराकुल को रविवार को देश के नए प्रधानमंत्री के रूप में शाही मंजूरी मिल गई। दो दिन पहले संसद ने उन्हें इस पद के लिए चुना था। 58 वर्षीय अनुतिन, फ्यू थाई पार्टी के पैतोंगटार्न शिनावात्रा का स्थान लिया। शिनावात्रा को पिछले सप्ताह नैतिकता के उल्लंघन का दोषी पाए जाने पर पद से बर्खास्त कर दिया गया था।

दीपावली कार्यक्रम में मणिपुर के कलाकारों ने मन मोहा

सिंगापुर, एजेंसी। मणिपुर के एक सांस्कृतिक दल ने सिंगापुर में शनिवार को लिटिल इंडिया परिसर में दीपावली लाइटअप कार्यक्रम में प्रस्तुति दी। इस वार्षिक कार्यक्रम में सिंगापुर के राष्ट्रपति थर्मन षण्मुगरत्नम और विभिन्न समूहों के 700 प्रतिभागियों ने शिरकत की। इसी के साथ देश में दो महीने तक चलने वाले दीपोत्सव की शुरुआत हुई।

यूक्रेन पर हमले से डोनाल्ड ट्रंप नाराज, रूस पर नए प्रतिबंध लगाने की तैयारी

वाशिंगटन, एजेंसी। यूक्रेन मुद्दे को लेकर अमेरिका और रूस के बीच लगातार खींचतान जारी है। कुछ हफ्ते पहले ही अलास्का में हुई ट्रंप और पुतिन की मीटिंग के बाद इस बात के आसार लगाए जा रहे थे कि अब युद्ध खत्म हो जाएगा। लेकिन वक्त के साथ वह आसार भी हवा हो गए। अब राष्ट्रपति ट्रंप एक बार फिर से रूस से ऊपर नए प्रतिबंध लगाने की तैयारी कर रहे हैं। उनका यह बयान रूस की तरफ से यूक्रेन पर किए गए एक बड़े हवाई हमले के बाद सामने आया है।

वाइट हाउस के बाहर मीडिया से बात करते हुए ट्रंप से पूछा गया कि क्या हाल में यूक्रेन पर हुए हमले के बाद वह रूस पर नए प्रतिबंध लगाने की तैयारी कर रहे हैं। इसका जवाब देते हुए ट्रंप ने कहा कि वह इसके लिए पूरी तरह से तैयार हैं। हालांकि ट्रंप की तरफ से इस बात पर कोई ज्यादा जानकारी नहीं दी गई कि वह रूस के ऊपर किस तरह के नए प्रतिबंधों की तैयारी कर रहे हैं।

आपको बता दें कि ट्रंप द्वारा यह बयान ऐसे समय में दिया गया है जब रूस की तरफ से यूक्रेन की राजधानी कीव पर जोरदार हमला बोला गया है। 800 से ज्यादा ड्रोन्स, मिसाइलों और रॉकेट्स के जरिए किए गए इस हमले में कीव में बड़े स्तर पर तबाही हुई है। इस हमले में करीब दो लोगों की मौत हो गई है और 15 से

ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। यूक्रेनी अधिकारियों के मुताबिक 2022 में युद्ध शुरू होने के बाद यह कीव के ऊपर सबसे बड़ा रूसी हमला है। पिछले महीने ही अलास्का में ट्रंप को पुतिन की बैठक के बाद रूस लगातार यूक्रेन को निशाना बनाता आ रहा है।

ट्रंप के इस बयान को लेकर दूसरे मायने भी निकाले जा रहे हैं, कुछ घंटों पहले ही अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने रूसी तेल खरीदने वाले देशों के ऊपर और प्रतिबंध लगाने के आह्वान किया था। रूसी तेल खरीदने के मामले में भारत दूसरे नंबर पर है, और चीन पर अमेरिका प्रतिबंध लगाने के मूड में नहीं है। इसलिए बेसेंट का यह आह्वान भारत के संबंध में ही प्रतीत होता है। अपने इस आह्वान के पीछे तर्क देते हुए बेसेंट ने कहा था कि अगर ऐसा हो जाता है तो रूस की अर्थव्यवस्था पर इसका काफी बुरा असर पड़ेगा, इससे वह यूक्रेन के साथ बातचीत करने के लिए मजबूर हो जाएगा।यूक्रेन और रूस के मुद्दे को लेकर ट्रंप लगातार कोशिश करते नजर आ रहे हैं। इस मुद्दे और कथित तौर पर अपनी निजी खुन्नस के चलते उन्होंने भारत के साथ भी अपने संबंध खराब कर लिए हैं। भारत पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे ट्रंप अब इस मोर्चे पर भी फेल होते नजर आ रहे हैं। यूरोप के उनके साथी भी उन पर तंज कस रहे हैं। हाल ही में फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने इस मुद्दे पर कहा था कि अगर पुतिन यूक्रेन पर हमले कम नहीं करते या बातचीत के लिए तैयार नहीं होते, तो यह तय है कि उन्होंने एक बार फिर से ट्रंप के साथ ब्लफ कर दिया है।

इरफान अली दूसरी बार बने गुयाना के राष्ट्रपति, शपथ ली

जॉर्जटाउन, एजेंसी। गुयाना की सत्तारूढ़ पीपुल्स प्रोग्रेसिव पार्टी के इरफान अली ने रविवार को तेल-समृद्ध दक्षिण अमेरिकी देश के राष्ट्रपति के रूप में दूसरी बार शपथ ली। चुनाव आयोग ने उनकी जीत की पुष्टि कर दी है। देश की अपेक्षाकृत हालिया तेल संपदा से प्राप्त राजस्व को लोकप्रिय सामाजिक कार्यक्रमों में लगाने के बाद अली ने रविवार को संकल्प लिया कि वह एक विविध अर्थव्यवस्था का निर्माण करेंगे, जो रोजगार पैदा करेगी।

नेपाल और चीन का संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू

काठमांडो, एजेंसी। नेपाल सेना और चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास सागरमाथा फ्रेंडशिप का पांचवां संस्करण रविवार को काठमांडो में शुरू हुआ। नेपाल सेना के अनुसार, 10 दिन चलने वाले इस अभ्यास में आपदा प्रबंधन, संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन और आतंकवाद-रोधी अभियानों सहित कई विषयों पर दोनों सेनाओं के बीच अनुभव साझा किए जाएंगे। नेपाल और चीन के बीच यह संयुक्त सैन्य अभ्यास 2017 से शुरू हुआ है और इसे बारी-बारी से दोनों देशों में आयोजित किया जाता है।

वेटिकन सिटी में कार्लो अक्यूटिस पहले मिलेनियल संत बने

वेटिकन सिटी, एजेंसी। वेटिकन सिटी में पोप लियो ने रविवार को एक समारोह में 15 साल के कार्लो अक्यूटिस को कैथोलिक चर्च का पहला मिलेनियल संत घोषित किया। कार्लो की 2006 में ब्लड कैंसर से मौत हो गई थी। वो भगवान के दूत कहे जाते थे।

इस मौके पर दुनियाभर से करीब 70 हजार युवा शामिल हुए। कार्लो का जन्म 1991 में ब्रिटेन में हुआ था और वे इटली में रहे। उन्होंने कंप्यूटर कोडिंग सीखकर धार्मिक वेबसाइट्स बनाईं। उनकी कहानी ने कई युवाओं को प्रेरित किया। पोप लियो ने कार्लो के साथ-साथ 1920 में पोलियो से मरे इटली के पियर जियोर्जियो फ्रासाती को भी संत घोषित किया। फ्रासाती अपनी दानशीलता के लिए मशहूर थे।

सेंट पीटर्स स्क्वायर में पोप लियो ने कहा, हम सभी के पास संत बनने

का मौका है। उन्होंने कार्लो के शब्दों को दोहराया, स्वर्ग हमारा इंतजार कर रहा है, और आज अपना सर्वश्रेष्ठ देना जरूरी है।

पोप ने युवाओं से कहा कि वे कार्लो और फ्रासाती से प्रेरणा लें और अपने जीवन को बेहतर बनाएं। यह समारोह पहले अप्रैल में होने वाला था, लेकिन पोप फ्रांसिस की मृत्यु के कारण टल गया। यह पहला मौका था जब पोप लियो ने ऐसा समारोह किया।

लंदन में फलस्तीन समर्थकों का प्रदर्शन, 900 गिरफ्तार

लंदन, एजेंसी। फलस्तीन एक्शन नामक संगठन को आतंकवादी समूह घोषित किए जाने के विरोध में शनिवार को लंदन की सड़कों पर सैकड़ों लोगों ने प्रदर्शन किया। पार्लियामेंट स्क्वॉयर पर प्रदर्शनकारियों की पुलिस के साथ झड़प भी हुई, जिसके बाद लगभग 900 से ज्यादा लोगों को पुलिस पर हमले और अन्य सार्वजनिक व्यवस्था उल्लंघन के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया।?पुलिस ने बताया कि अधिकारियों को असहनीय दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ा। उन्हें लात-घूंसों से मारा गया।

ऑस्ट्रेलिया की मशरूम किलर को उम्रकैद की सजा

केनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की मशरूम किलर को वहां की एक अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। सजा के तहत दोषी महिला को 33 साल बाद ही जमानत मिल सकेगी। ऑस्ट्रेलिया के इस मामले पर पूरी दुनिया की नजर थी क्योंकि जिस तरीके से दोषी महिला एरिन पैटर्सन ने अपने पूर्व पति के माता-पिता की हत्या की थी, उसने पूरी दुनिया को चकित कर दिया था।

क्या है मामला : दरअसल एरिन पैटर्सन ने अपने पूर्व पति के माता-पिता समेत तीन लोगों को जहरीली मशरूम खिलाकर मार डाला था। 50 वर्षीय पैटर्सन को जुलाई में हत्या का दोषी करार दिया गया था और अब सोमवार को अदालत ने उसे उम्रकैद की सजा सुनाई। एरिन ने साल 2023 में अपने पूर्व पति के माता-पिता और अंकल-आंटी को अपने घर खाने पर बुलाया था। इस दौरान एरिन ने खाने में जहरीली मशरूम मिला दी, जिसे खाने से तीन लोगों की मौत हो गई। पूरी दुनिया में यह मामला मशरूम मर्डर के नाम से चर्चित हुआ। अभी तक इन हत्याओं के पीछे की वजह पता नहीं है।

33 साल बाद ही मिल सकेगी एरिन को जमानत : एरिन का दावा है कि उसने अनजाने में खाने में जहरीली मशरूम मिला दी थी। हालांकि अदालत ने उसके दावे को नहीं माना। जिस वक्त महिला ने अपने पूर्व पति के परिवारवालों को जहरीली मशरूम खिलाकर मारा, उस वक्त उसका अपने पति से झगड़ा चल रहा था और बच्चों के खर्च को लेकर दोनों के बीच विवाद था। अदालत के आदेश के तहत 33 साल बाद ही एरिन को जमानत मिल सकेगी और उस वक्त वह करीब 83 साल की हो जाएगी। इस तरह एरिन की बाकी जिंदगी अब जेल में ही गुजरेगी। हालांकि अभी एरिन के पास सजा के खिलाफ अपील के लिए 28 दिन का समय बाकी है।

रूस ने कैंसर के इलाज के लिए नई वैक्सीन बनाई, प्री-क्लिनिकल ट्रायल्स में 100प्रतिशत इफेक्टिव

मास्को, एजेंसी। रूस ने कैंसर के इलाज में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। देश की नई एमआरएनए बेस्ड वैक्सीन एंटरोमिक्स ने प्री-क्लिनिकल ट्रायल्स में 100प्रतिशत प्रभावशीलता और सुरक्षा दिखाई है।

रूस के नेशनल मेडिकल रिसर्च रेडियोलॉजी सेंटर और रूसी एकेडमी ऑफ साइंस के एंगेलहार्ट इंस्टीट्यूट ऑफ मॉलिक्यूलर बायोलॉजी ने मिलकर इस वैक्सीन को विकसित किया है। इस वैक्सीन के क्लिनिकल ट्रायल्स की शुरुआत 48 वॉलंटियर्स के साथ की गई थी। इन ट्रायल्स की घोषणा सेंट पीटर्सबर्ग इंटरनेशनल इकोनॉमिक फोरम (एसपीआईएफ2025) में 18 से 21 जून को की गई थी।

वैक्सीन कैंसर को रोकने में सक्षम : यह वैक्सीन न केवल कैंसर से लड़ने में सक्षम है, बल्कि भविष्य

में कैंसर को रोकने की दिशा में भी एक बड़ा कदम हो सकती है। फेडरल मेडिकल एंड बायोलॉजिकल एजेंसी (एफएमबीए) ने घोषणा की है कि यह वैक्सीन अब क्लिनिकल उपयोग के लिए तैयार है। एफएमबीए की प्रमुख वेरोनिका स्क्वॉर्ट्सोवा के अनुसार, एंटरोमिक्स एक एमआरएनए आधारित वैक्सीन है, जो हर मरीज के लिए उनकी व्यक्तिगत आरएनए के आधार पर खास रूप से तैयार की जाएगी। यह वैक्सीन शरीर के इम्यून सिस्टम को सुधारती है ताकि वह कैंसर कोशिकाओं को पहचान कर उन्हें खत्म कर सके। यह वैक्सीन ट्यूमर को छोटा करने और उनकी वृद्धि को रोकने में बेहद प्रभावी साबित हुई है। खास बात यह है कि इसे बार-बार इस्तेमाल करने पर भी कोई गंभीर साइड इफैक्ट नहीं देखे गए, जो इसे कीमोथेरेपी और रेडिएशन जैसे इलाजों से अलग बनाता है।

पहली पर्सनलाइज्ड कैंसर वैक्सीन बन सकती है : एंटरोमिक्स का पहला संस्करण कोलोरेक्टल कैंसर (आंतों का कैंसर) के इलाज के लिए तैयार किया गया है। इसके अलावा, वैज्ञानिक ग्लियोब्लास्टोमा (मस्तिष्क का कैंसर) और मेलेनोमा (त्वचा का कैंसर) के लिए वैक्सीन के अन्य संस्करणों पर काम कर रहे हैं। अब जब क्लिनिकल ट्रायल्स सफलतापूर्वक पूरे हो चुके हैं, वैक्सीन को रेगुलेटरी मंजूरी का इंतजार है। अगर यह मंजूरी मिलती है, तो एंटरोमिक्स दुनिया की पहली पर्सनलाइज्ड एमआरएनए कैंसर वैक्सीन बन सकती है। यह वैक्सीन न केवल रूस बल्कि पूरी दुनिया में हजारों लोगों की जान बचा सकती है और कैंसर के इलाज में एक नया युग शुरू कर सकती है।

डोनाल्ड ट्रंप की हमास को आखिरी चेतावनी, बोले- अगर बंधकों को नहीं छोड़ा तो हालात और भी ज्यादा खराब होंगे

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हमास को आखिरी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर इजरायली बंधकों को रिहा नहीं किया गया तो हमास के लिए हालात कठिन और बदतर हो सकते हैं। इतना ही नहीं अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि युद्ध खत्म करने के लिए इजरायल उनकी (ट्रंप की) शर्तों पर राजी हो गया है। अब हमास की बारी है, अमेरिका लगातार हमास के साथ बातचीत कर रहा है। हमास से बंधक बनाए गए सभी लोगों को तुरंत रिहा करने की भी मांग की गई है। सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखे अपने पोस्ट में ट्रंप ने हमास को कड़े शब्दों में चेतावनी दी। ट्रंप ने लिखा, हम हमास के साथ बहुत गंभीर स्तर पर

बातचीत कर रहे हैं। हमने उनसे कहा है कि सभी बंधकों को अभी रिहा करो... अगर ऐसा नहीं होता है तो उनकी हालत और भी ज्यादा खराब हो जाएगी। यह हमास के लिए मेरी आखिरी चेतावनी थी। इसके बाद दूसरी नहीं होगी। ट्रंप ने बातचीत के बारे में और जानकारी देते हुए कहा कि हमास कुछ ऐसी मांगे कर रहा है, जो कि ठीक नहीं है। हालांकि ट्रंप ने इस मांगों को बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी। गौरतलब है कि ट्रंप का यह बयान अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ के उस ऐलान के बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि ट्रंप वाइट हाउस में एक बैठक की अगुआई करेंगे ताकि युद्ध के बाद गाजा के मैनेजमेंट के लिए योजना पर चर्चा हो सके। टाइम्स ऑफ इजरायल के मुताबिक विटकॉफ ने पहली बार खुलासा किया था कि अमेरिका के पास युद्ध के बाद की स्थिति के लिए कोई योजना है। उन्होंने कहा,कई लोग देखेंगे कि ये योजना कितनी मजबूत और नेकनीयत से बनाई गई है। यह राष्ट्रपति ट्रंप के मजबूत मानवीय इरादों को दिखाती है। हालांकि विटकॉफ ने इस बारे में ज्यादा कुछ नहीं बताया।

विटकॉफ ने ट्रंप प्रशासन के आधिकारिक रुख को दोहराया कि वे गाजा में बंधकों को लेकर आंशिक समझौतों का विरोध करते हैं। इससे पहले ट्रंप ने भी इस रुख का समर्थन किया था। उन्होंने हमास की ओर से अरब मध्यस्थों के प्रस्ताव को स्वीकार करने के बाद ट्रुथ सोशल पर पोस्ट किया था। इस प्रस्ताव में कहा गया है कि बंधकों को तभी रिहा किया जाएगा जब हमास को पूरी तरह खत्म कर दिया जाएगा।

जेलों में भुखमरी पर इस्राइल की सुप्रीम कोर्ट की कड़ी टिप्पणी

येरूशलम, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बीते 23 माह से अधिक समय से हिंसक संघर्ष हो रहा है। गाजा पट्टी में रहने वाले लोग भुखमरी और अभूतपूर्व मानवीय संकट का सामना कर रहे हैं। भारी गोलाबारी के बीच फलस्तीनी जनता तक राहत सामग्री पहुंचाने में भी चुनौतियां सामने आ रही हैं। ताजा घटनाक्रम में इस्राइल की सुप्रीम कोर्ट ने रविवार को एक अहम फैसले में कड़ी टिप्पणी की। अदालत ने कहा कि देश की सरकार ने फलस्तीनी कैदियों को %जीवन-निर्वाह करने के लिए पर्याप्त भोजन उपलब्ध नहीं कराया।% कोर्ट ने पोषण की स्थिति में तत्काल सुधार लाने का आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को लगभग दो साल से चल रहे युद्ध के दौरान प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के नेतृत्व वाली सरकार की कार्यप्रणाली में दुर्लभ हस्तक्षेप की तरह देखा जा रहा है।

भारत पर टैरिफ लगाना सही फैसला; जेलेंस्की ने यूएस ऐक्शन को बताया सही, कारण भी गिनाए

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने भारत पर अमेरिका की ओर से टैरिफ लगाए जाने के फैसले को सही करार दिया है। उनका कहना है कि अमेरिका ने रूस को ताकत पहुंचाने वाले देश पर यदि सख्ती की है तो उसमें गलत क्या है। एबीसी न्यूज को दिए इंटरव्यू में जेलेंस्की ने चीन, रूस और भारत के नेताओं के एक मंच पर आने पर भी बात की। उनसे पूछा गया कि क्या अमेरिकी टैरिफ का फैसला बैकफायर कर गया है क्योंकि मोदी, पुतिन और शी जिनपिंग एक मंच पर नजर आए हैं और जुगलबंदी दिखी है। इस पर जेलेंस्की ने कहा कि मैं मानता हूं कि भारत पर टैरिफ लगाने का अमेरिका का फैसला सही है। रूस के साथ कारोबार करने वालों पर पाबंदियां लगाना जरूरी है।

उनसे एक और सवाल पूछा गया कि आपकी मांग है कि रूस पर ज्यादा से ज्यादा पाबंदियां लगें और यूक्रेन को मदद मिले।

इस पर जेलेंस्की ने कहा कि मैं डोनाल्ड ट्रंप सरकार की ओर से उठाए कदमों से खुश हूं। रूस के साथ किसी भी तरह की डील करना सही नहीं है। उस पर पाबंदियों का मैं समर्थन करता हूं। उन्होंने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप जानते हैं कि कैसे व्लादिमीर पुतिन को रोका जा सकता है। व्लादिमीर पुतिन का हथियार यह है कि वह दुनिया के कई देशों को तेल और गैस बेचते हैं। उनकी उस ताकत को छीनना होगा। हमने इस सप्ताह मोदी, पुतिन और शी जिनपिंग के बीच मीटिंग देखी। आपने जब मोदी को वहां देखा तो आपको कैसा लगा? क्या आप मानते हैं कि डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की ओर से टैरिफ लगाने का फैसला बैकफायर कर गया। इस पर जेलेंस्की ने कहा कि मैं मानता हूं कि भारत पर टैरिफ लगाने का अमेरिका का फैसला सही है। रूस के साथ कारोबार करने वालों पर पाबंदियां लगाना जरूरी है। अलास्का समिट के बारे में पूछे जाने पर वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि मैं वहां नहीं था। जेलेंस्की ने कहा कि इस मीटिंग के जरिए ट्रंप ने पुतिन को वह सब दिया, जो वह चाहते थे। रूसी नेता की लंबे समय से इच्छा रही है कि वह अमेरिका के राष्ट्रपति से मिलें।

जेलेंस्की ने कहा कि ट्रंप ने उन्हें यह मौका दिया और रेड कार्पेट बिछा कर दिया। वहीं व्लादिमीर पुतिन के मॉस्को आकर वार्ता करने के ऑफर पर जेलेंस्की ने कहा कि वह भी तो कीव आ सकते हैं। जेलेंस्की ने कहा कि जब मेरा देश मिसाइलों के साये में हो तो उन्हें दागने वालों की राजधानी में ही कैसे जा सकता हूं। जेलेंस्की ने कहा कि उन्हें वार्ता ही करनी थी तो जंग के बीच में क्यों नहीं की, जब हम लगातार ऐसी मांग कर रहे थे। यूक्रेनी नेता ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप से मुझे द्विपक्षीय वार्ता का संकेत मिला था। इस पर मैंने कहा था कि हम कैसी भी वार्ता के लिए तैयार हैं। बस मॉस्को जाकर कोई मीटिंग होगी।

रूस ने कीव पर दागे ड्रोन और मिसाइलें, कैबिनेट बिल्डिंग से उठा धुआं ; हमले में दो की मौत

कीव, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध लगातार बड़ा रूप लेता जा रहा है। इस बीच खबर है कि रूस की ओर से यूक्रेन की राजधानी कीव पर एक बार फिर ड्रोन और मिसाइल दागी गई है। इस हमले में कम से कम दो लोगों के मौत होने की सूचना है। दरअसल, बड़े पैमाने पर रूसी ड्रोन और मिसाइलों ने कीव पर हमला बोला है। इस हमले के बा कीव के कैबिनेट भवन की छत से भी धुआं उठता हुआ देखा गया है। हालांकि, इस बात की पुष्टि नहीं हो सकी है कि ये धुआं हमले के कारण देखने को मिला या किसी और वजह से निकल रहा था। समाचार एजेंसी एपी के अनुसार, कीव के नगर प्रशासन प्रमुख तैमूर तकाचेंको ने बताया कि मृतकों में एक साल का बच्चा भी शामिल है। बच्चे का शव मलबे से निकाला गया है। कीव के मेयर विटालि क्लित्श्को ने बताया कि रूस की ओर से दागे गए ड्रोन का मलबा स्वियातोशिन्स्की जिले के एक आवासीय इमारत और कीव के डार्निंतस्की जिले में एक अन्य इमारत पर गिरा। वहीं, इस हमले में 10 से अधिक लोगों के घायल होने की खबर है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में 17 दिन से लापता बच्चों का राज कब सुलझेगा ?

मां आत्महत्या से पहले CCTV में तीनों बच्चों के साथ दिखी, तीनों को खाड़ी में फेंककर सामूहिक आत्महत्या की आशंका

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के सचिन GIDC इलाके में गभेणी चौराहे के पास स्थित एक खाड़ी से 23 अगस्त को एक अज्ञात महिला का फंदे से लटका शव मिला था। पहचान होने के बाद पता चला कि उसके साथ उसके तीन बच्चे लापता हैं। पिछले 17 दिनों से तीनों बच्चों का कोई सुराग नहीं

मिला है। पुलिस जांच में सामने आया कि 22 अगस्त को महिला अपने तीनों बच्चों के साथ CCTV में कैद हुई थी। अगले ही दिन यानी 23 अगस्त को वह खाड़ी के पाइप से फंदा लगाकर मृत पाई गई। अब पुलिस इस दिशा में जांच कर रही है कि महिला ने अपने तीनों बच्चों को खाड़ी में फेंकने के बाद आत्महत्या कर ली होगी। बच्चों की खोजबीन के लिए अब ड्रोन का सहारा लिया जा रहा है।

CCTV के अनुसार, आत्महत्या करने वाली महिला जेनुनिशा 22 अगस्त को सचिन GIDC क्षेत्र के गभेणी चौराहे से अपने तीनों बच्चों - बेटी आइसा (5), बेटा तोहीर आलम (3) और डेढ़ महीने का सरफराज - के साथ गुजरते हुए नजर आई। उसने छोटे बेटे को गोद में लिया हुआ था जबकि दोनों बड़े बच्चे उसके साथ चल रहे थे। इसके बाद 23 अगस्त को वही महिला खाड़ी के पाइप से लटकती मिली।

मृतका की पहचान जेनुनिशा के रूप में हुई, जो पश्चिम बंगाल की रहने वाली थी। उसके पति का नाम महबूब आलम है, जो बिहार के किशनगंज जिले का निवासी है और पलेसाना में कंस्ट्रक्शन साइट पर सेंट्रिंग का काम करता है। पुलिस के अनुसार, जेनुनिशा और महबूब ने प्रेम विवाह किया था। खास बात यह है कि महबूब मृतका का मामा का बेटा है। करीब एक माह पहले दंपती में झगड़ा हुआ था, जिसके बाद जेनुनिशा अपने तीनों बच्चों के साथ घर छोड़कर निकल गई थी।

जेनुनिशा ने गभेणी के पास खाड़ी से गुजरने वाली पाइप पर रस्सी बांधकर आत्महत्या कर ली। इस घटना के बाद सचिन GIDC पुलिस ने आकस्मिक मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। 30 अगस्त को महिला की पहचान जेनुनिशा के रूप में हुई। उसके पति महबूब ने पुलिस को बताया कि पत्नी से झगड़ा हुआ था और वह बच्चों को लेकर घर छोड़ गई थी।

महबूब ने पुलिस को बताया कि उसके तीनों बच्चे लापता हैं। इसके बाद पुलिस ने फौरन जांच शुरू की। आशंका जताई गई कि महिला ने बच्चों को खाड़ी में फेंक दिया होगा। इस आधार पर दमकल विभाग की मदद से खाड़ी में बड़े पैमाने पर तलाश की गई।

DCP राजेश परमार ने बताया कि 23 अगस्त को सचिन GIDC थाने में एक महिला की आत्महत्या का मामला दर्ज हुआ था। बाद में 30 अगस्त को पति ने आकर बताया कि तीनों बच्चे भी लापता हैं। इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। बच्चों की तलाश के लिए सात टीमें बनाई गई हैं। स्थानीय लोगों से पूछताछ की जा रही है और अब पुलिस ड्रोन की मदद से इलाके की तलाशी ले रही है, ताकि कोई सुराग मिल सके।

अहमदाबाद के व्यापारी को हनीट्रैप में फंसाया

व्यापारी की शिकायत पर 6 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

पुलिस की पहचान बताई और 2 लाख रुपये ऐंठ लिए।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सोशल मीडिया के जरिए युवती ने अधेड़ व्यापारी से दोस्ती कर उसे जाल में फंसा लिया। बाद में अपने साथियों को बुलाकर पुलिस की पहचान बताई और 2 लाख रुपये ऐंठ लिए। यह मामला शहर के घोड़ासर इलाके में सामने आया है। वटवा पुलिस ने व्यापारी की शिकायत पर 6 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

जानकारी के अनुसार, घोड़ासर क्षेत्र में रहने वाले 49 वर्षीय व्यापारी, जो लॉन्ड्री पार्ट्स का कारोबार करते हैं, टिंडर नामक सोशल ऐप का इस्तेमाल करते थे। अप्रैल के पहले हफ्ते में उनकी पहचान माही पटेल नाम की युवती से हुई, जिसने खुद

को वडोदरा निवासी बताया। दोनों में दोस्ती बढ़ी। 29 अप्रैल को माही ने कहा कि वह अहमदाबाद काम से आई है और काम खत्म होने के बाद मिलने का समय दिया। उसने निकोल का लोकेशन भेजा, जहां व्यापारी उससे मिले। इसके बाद युवती ने लॉन्ग ड्राइव का बहाना बनाकर उसे प्रांतिज की ओर ले गई।

रास्ते में युवती लगातार फोन पर किसी से बात कर रही थी। थोड़ी देर बाद व्यापारी की कार के आगे एक कार आकर रुकी, जिसमें से चार लोग बाहर निकले। उन्होंने खुद को पुलिसकर्मी बताते हुए व्यापारी को रोक लिया। एक युवक युवती को उसकी कार में लेकर चला गया और बाकी तीन व्यापारी की कार में बैठ गए। उन्होंने व्यापारी से पूछा कि दूसरी लड़की कहां है और तुम चरस-गांजा बेचते हो, तुम्हें थाने ले जाना पड़ेगा। एक ने PI (पुलिस इंस्पेक्टर) का फर्जी आईडी कार्ड भी दिखाया और 15 लाख रुपये की मांग की।

आरोपियों ने धमकी दी कि अगर पैसे नहीं दिए तो तुम्हारे खिलाफ केस दर्ज कर बर्बाद कर देंगे। घबराए व्यापारी को वे प्रांतिज टोलनाका के पास ले गए और डराकर उसके क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड सहित कागजात लेकर 2 लाख रुपये जबरदस्ती वसूल लिए। बदनामी के डर से व्यापारी ने तुरंत शिकायत दर्ज नहीं कराई थी। बाद में हिम्मत कर उन्होंने युवती समेत छह लोगों के खिलाफ वटवा पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पांडेसरा में मानवता को शर्मसार करने वाला मामला

किशोरी का अपहरण कर दुष्कर्म किया, गर्भवती और मां बनने के बाद उसे छोड़कर फरार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के पांडेसरा इलाके में एक बेहद शर्मनाक घटना सामने आई है। एक युवक ने प्यार का झांसा देकर एक किशोरी को अपने जाल में फँसाया। फिर उसका अपहरण कर लिया और बार-बार उसका शारीरिक शोषण किया। युवक ने किशोरी को गर्भवती कर दिया, लेकिन उससे शादी नहीं की। बेटी के जन्म के बाद, उसने किशोरी को प्रताड़ित किया और उसे छोड़कर फरार हो गया। आखिरकार पीड़िता ने पुलिस की मदद ली है। किशोरी की शिकायत के आधार पर पांडेसरा पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जाँच कर रही है।

युवक युवती के गर्भ में रहने के दौरान भी उसका शारीरिक शोषण करता रहा।

पांडेसरा की युवती ने अपनी शिकायत में कहा कि मूल रूप से बिहार के पूर्णिया जिले और वर्तमान में सूरत के आदर्श नगर पांडेसरा में रहने वाले राहुल प्रमोद साहनी मंडल ने उसके साथ यह कृत्य किया। युवती के अनुसार, वर्ष 2024 के दौरान राहुल उसे शादी का झांसा देकर उसके घर से भगा ले गया था। जिसके बाद बिना शादी किए ही उसे अलग-अलग जगहों पर रखा और शारीरिक शोषण करने लगा। समय के साथ युवती के गर्भवती होने पर भी राहुल नहीं रुका और गर्भावस्था के दौरान भी उसका शारीरिक शोषण करता रहा।

युवक पर बलात्कार, अपहरण और अन्य गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया गया।

आखिरकार किशोरी ने एक बेटी को जन्म दिया, लेकिन उसके बाद राहुल का व्यवहार बिगड़ गया। वह बार-बार उससे मारपीट करता था और उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित करता था और आखिरकार उसे बेरहमी से छोड़कर भाग गया। लाचार किशोरी ने हिम्मत जुटाई और पांडेसरा पुलिस स्टेशन से संपर्क किया। पुलिस ने राहुल साहनी के खिलाफ बलात्कार, अपहरण और अन्य गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है। इस घटना से पूरे पांडेसरा इलाके में हड़कंप मच गया है।

एएमसी के असिस्टेंट एस्टेट टीडीओ के पास 67 लाख की अनुपातहीन संपत्ति मिली

एसीबी ने 30.45’ अधिक अनुपातहीन संपत्ति का मामला दर्ज किया, परिवारजनों के नाम पर संपत्ति खड़ी की थी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

अहमदाबाद के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) द्वारा सरकारी अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार और बेनामी संपत्ति के मामलों का पता लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत, एसीबी ने अहमदाबाद म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन (एएमसी) के पूर्व ज़ोन में कार्यरत असिस्टेंट एस्टेट ऑफिसर/टीडीओ केतनकुमार जशवंतलाल रामी के खिलाफ 67 लाख की अनुपातहीन संपत्ति जुटाने का मामला दर्ज किया है।

एसीबी ने मामला दर्ज कर केतनकुमार रामी को गिरफ्तार किया

प्राप्त जानकारी के अनुसार, केतनकुमार रामी के खिलाफ अनुपातहीन संपत्ति की शिकायत मिलने पर जांच शुरू की गई थी। 1 अप्रैल 2012 से 31 मार्च 2019 की अवधि की जांच के दौरान यह सामने आया कि केतनकुमार ने अपनी वैध आय से 67,13,156 यानी 30.45’ अधिक अनुपातहीन

संपत्ति अपने और अपने आश्रितों के नाम पर खड़ी की है। इन सबूतों के आधार पर एसीबी ने मामला दर्ज कर केतनकुमार रामी को गिरफ्तार कर लिया है।

सूरत के आवासीय क्षेत्रों में अवैध निर्माण मुद्दे पर कांग्रेस ने मुख्यमंत्री से की शिकायत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नगर निगम के आवासीय क्षेत्रों में हो रहे अवैध निर्माण को लेकर सूरत निगम और अन्य जगहों पर कई शिकायतें करने के बाद अब मुख्यमंत्री तक शिकायत पहुंचाई गई है। सूरत शहर के आवासीय क्षेत्रों में बिना रोक-टोक हो रहे औद्योगिक निर्माण के मुद्दे पर कांग्रेस विधायक ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है। इसमें कहा गया है कि कॉटेज इंडस्ट्रीज के नाम पर अवैध औद्योगिक निर्माण हो रहा है और निगम को पेड एफ.एस.आई. का नुकसान हो रहा है।

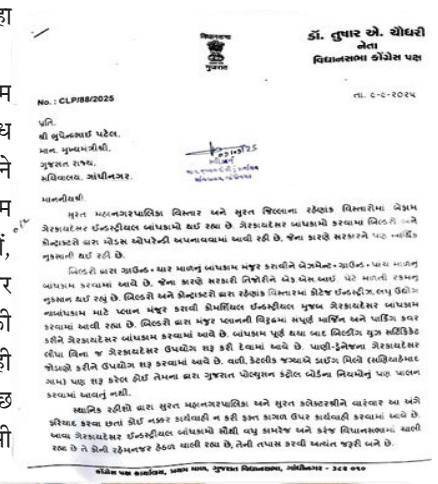

सूरत नगर निगम क्षेत्र में अवैध निर्माण करने वालों, निगम के कर्मचारियों, अधिकारियों और राजनेताओं की मिलीभगत हो रही है। पिछले कुछ समय से ऐसी शिकायतें होती रही हैं और कुछ मामलों में शिकायत के नाम पर तोड़फोड़ भी की जा रही है, ऐसा आरोप भी लगाया गया है। हालांकि, आवासीय क्षेत्रों में अवैध निर्माण के मुद्दे पर भारी हंगामा मच रहा है। इस बीच आज कांग्रेस विधायक तुषार चौधरी ने मुख्यमंत्री से शिकायत की है।

कांग्रेस विधायक की शिकायत में कहा गया है कि बिल्डरों और कॉन्ट्रैक्टरों द्वारा आवासीय क्षेत्रों में कॉटेज इंडस्ट्रीज और लघु उद्योगों के निर्माण के लिए प्लान स्वीकृत करवाकर व्यावसायिक-औद्योगिक तौर पर अवैध निर्माण किए जा रहे हैं। बिल्डरों द्वारा स्वीकृत प्लान के विरुद्ध पूरी मार्जिन और पार्किंग को कवर करके अवैध निर्माण किया जा रहा है। निर्माण पूर्ण होने के बाद बिना बिल्डिंग यूज़ सर्टिफिकेट लिए ही अवैध उपयोग शुरू कर दिया जाता है। पानी-ड्रेनेज के अवैध कनेक्शन लेकर उपयोग शुरू कर दिया जाता है। कई लोगों की शिकायत के बावजूद सूरत महानगरपालिका और सूरत कलेक्टर को बार-बार इस संबंध में शिकायत करने के बाद भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जाती, केवल कागज़ी कार्रवाई होती है। मांग की गई है कि जहां भी स्वीकृत प्लान के विरुद्ध निर्माण हुए हों, उन्हें तुरंत हटाया जाए। जिन प्रोजेक्ट्स में बिना बिल्डिंग यूज़ सर्टिफिकेट के उपयोग शुरू कर दिया गया है, उन्हें तत्काल प्रभाव से सील कर उपयोग बंद कराया जाए।

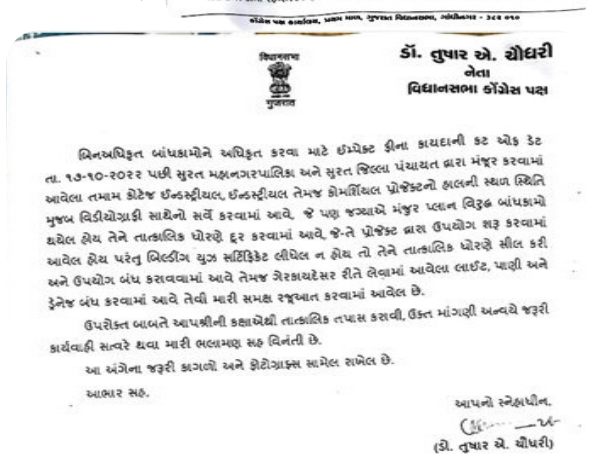

डॉ. तुषार अे. चौधरी
नेता
विधानसभा कॉंग्रेस पक्ष

No. : CLP/88/2025

डॉ. तुषार अे. चौधरी
नेता
विधानसभा कॉंग्रेस पक्ष

आपनो स्नेहाधीन,
(डॉ. तुषार अे. चौधरी)

सूरत की संतोष टेक्सटाइल मिल दुर्घटना मामला

गंभीर रूप से झुलसे एक और युवक की मौत, मृतकों की संख्या 8 पर पहुंची

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत जिले के पलसाणा तालुका के जोलवा गांव स्थित संतोष टेक्सटाइल मिल में हुई दुर्घटना में गंभीर रूप से झुलसे एक और व्यक्ति की सूरत की निजी अस्पताल में मौत हो गई। इस हादसे में मृतकों की संख्या 8 हो गई है। 38 वर्षीय युवक की इलाज के दौरान मौत हुई। पिछले तीन दिनों में पांच मौतों के कारण परिवारों और पूरे इलाके में शोक का माहौल छा गया है। वहीं अभी भी झुलसे चार लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

मिली जानकारी के अनुसार, सूरत जिले के पलसाणा तालुका के जोलवा गांव में स्थित संतोष टेक्सटाइल मिल में 1 सितंबर को केमिकल से भरा ड्रम अचानक फट गया, जिससे भीषण आग लग गई। इस हादसे में दो मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि 15 से अधिक लोग घायल हुए थे। हादसे की जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड, 108 एंबुलेंस और कडोदरा व पलसाणा पुलिस तत्काल मौके पर पहुंच गई थी। इस हादसे में झुलसे 11 लोगों को इलाज के लिए सूरत के उधना क्षेत्र स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

पांच दिन पहले प्रियंका देवी की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। दो दिन पहले जोगेंद्र मुनिलाल प्रजापति और प्रीति नागेंद्र सिंह की इलाज के दौरान मौत हुई। वहीं कल इस हादसे में सूरत के उधना क्षेत्र स्थित निजी अस्पताल में भर्ती 39 वर्षीय सुष्मा गणेशभाई मिश्रा (निवासी गोकुलधाम सोसायटी, तातिथैया, पलसाणा, सूरत, मूल निवासी जौनपुर, उत्तर प्रदेश) की मौत हो गई और 25 वर्षीय मुन्ना बिश्वनाथ दास (निवासी सोनूपार्क, कडोदरा, सूरत, मूल निवासी शिवदर, बिहार) की भी इलाज के दौरान मौत हो गई। जबकि आज 38 वर्षीय योगेंद्र बनारसी प्रजापति की मौत हो गई।

मृतकों के परिजनों ने मुआवजे और बच्चों की पढ़ाई के खर्च की मांग की थी। पुलिस ने मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए नई सिविल अस्पताल भेजा और आगे की कार्रवाई के साथ जांच शुरू की। अभी भी सूरत की निजी अस्पताल में झुलसे चार लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। मिल संचालकों ने मृतकों के परिवारों को 50 हजार नकद दिए हैं और बाकी 4 लाख का चेक देंगे। इसके अलावा 10 लाख रुपये और बीमा राशि भी देने का आश्वासन दिया है। साथ ही मृतक के बच्चों की पढ़ाई का खर्च भी उठाने की बात कही गई है। उल्लेखनीय है कि आग की घटना के मामले में ड्रम ऑपरेटर अनमोल सुख नंदी शाह और डाइंग मिल के सुपरवाइजर अल्पेश पटेल के खिलाफ लापरवाही का मामला दर्ज किया गया है।

अग्रवाल विकास ट्रस्ट जयंती महोत्सव शुक्रवार से

रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ होगी जयंती महोत्सव की शुरुआत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,अग्रवाल विकास ट्रस्ट द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी महाराजा अग्रसेनजी की 5149वीं जयंती बड़े धूम-धाम से मनाई जाएगी। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रमोद पोद्दार ने बताया कि जयंती महोत्सव की शुरुआत 12 सितम्बर, शुक्रवार को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ होगी एवं जयंती महोत्सव की विधिवत शुरुआत होगी। 22 सितम्बर, सोमवार को महाराजा अग्रसेनजी की जयंती मनाई जाएगी एवं महोत्सव का समापन 27 सितम्बर, शनिवार को होगा।

अग्रवाल विकास ट्रस्ट के सचिव अनिल शोरेवाला एवं उपाध्यक्ष प्रमोद कंसल ने बताया कि ट्रस्ट जयन्ती महोत्सव के माध्यम से अपनी संस्कृति, ज्ञान-विज्ञान, मनोरंजन, खेल कूद इत्यादि के प्रति जागरुकता को सुनिश्चित करने की दिशा में उत्तरोत्तर अग्रसर होते हुए, इस वर्ष भी अनेक प्रकार के सांस्कृतिक, सामाजिक एवं मनोरंजक प्रतियोगिताएँ द ग्रेट हाउज़ी सर्कस, द मिस्ट्री मेला, माँ दुर्गा पांडाल डेकॉर, अग्र जलसा जंक्शन, मिनी मास्टर माइंड, खोजते-खोजते खो गए ड्रामा, घुमर गरबा नाईट सहित अनेकों कार्यक्रमों का आयोजन अग्रवाल विकास ट्रस्ट की युवा शाखा एवं महिला शाखा द्वारा किया जायेगा। ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष शशिभूषण जैन ने बताया की जयंती महोत्सव में भाग लेने के लिए ऑन-लाइन रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था ट्रस्ट द्वारा की गयी है, प्रतिभागी अग्रसेन भवन के अलावा ऑन-लाइन भी अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकते है।

समितियों का हुआ गठन :- अग्रवाल विकास ट्रस्ट के मीडिया प्रभारी कपीश खाटूवाला ने बताया कि महोत्सव के दौरान विभिन्न व्यवस्थाओं के सुचारु संचालन हेतु ट्रस्ट द्वारा आयोजन समिति, कार्यक्रम व्यवस्था समिति, भोजन व्यवस्था समिति, प्रचार, स्वागत समिति समेत अनेकों समितियों का गठन किया गया है। इसके अलावा प्रत्येक कार्यक्रम के लिए संयोजक एवं कॉर्डिनेटर भी बनाये गये हैं। जयंती महोत्सव की विभिन्न व्यवस्थाओं में ट्रस्ट की युवा एवं महिला शाखा के दौ सौ से ज्यादा सदस्य सहयोगी बनेंगें।

मीटिंग में बांटी जवाबदारी :- ट्रस्ट के सहसचिव दिनेश बंसल एवं सहकोषाध्यक्ष रमेश अग्रवाल (विनायक) ने बताया कि कार्यक्रम की अंतिम तैयारियों के लिए कल्चर कमिटी की देख-रेख में एक संयुक्त मीटिंग का आयोजन किया गया। जिसमें कार्यक्रमों की रूप-रेखा तय की गयी एवं सभी को जवाबदारी दी गयी। मीटिंग में कार्यक्रमों के बारे में भी सभी को बताया गया। मीटिंग में जयंती पुस्तक का भी विमोचन किया गया।